

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 64 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 31 अक्टूबर 2026(शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

पचमढ़ी में बायसन के हमले से सेना के जवान की मौत



महानगर मेट्रो ब्यूरो

पचमढ़ी। मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में प्रशिक्षण ले रहे भारतीय सेना के 26 वर्षीय जवान आकाश चौहान की जंगली बायसन के हमले में मौत हो गई। गुरुवार शाम वे आर्मी एजुकेशन सेंटर के फुटबॉल मैदान के पास बैठे थे, तभी पीछे से आए बायसन ने उन पर हमला कर दिया। हमले में बायसन का सींग उनकी छाती के दाहिने हिस्से में लगा। साथी जवान उन्हें तत्काल आर्मी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार को भोपाल के हमीदिया अस्पताल में फोरेंसिक विशेषज्ञों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम किया गया। इसके बाद सेना के अधिकारियों ने शव परिजनों को सौंप दिया। पचमढ़ी सिविल अस्पताल के चिकित्सक दिलीप शर्मा के अनुसार, बायसन का सींग जवान की छठवीं और सातवीं पसली के पास लगा था, वे उत्तराखंड के देहरादून जिले के डोईवाला क्षेत्र स्थित शिमलास ग्रांट के निवासी थे और आर्मी एजुकेशन सेंटर में विदेशी भाषा का प्रशिक्षण ले रहे थे। शुक्रवार सुबह आर्मी सेंटर में उन्हें सैन्य सम्मान दिया गया।

गैर-कानूनी पटाखा फैक्ट्रियों और वसूली से लोगों की जान खतरे में है!

PI परमार और वहीवटदार कल्पेश भरवाड़ की मिलीभगत से विवेकानंदनगर 'मिनी गोवा' बन गया है

वांच गांव में अवैध कारोबार का आरोप, पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। अहमदाबाद जिले के विवेकानंदनगर पुलिस स्टेशन की हद में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। आज अहमदाबाद का वांच गांव गुजरात के 'शिवाकाशी' के नाम से बदनाम हो रहा है, लेकिन इस पहचान के पीछे मासूम बच्चों के खून, गैर-कानूनी गोरखधंधे और लोगों की जान से खेलने का भयानक खेल छिपा है। वांच गांव और पूरे विवेकानंदनगर इलाके में बिना किसी सरकारी इजाज़त और फायर सेफ्टी इक्विपमेंट के पटाखे बनाने की फैक्ट्रियां और गोदाम धड़ल्ले से चल रहे हैं। जहां छोटे-छोटे मासूम बच्चों को खतरनाक और ज़हरीले माहौल में काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है, वहीं प्रशासन और खाकी वर्दी वाले पूरी तरह चुप हैं। पूरे विवेकानंदनगर इलाके में 1,000 से ज़्यादा गैर-कानूनी दुकानें और फैक्ट्रियां चल रही हैं, जहां हर सेकंड जानलेवा हादसे का खतरा मंडरा रहा है। फायर सेफ्टी नियमों को ताक पर रखकर चल रहे इस धंधे के खिलाफ जिम्मेदार अधिकारी चैन की नींद सो रहे हैं। PI परमार और वहीवटदार कल्पेश भरवाड़ का किस्तों का राजः एक स्टॉल के लिए 50,000 रुपये की भारी-भरकम किस्त सूत्रों से मिली बेहद चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, इस पूरे भ्रष्टाचार का जाल सीधे विवेकानंदनगर थाने से जुड़ा है। PI परमार की छत्रछाया में उनके खास वहीवटदार कल्पेश भरवाड़ पूरे इलाके में किस्तों के राज का साम्राज्य चला रहे हैं! कल्पेश भरवाड़ अकेले एक स्टॉल या दुकान के 50,000 रुपये वसूल रहे हैं। गंभीर आरोप सामने आए हैं कि किस्तों में 50,000 रुपये तक की मोटी रकम वसूली जा रही है। मोटी रकम जेब में डालने के बाद गैर-कानूनी कारोबारियों को खुली छूट दे दी जाती है। जिले के बड़े पुलिस अधिकारियों को बार-बार लिखकर और बोलकर शिकायत करने के बाद भी PI परमार और वहीवटदार कल्पेश भरवाड़ के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। अगर इन गैर-कानूनी पटाखा गोदामों में कोई बड़ी आग या धमाका होता है और बेकसूर लोग जलकर मर जाते हैं, तो कौन जिम्मेदार होगा? PI परमार, फायर ऑफिसर या राजनीतिक आका? अगर नेता, MLA और MP भी इस गंभीर मामले पर चुप रहे, तो जनता का कानून से भरोसा उठ जाएगा।

शराब की भट्टियां और अवैध शराब के धंधे खुलेआम: पूरा इलाका 'मिनी गोवा' बन गया है!

स्थानीय लोगों के मुताबिक, PI परमार और वहीवटदार कल्पेश भरवाड़ की मेहरबानी से पूरा इलाका ऐसा जानलेवा माहौल बन गया है जैसे 'मिनी गोवा' बन गया हो! केमिकल वाली और जहरीली देसी शराब की भट्टियां खुलेआम चल रही हैं। वहीवटदार कल्पेश भरवाड़ को टैक्स वसूलने का शौक है, जिसकी वजह से हर दिन विवेकानंदनगर से अहमदाबाद शहर में आसानी से विदेशी और देसी शराब की तस्करी होती है। राज्य के डिप्टी चीफ मिनिस्टर के शराब बैन करने और कानून लागू करने के सख्त ऑर्डर को विवेकानंदनगर पुलिस स्टेशन में पूरी तरह से नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। इंग्लिश शराब का धंधा इतना बढ़ गया है कि बूटलेगरों को कानून या पुलिस का कोई डर नहीं है। जब हमारे रिपोर्टर ने एक बूटलेगर से उसका पर्दाफाश करने के लिए सवाल किया, तो उसने कैमरे पर खुलेआम दावा किया, 'हमारे पास पुलिस स्टेशन में PI परमार और LCB हैं, पूरी किश्तें उन्हीं को जाती हैं, कल्पेश भरवाड़ सारी सेटिंग रखता है, इसलिए हमें कोई दिक्कत नहीं है!'

नतीजा और सुलगते सवाल

पुलिस और बूटलेगरों की इस खुली मिलीभगत और खुली किश्तों की वजह से विवेकानंदनगर और वांच गांव के बेकसूर लोगों का जीना हराम हो गया है। लोग लगातार डर के साये में जी रहे हैं। क्या होम डिपार्टमेंट PI परमार और वहीवटदार कल्पेश भरवाड़ जैसे करप्ट लोगों के खिलाफ कोई सख्त एक्शन लेगा जो खाकी वर्दी को खराब कर रहे हैं? महानगर मेट्रो न्यूज़ की इस तीखी और चौंकाने वाली रिपोर्ट के बाद, यह देखना बाकी है कि अहमदाबाद डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ और स्टेट होम मिनिस्ट्री कब भ्रष्ट अधिकारियों और शराब तस्करों के उस साम्राज्य को ध्वस्त करेंगे जिन्होंने यह 'मिनी गोवा' बनाया है!



अवैध कारोबार और वसूली के आरोपों से घिरा इलाका

वांच गांव और विवेकानंदनगर इलाके में कथित अवैध पटाखा कारोबार, शराब तस्करी और वसूली को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतों में पुलिस अधिकारियों और एक प्रशासनिक कर्मचारी की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है।

हिमाचल सरकार की रिव्यू याचिका खारिज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिमला। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश सरकार को बड़ा झटका देते हुए सरकारी कर्मचारियों की सेवा शर्तों से जुड़े वर्ष 2024 के कानून को लेकर दायर पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी है। इस फैसले से राज्य के करीब 1.50 लाख कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद है। इसके बाद अनुबंध कर्मचारियों को पहली नियुक्ति की तारीख से सेवा संबंधी वित्तीय लाभ देने का रास्ता साफ हो गया है। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट राज्य सरकार की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) खारिज कर चुका है। उस दौरान अदालत ने सरकार को चार महीने के भीतर कर्मचारियों के सभी बकाया वित्तीय लाभ का भुगतान करने के निर्देश दिए थे।



आवारा कुत्ते ने 5 साल के मासूम पर किया हमला, बहन छतरी लेकर भिड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाला। हरियाणा के अंबाला सिटी के सेक्टर-9 में आवारा कुत्ते ने पांच साल के बच्चे विराज पर हमला कर दिया। बच्चा गली में खेलते हुए जा रहा था, तभी कुत्ते ने उसे निशाना बना लिया। जान बचाने के लिए भागते समय बच्चा सड़क पर गिर पड़ा, जिसके बाद कुत्ते ने उसके चेहरे और हाथ पर काट लिया। बच्चे की चीख सुनकर उसकी बहन तृषा छतरी लेकर मौके पर पहुंची। उसने कुत्ते को छतरी से मारकर भगाने की कोशिश की, लेकिन कुत्ता दोनों बच्चों पर हमलावर होता रहा। इसी बीच दूसरी गली से मां दौड़कर पहुंची और बच्चे को गोद में उठाकर बचाया। मां के शोर मचाने पर आसपास के लोग भी बाहर आ गए और किसी तरह कुत्ते को वहां से भगाया। 29 अक्टूबर दोपहर हुई इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। हमले में घायल विराज को परिजन निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसे एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगाया गया।



बिहार एमएलसी चुनाव में जनसुराज की एंट्री से बदले सियासी समीकरण, राजद को भी फायदा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर हुए एमएलसी चुनाव के नतीजे तीन दिन तक चली मतगणना के बाद घोषित कर दिए गए हैं। सीटों के लिहाज से कांग्रेस और सीपीआई को नुकसान हुआ है, जबकि मतों के आंकड़ों के आधार पर एनडीए, खासकर भाजपा को बड़ा झटका लगा है। दूसरी ओर राजद और प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी के प्रदर्शन को बेहतर माना जा रहा है। राजद ने छह सीटों पर चुनाव लड़कर दो सीटों पर जीत दर्ज की। इन आठ सीटों में से किसी पर भी राजद का मौजूदा एमएलसी नहीं था। पहली बार विधान परिषद चुनाव में उतरी जनसुराज ने एक सीट जीतकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। पार्टी चार सीटों पर तीसरे स्थान पर रही। कई सीटों पर जनसुराज के उम्मीदवारों को मिले वोट जीत-हार के अंतर से अधिक रहे। इससे चुनावी मुकाबले का समीकरण प्रभावित हुआ। पटना शिक्षक सीट पर राजद के संजीव कुमार ने महज 1,057 वोटों के अंतर से जीत हासिल की।



78 वर्ष की उम्र में हैदराबाद के अस्पताल में ली अंतिम सांस, फेफड़ों की बीमारी से थे पीड़ित; मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित नेताओं ने जताया शोक

छत्तीसगढ़ भाजपा को बड़ा झटका, अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा का निधन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की अहिवारा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा का निधन हो गया। वे 78 वर्ष के थे और पिछले कुछ दिनों से फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित थे। हैदराबाद के यशोदा अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से अहिवारा क्षेत्र सहित दुर्ग-भिलाई और प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत कई नेताओं ने उनके निधन पर दुख व्यक्त किया है। कोर्सेवाड़ा छत्तीसगढ़ भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में शामिल थे। राजनीति में आने से पहले उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में सेवाएं दीं। वर्ष 1998 में व्याख्याता पद से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा। वर्ष 1999 में वे दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के तत्कालीन सांसद के निजी सहायक के रूप में भी काम कर चुके थे। डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने वर्ष 2008 में भाजपा के टिकट पर अहिवारा विधानसभा सीट से पहली बार जीत दर्ज की थी। वर्ष 2018 के चुनाव में भाजपा ने उन्हें दोबारा उम्मीदवार बनाया, लेकिन इस बार कांग्रेस के गुरु रुद्र कुमार ने जीत हासिल की।



वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने फिर कोर्सेवाड़ा पर भरोसा जताया। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी निर्मल कोसरे को 25,263 मतों से हराकर दूसरी बार विधानसभा में प्रवेश किया। कोर्सेवाड़ा को 96,717 और कोसरे को 71,454 वोट मिले थे। पने पहले विधायक कार्यकाल के दौरान वर्ष 2010 में कोर्सेवाड़ा को छत्तीसगढ़ विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाया गया था। इस पद पर उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त था। उन्होंने विधानसभा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के कल्याण से जुड़ी समितियों में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। वर्ष 2023 में दूसरी बार विधायक बनने के बाद उन्हें विधानसभा की विभिन्न समितियों में स्थान मिला। वे पुस्तकालय समिति के सभापति भी रहे। उनके निधन को भाजपा के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

पाकिस्तान के कराची के मंदिर में लगा 'रामायण' का पोस्टर, हिंदू समुदाय ने लगाए जय श्रीराम के नारे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। रणबीर कपूर की आगामी फिल्म 'रामायण' को लेकर भारत ही नहीं, पाकिस्तान में भी चर्चा देखने को मिल रही है। पाकिस्तान के कराची स्थित एक मंदिर में फिल्म का पोस्टर लगाए जाने का वीडियो सामने आया है। इसमें हिंदू समुदाय के कुछ लोग 'जय श्रीराम' के नारे लगाते और फिल्म की सफलता की कामना करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में मंदिर परिसर में लगा फिल्म का पोस्टर नजर आ रहा है, जिसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश दिखाई दे रहे हैं। फिल्म में रणबीर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। वीडियो में कुछ लोगों ने फिल्म के ऑस्कर जीतने की उम्मीद भी जताई है। हालांकि पाकिस्तान में फिल्म की चर्चा के बावजूद वहां इसके सिनेमाघरों में रिलीज होने को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक एवं सैन्य तनाव के चलते पाकिस्तानी सिनेमाघरों में भारतीय फिल्मों की रिलीज प्रभावित रही है। अगस्त 2026 में आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने भारतीय फिल्मों के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी करना बंद कर दिया था। ऐसे में फिल्म की अंतरराष्ट्रीय रिलीज की योजना के बावजूद पाकिस्तान में इसकी रिलीज की अनुमति को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। इस बीच फिल्म के निर्माताओं ने अंतरराष्ट्रीय वितरण के लिए सोनी पिक्चर्स के साथ साझेदारी की है। वहीं शुक्रवार को फिल्म से रकुल प्रीत सिंह का पहला लुक भी जारी किया गया।



त्योहारों पर ज़हर का कारोबार: आपकी थाली में परोसी जा रही है मौत, साल्हेवारा-खैरागढ़ में प्रशासन सख्त!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साल्हेवारा / खैरागढ़। त्योहारों की चमक-दमक के बीच बाजारों में मिठाइयों की खुशबू घुल चुकी है, लेकिन इस मीठी चाशनी के पीछे एक खतरनाक और घातक सच छिपा है। दीपावली और अन्य त्योहारों के इस सीजन में मुनाफा कमाने की अंधी हवस में मिलावटखोर सक्रिय हो चुके हैं। आम जनता की सेहत के साथ हो रहे इस घातक खिलवाड़ को रोकने के लिए अब प्रशासन ने कड़ा रुख अपना लिया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ सघन जांच और ताबड़तोड़ कार्रवाई का बिगुल बजा दिया है। त्योहारी सीजन आते ही बाजार में मांग कई गुना बढ़ जाती है, और इसी मांग का फायदा उठाते हैं वे शातिर मिलावटखोर जो चंद पैसों के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा देते हैं। दूध और दुग्ध उत्पादः त्योहारों की रीढ़ कहे जाने वाले खोवा (मावा), पनीर, और दूध में सिंथेटिक यूरिया, डिटर्जेंट, स्टार्च और घटिया क्वालिटी के पाम ऑयलका खुलेआम इस्तेमाल किया जा रहा है। मिठाइयों को आकर्षक और चमकदार बनाने के लिए ऐसे प्रतिबंधित केमिकल रंगों का उपयोग किया जा रहा है जो सीधे तौर पर कैंसर, किडनी फेलियर और गंभीर पेट की बीमारियों का कारण बनते हैं। स्तेमाल किए गए सड़े-गले तेल और मिलावटी मसालों से बनी नमकीन और मिठाइयां सीधे तौर पर आपके और आपके परिवार के स्वास्थ्य को तबाह कर रही हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कार्यालय उप संचालक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई द्वारा 30 अक्टूबर 2026 को एक हाई-लेवल निर्देश जारी किया गया है। विशेष टीमों का गठनः खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे बाजारों में औचक निरीक्षण करें और दुकानों से खाद्य पदार्थों के संदिग्ध नमूने तुरंत संकलित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजें। इस पूरे अभियान की कड़ाई से मॉनिटरिंग की जा रही है। इस पत्र की प्रतिलिपि नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, इंद्रावती भवन (अटल नगर, रायपुर) और जिला कलेक्टर को भी भेजी गई है, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। बख्शे नहीं जाएंगे दोषी खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों, निर्माताओं और सप्लायरों पर भारी जुर्माने से लेकर जेल तक की कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। कागज पर जारी ये निर्देश और आदेश बेहद मजबूत नजर आ रहे हैं, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह सख्ती सिर्फ कागजों तक सीमित रहेगी या धरातल पर मिलावटखोरों में खौफ पैदा करेगी? त्योहारों की खुशियां कहीं मातम में न बदल जाएं, इसके लिए यह प्रशासन की अग्निपरीक्षा है। जनता अब सिर्फ वादे नहीं, बल्कि मैदान पर दिख रहे ठोस परिणाम चाहती है।

सोमनाथ मंदिर के आसपास नॉनवेज बिक्री पर लगी रोक हाईकोर्ट ने हटाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सोमनाथ मंदिर के आसपास नॉनवेज खाद्य पदार्थों की बिक्री और निर्माण पर लगी रोक हटा दी। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि स्थानीय प्रशासन ने अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया। इस फैसले से मंदिर के आसपास कारोबार करने वाले सात रेस्टोरेंट संचालकों को राहत मिली है। गुजरात सरकार ने अगस्त 2026 में अधिसूचना जारी कर सोमनाथ मंदिर के 500 मीटर के दायरे और मंदिर तक पहुंचने वाले छह प्रमुख रास्तों पर नॉनवेज बनाने और बेचने पर प्रतिबंध लगाया था। इसके खिलाफ सात रेस्टोरेंट संचालकों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उनका कहना था कि वे पिछले 20 से 25 वर्षों से वैध लाइसेंस के साथ कारोबार कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन ने उन्हें जबरन नॉनवेज बिक्री बंद करने के लिए मजबूर किया। याचिकाकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि एक व्यापारी को पुलिस चौकी ले जाकर भविष्य में नॉनवेज नहीं बेचने का लिखित आश्वासन देने के लिए कहा गया। कारोबारियों ने इसे संविधान के अनुच्छेद 19(1)(जी) के तहत मिले व्यापार करने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन बताया। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने दलील दी कि सोमनाथ केवल एक बाजार नहीं, बल्कि प्रमुख धार्मिक स्थल है, जहां नौ महीने में करीब 1.16 करोड़ श्रद्धालु पहुंचते हैं। सरकार ने हरिद्वार, ऋषिकेश, अमृतसर, मथुरा-वृंदावन और अयोध्या जैसे धार्मिक स्थलों का उदाहरण देते हुए प्रतिबंध को उचित ठहराया। सरकार का कहना था कि दुकानों को बंद नहीं कराया जा रहा, बल्कि कारोबारी शाकाहारी खाद्य पदार्थ बेच सकते हैं। याचिकाकर्ताओं ने इसके जवाब में कहा कि पुराने आदेशों में लगातार नए इलाके जोड़कर पूरे सोमनाथ शहर को शाकाहारी क्षेत्र बनाने की कोशिश की जा रही है, जबकि इसके लिए कोई नया ठोस कारण नहीं बताया गया।



नशीली कैप्सूल तस्करी में तीन दोषियों को 20 साल तक की सजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। नशीली कैप्सूल की तस्करी के मामले में विशेष एनडीपीएस अदालत ने तीन आरोपियों को दोषी ठहराते हुए 10 से 20 साल तक के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश किरण थवाईत की अदालत ने संजय उर्फ सोनू सूर्यवंशी, पूर्णचंद साहू और वासुदेव पाण्डेय उर्फ बाबू के खिलाफ यह फैसला सुनाया। सरकारी वकील भुवन लाल साहू के अनुसार, अदालत ने तीनों पर जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन के मुताबिक, 19 मई 2025 को देवेंद्र नगर पुलिस को सूचना मिली थी कि पारस नगर ब्रिज के पास एक व्यक्ति सफेद झिल्ली में प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल रखकर ग्राहकों की तलाश कर रहा है। पुलिस ने सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को देने के बाद दो स्वतंत्र गवाहों सचिन बेहरा और तुलेश यादव को साथ लिया तथा मौके पर घेराबंदी कर संदेही को पकड़ लिया। पूछताछ में उसकी पहचान संजय उर्फ सोनू सूर्यवंशी के रूप में हुई। तलाशी से पहले पुलिस ने आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 50 के तहत नोटिस दिया। इसके बाद उसके पास रखे सफेद कार्टननुमा पैकेट से 19 पत्तों में कुल 152 कैप्सूल बरामद किए गए। इनका स्ट्रिप सहित वजन 119 ग्राम और बिना स्ट्रिप 91.2 ग्राम था। पुलिस ने कैप्सूल जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया और देवेंद्र नगर थाने में मामला दर्ज किया पूछताछ के दौरान संजय के बयान के आधार पर पुलिस की जांच ओडिशा के केसिंगा तक पहुंची।



हाई कोर्ट के दखल से ग्राम पंचायत और एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम की नींद उड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भरूच ज़िले में ऐतिहासिक और आर्थिक रूप से अहम जंबूसर तालुका के दहेगाम गांव की पवित्र चरागाह की ज़मीन को गैर-कानूनी दबावों से आज़ाद कराने का मामला अब राज्य की सबसे बड़ी अदालत, गुजरात हाई कोर्ट के दरवाज़े तक पहुँच गया है। गांव के बेजुबान मवेशियों और पब्लिक प्रॉपर्टी के अधिकारों की सुरक्षा के लिए लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के ख़िलाफ़ मोर्चा खोलने वाले पिटीशनर ने हाई कोर्ट में रिट पिटीशन दायर करके एडमिनिस्ट्रेशन की लापरवाही के ख़िलाफ़ कानूनी हथियार उठा लिया है। इस सख्त कार्रवाई से गांव में चरागाह की ज़मीन पर कब्ज़ा करने वाले दबाव बनाने वालों और आँखें मूंदने वाले करप्ट अफ़सरों में भारी खलबली मच गई है। ग्राम पंचायत की भूमिका शक के घेरे में: चुपचाप सहमति क्यों ली जा रही है? नियमों और कानूनों के अनुसार, ग्राम पंचायत की यह सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी है कि वह यह पक्का करे कि गांव की सीमा के अंदर चरागाह, बाउंड्री या दूसरी सरकारी ज़मीन पर कोई गैर-कानूनी दबाव न डाला जाए और अगर कोई दबाव है, तो उसे तुरंत हटाया जाए। लेकिन इस मामले में दहेगाम ग्राम पंचायत की परफ़ॉर्मेंस शक के घेरे में आ गई है। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा हाई कोर्ट में पेश किए गए तथ्यों के अनुसार, चरागाह की ज़मीन पर सालों से गैर-कानूनी दबाव बढ़ रहा है और पक्के कंस्ट्रक्शन और कब्ज़े किए जा रहे हैं, लेकिन ग्राम पंचायत ने आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। बार-बार लिखकर और बोलकर बताने के बावजूद, गंभीर आरोप हैं कि पंचायत अधिकारी किसी अनजान दबाव या मिलीभगत के तहत आँखें मूंदे हुए हैं।

अर्नब तूफान से फसलें प्रभावित, नुकसान के आकलन के लिए राजनांदगांव में संयुक्त सर्वे शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। बंगाल की खाड़ी में आए साइक्लोनिक स्टॉर्म 'अर्नब' की वजह से बेमौसम बारिश और खराब मौसम ने राजनांदगांव जिले के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कटाई के कगार पर खड़ी धान की फसल के साथ-साथ दूसरी एग्रीकल्चर और हॉर्टिकल्चरल फसलों को हुए नुकसान को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। राजनांदगांव कलेक्टर श्री जितेंद्र यादव ने प्रभावित इलाकों में तुरंत एक बड़ा सर्वे करने और असल फसल नुकसान का डिटेल्ड आकलन करके रिपोर्ट देने के सख्त निर्देश दिए हैं। कलेक्टर जितेंद्र यादव ने एग्रीकल्चर, हॉर्टिकल्चर और रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अधिकारियों को आपस में बेहतर तालमेल बनाकर ग्राउंड लेवल पर उतरने का आदेश दिया है। उन्होंने साफ किया है कि ग्रामीण इलाकों में फील्ड स्टाफ के जरिए एक-एक करके प्रभावित खेतों का दौरा किया जाए। ट्रांसपेरेंसी पर ज़ोर: सर्वे के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नुकसान का असली और ट्रांसपेरेंट अंदाज़ा सिर्फ़ प्रभावित किसानों के खेतों में जाकर ही लगाया जाएगा।

करमसद-आनंद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की जनरल मीटिंग हंगामे में बदल गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। करमसद-आनंद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की जनरल मीटिंग शुरू से ही विवादों और गुस्से वाले रवैये की वजह से चर्चा में रही। लोकल लोगों के मुद्दों, डेवलपमेंट के कामों और एडमिनिस्ट्रेटिव गड़बड़ियों को लेकर रूलिंग पार्टी और इंडिपेंडेंट कॉर्पोरेटर्स आमने-सामने आ गए। मीटिंग के दौरान दोनों पार्टियों के बीच तीखी नोकझोंक और जोरदार बहस हुई, जिससे हाउस में भारी हंगामा हुआ। मिली जानकारी के मुताबिक, जनरल मीटिंग में शहरी इलाकों में बेसिक सुविधाओं, पीने के पानी की समस्या, सीवेज सिस्टम और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में देरी पर चर्चा हो रही थी। इसी बीच, अपोजिशन पार्टी और इंडिपेंडेंट कॉर्पोरेटर्स ने रूलिंग पार्टी पर हमला बोलते हुए उस पर जान-माल के नुकसान और पब्लिक के मुद्दों को लगातार इग्नोर करने का आरोप लगाया। जैसे ही रूलिंग पार्टी के मेंबर्स ने इसका जवाब दिया, माहौल टेंशन वाला हो गया और मेंबर्स वेल में आकर नारे लगाने और गरमागरम बयानबाजी करने लगे। मेयर और पदाधिकारियों की शांति बनाए रखने की अपील के बावजूद सदन में कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। दोनों पार्टियों के नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक का सिलसिला काफी देर तक चलता रहा। हंगामे के बीच ही अहम एजेंडा पर चर्चा हुई। नगर निगम बनने के बाद शुरू हुई इस प्रक्रिया में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच यह पहली बड़ी झड़प साफ संकेत दे रही है कि आने वाली राजनीति और गरमाएगी।

बनासकांठा के भीलडी में 14,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा के मेगा प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। उत्तर गुजरात के सीमावर्ती और रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण बनासकांठा जिले के भीलडी में आज जनकल्याण और तरक्की की एक नई सुबह हुई है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा देने वाली और गरिमामयी मौजूदगी में आयोजित एक बड़ी और भव्य जनसभा में उत्तर गुजरात के विकास को रॉकेट की तरह तेज़ करने वाले 14,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा के मेगा डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास समारोह पूरा हुआ। इस ऐतिहासिक पल को देखने के लिए पूरे उत्तर गुजरात से लाखों लोग इकट्ठा हुए थे, जिससे पूरा भीलडी पंथक लोगों के सागर में बदल गया। हॉल गूंज उठा: हर्ष सांघवी ने माहौल में जोश भर दिया इस ऐतिहासिक अधिवेशन में गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने अपने जोशीले और आक्रामक अंदाज में भाषण देकर वहां मौजूद दर्शकों में एक अद्भुत जागरूकता और उत्साह का संचार किया। जब हर्ष सांघवी ने मंच से बोलते हुए स्थानीय नागरिकों की भावुक भावनाओं को व्यक्त करते हुए 'मोदी कहीं नहीं जाएगा!' का जोरदार नारा लगाया, तो विशाल हॉल तालियों की गड़गड़ाहट और गगनचुंबी नारों से गूंज उठा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और देश के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए, वहां मौजूद लाखों लोगों ने एक साथ हाथ उठाकर इस नारे में अपनी आवाज मिलाई। इस पल ने, पक्ष-विपक्ष के सभी हिसाब-किताब को एक तरफ रखकर, लोगों के दिलों में तरक्की और नेतृत्व के लिए अपार प्रेम को ही प्रकट किया। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई 14,000 करोड़ की योजना उत्तर गुजरात के आर्थिक और सामाजिक ढांचे को बदल देगी पानी और सिंचाई सेक्टर नर्मदा और दूसरी मुख्य नहरों के ज़रिए बॉर्डर इलाकों और सूखे ज़िलों में साफ़ पीने का पानी और खेती के लिए सिंचाई का पानी देने के लिए हज़ारों करोड़ की नई पाइपलाइन और पंपिंग स्टेशन दिए गए हैं। सड़कें और इंफ्रास्ट्रक्चर उत्तर गुजरात को राजस्थान और देश के दूसरे राज्यों से जोड़ने वाले हाईवे के साथ-साथ पहाड़ी/ग्रामीण इलाकों में सड़क कनेक्टिविटी को मज़बूत करने के प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। जससे व्यापार और इंडस्ट्री को बहुत बढ़ावा मिलेगा।



पाखंड के सिंहासन पर बैठा कुकर्मी 'कुसाधु' सागरचंद्र सागरः पालिताना की पवित्र भूमि पर पाप का साया

साधु के वेश में छिपे भेड़िये का बेनकाब चेहराः अश्लील हरकतों, साध्वियों के शोषण और करोड़ों के बेनामी साम्राज्य पर 'महानगर मेट्रो' का सबसे बड़ा प्रहार!

उज्जैन से पालिताना तक आर-पार की जंग: जल्द प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबूतों के साथ फूटेगा पाप का घड़ा, दर्ज होगी सख्त एफआईआर!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद / उज्जैन / पालिताना। जैन धर्म की अनन्य आस्था, तप और त्याग का परम शाश्वत तीर्थधाम यानी श्री पालिताना गिरिराज। जिस पवित्र तपोभूमि पर भगवान महावीर स्वामी के पदचिह्न और अनंत मुनि भगवंतों की साधना का प्रकाश जगमगाता है, उसी पावन दर्शनधाम को साधु के वेश में छिपे एक कथित आचार्य सागरचंद्र सागर और उसके गिरोह द्वारा कलंकित करने की घिनौनी साजिश से पूरे देश के जैन समाज में भारी उबाल आ गया है। धर्म की चादर ओढ़कर अधर्म और कुकर्म का साम्राज्य चलाने वाले इस 'कुसाधु' के खिलाफ अब जैन संघों, युवाओं और सच्चे श्रद्धालुओं ने आर-पार की ललकार पेश कर दी है।

मौन ही गुनाह का सबसे बड़ा सबूत: कब तक छिपेगा अंधभक्तों की ओट में?

साधुता के नाम पर धब्बा बन चुके इस कथित आचार्य पर बेहद गंभीर और रोंगटे खड़े कर देने वाले आरोप लगे हैं, लेकिन वह चुप्पी साधे बैठा है। 'महानगर मेट्रो' सीधा सवाल उठाता है–यदि सागरचंद्र सागर निष्पाप है, तो वह समाज और मीडिया के सामने आकर अपनी सफाई देने की हिम्मत क्यों नहीं जुटा पा रहा? सच्चाई का सामना करने के बजाय अपने अंधभक्तों को आगे करके मीडिया को गुमराह करना और ढाल बनाना ही इस बात का 100 प्रतिशत प्रमाण है कि उस पर लगे तमाम आरोप रत्ती भर भी झूठे नहीं हैं। वायरल हुई अश्लील तस्वीरें, मासूम साध्वियों और लाचार महिलाओं पर किए गए अत्याचारों का काला कच्चा चिट्ठा अब पूरी तरह उजागर हो चुका है। अपनी अंतरात्मा की चीख और इस कायरतापूर्ण मौन से वह खुद अपने गुनाहों पर मुहर लगा चुका है!

दान की तिजोरी से ऐशपरस्ती: श्रद्धालुओं के खून-पसीने की कमाई पर डाका!

देशभर के जैन श्रद्धालु जीवदया, मानव सेवा और जिनशासन की प्रभावना के लिए अपनी मेहनत की कमाई से पाई-पाई दान करते हैं। लेकिन इस कुकर्मी ने धर्म के नाम पर आए उसी पावन दान का इस्तेमाल अपनी निजी सुख-सुविधाओं, बेनामी संपत्तियों और अय्याशी के अड्डे खड़े करने में किया है। 'महानगर मेट्रो' पूरे जैन समाज से पुरजोर अपील करता है

1. **वेश से बेदखल करो:** जिनशासन को कलंकित करने वाले इस कथित आचार्य को तुरंत साधु के वेश से बाहर फेंका जाए।

2. **काली कमाई जब्त करो:** श्रद्धालुओं के दान से खड़ी की गई इस कुसाधु की तमाम चल-अचल संपत्तियों को समाज अपने कब्जे में ले।

3. **जनहित में हो पैसों का उपयोग:** इन पैसों का उपयोग जैन समाज और आम जनता के लिए निःशुल्क अस्पताल, स्कूल, कॉलेज और गौशालाएं बनाने में किया जाए।

आचार्य पद की आड़ में इस भेड़िये के अत्याचारों और शोषण का शिकार बनीं मासूम साध्वियों या महिलाओं से हम विशेष अपील करते हैं। अगर आप इस कुसाधु के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करना चाहती हैं, तो 'महानगर मेट्रो' आपके साथ चट्टान की तरह मजबूती से खड़ा है।



आपकी पहचान, नाम और पता पूरी तरह गुप्त रखा जाएगा। यदि आपके पास इसके काले कारनामों, अश्लील हरकतों या काली कमाई का कोई भी सबूत है, तो हमारी निडर पत्रकारिता टीम से निसंकोच संपर्क करें। हम इस पूरे घोटाले को बेनकाब करके इस भ्रष्ट आचार्य को सलाखों के पीछे पहुंचाएंगे।

उज्जैन और पालिताना में महासंग्राम: उज्जैन प्रेस कॉन्फ्रेंस में होगा अंतिम प्रहार!

आगामी दिनों में इस ढोंगी आचार्य के खिलाफ उज्जैन और पालिताना की पावन धरती पर अभूतपूर्व, ऐतिहासिक और उग्र विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उज्जैन में आयोजित होने वाली एक विशाल राष्ट्रीय प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुख्ता और अकाट्य सबूतों के साथ इस पूरे महाघोटाले और कामलीला का पर्दाफाश किया जाएगा, ताकि मध्य प्रदेश सहित पूरे देश का जैन समाज इस भ्रष्ट आचार्य और उसके सागर समुदाय में छिपे अन्य कुसाधुओं के असली चेहरों को पहचान सके। धर्म के व्यापारी! अब तेरी परछाई भी तुझसे दूर भाग रही है! मंच पर बैठकर दूसरों को त्याग, संयम और चरित्र का ज्ञान बांटने वाले



सागरचंद्र सागर! अब तेरी आत्मा का हर पन्ना बेनकाब हो चुका है। कब तक अपने पापों से भागेगा? एक दिन तो सब कुछ यहीं छोड़कर जाना पड़ेगा! जरा अपनी परछाई को देख, वो भी तेरे कुकर्मों की बदबू से दूर भाग रही है। प्रवचनों में आने वाली बहन-बेटियों को तू किस घटिया नजर से देखता था, इसका हिसाब अब देना ही होगा। तुझे तो सपनों में भी सिर्फ अपने कुकर्म ही दिखाई देते होंगे! जैन समाज अब चुप नहीं बैठने वाला। पाई-पाई का हिसाब लिया जाएगा और तेरे इस अधर्म के साम्राज्य का अंत अब पूरी तरह तय है!

हेड ऑफिस में वाइस चांसलर को दी गई तीखी याचिका: हेड ऑफिस गगनचुंबी नारों से गूंजा

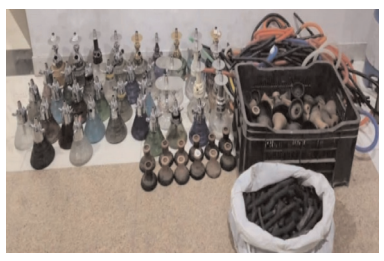
महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/सूरत। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आज स्टूडेंट्स के पेंडिंग और गंभीर मुद्दों को लेकर यूनिवर्सिटी हेड ऑफिस पर बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। ABVP कार्यकर्ताओं और स्टूडेंट्स ने इकट्ठा होकर सभी फैकल्टी में खराब सफाई और, ज़ब्यज्ञ पॉलिसी में किए गए बदलाव के मुद्दे पर यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन और वाइस चांसलर के खिलाफ मोर्चा खोला। गंदगी और सफाई न होने से स्टूडेंट्स परेशान ABVP नेताओं ने गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि पिछले काफी समय से यूनिवर्सिटी की अलग-अलग फैकल्टी, क्लासरूम और कैंपस में सफाई का काम पूरी तरह से ठप है। हर तरफ गंदगी का राज होने से स्टूडेंट्स की हेल्थ को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। बार-बार कहने के बाद भी यूनिवर्सिटी का इनएक्टिव एडमिनिस्ट्रेशन सोया हुआ है, जिसकी वजह से आज स्टूडेंट्स को खुद ही सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा है। ATKT बढ़ोतरी के खिलाफ़ ज़बरदस्त गुस्सा सफ़ाई के अलावा, यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा ATKT नियमों और फ़ीस/सब्जेक्ट्स में की गई अचानक बढ़ोतरी के खिलाफ़ भी स्टूडेंट्स में बहुत नाराज़गी ABVP ने आरोप लगाया था कि एडमिनिस्ट्रेशन स्टूडेंट्स पर एक्स्ट्रा पैसे और दिमागी बोझ डाल रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नारों के साथ वाइस चांसलर को दी गई अर्ज़ी आज बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स और ABVP के कार्यकर्ता यूनिवर्सिटी हेड ऑफ़िस पर जमा हुए। उन्होंने हाथों में तख्तियां लेकर एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ़ नारे लगाए और माहौल को गरमा दिया। उसके बाद, कार्यकर्ताओं का एक ग्रुप वाइस चांसलर से पर्सनली मिला और अर्ज़ी दी और अल्टीमेटम दिया कि ATKT में की गई बढ़ोतरी तुरंत वापस ली जाए। ABVP ने साफ़ चेतावनी दी है कि अगर स्टूडेंट्स के इन वाजिब मुद्दों का जल्द से जल्द हल नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में यूनिवर्सिटी कैंपस में और भी ज़्यादा ज़बरदस्त और आक्रामक आंदोलन किए जाएंगे।

अहमदाबाद में SMC की रेड: चांदखेड़ा के 'चेरीज़ कैफे' में हर्बल हुक्का की आड़ में निकोटीन का अड्डा पकड़ा गया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस की स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने राज्य भर में चल रही गैर-कानूनी गतिविधियों और ड्रग-हुक्का बार पर पूरी तरह से नज़र रखी है। इस सख्त मुहिम के तहत अहमदाबाद शहर के पॉश चांदखेड़ा इलाके में एक बड़ी और कड़ी कार्रवाई की गई है। स्स्ष्ट टीम ने चांदखेड़ा में झुंडाल गरनाला के पास चहल-पहल वाले 'चेरीज़ कैफे' पर अचानक रेड मारी और हर्बल फ्लेवर की आड़ में प्राइवेट तौर पर चलाए जा रहे निकोटीन वाले हुक्का बार का पर्दाफाश किया। हर्बल के नाम पर युवाओं को परोसा जा रहा था ज़हर स्टेट मॉनिटरिंग सेल टीम को खास जानकारी मिली कि झुंडाल के गरनाला के पास माधव पार्टी प्लॉट के बगल में मौजूद 'चेरीज़ कैफ़े' के संचालक युवाओं के साथ बड़ा खेल खेल रहे हैं। कैफ़े में आने वाले युवाओं को 'हर्बल फ्लेवर' के नाम पर लालच देकर असल में निकोटीन वाला हुक्का परोसा जा रहा है, जो सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक और बैन है। इस जानकारी के आधार पर, SMC की एक तैयार टीम ने कैफ़े पर अचानक छापा मारा। पुलिस के अचानक आने से कैफ़े संचालकों और वहाँ मौजूद ग्राहकों में भगदड़ मच गई। कमरे के अंदर चेक करने पर पता चला कि अंदर हर्बल बोर्ड तोड़कर निकोटीन वाला ज़हर बेचा जा रहा था। पुलिस रेड भारी मात्रा में गैर-कानूनी सामान ज़ब्त SMC द्वारा कैफे की गहन तलाशी के दौरान, भारी मात्रा में गैर-कानूनी सामान मिला, जिसे पुलिस ने ज़ब्त कर लिया हैः इंदखेड़ा पुलिस स्टेशन में मैनेजर समेत 5 लोगों की मौजूदगी दर्ज इस रेड के दौरान कैफे के मैनेजर समेत कुल 5 लोग मौके



पर मौजूद पाए गए। स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने इस मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई की है और चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन में 'जॉब टू नो ' दर्ज किया गया है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। SMC की इस धीरे-धीरे और सख्ती से की गई कार्रवाई से अहमदाबाद और आस-पास के इलाकों में चुपके से हुक्का बार या ड्रग्स के अड्डे चलाने वाले लोगों में भारी हलचल मच गई है।

अहमदाबाद में गांजे के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़: रामोल पुलिस ने एक्सप्रेस हाईवे से 8 लाख रुपये के माल के साथ मोरबी के एक युवक को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर पुलिस ने अब गुजरात में ड्रग्स का धंधा चलाने वालों के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। अहमदाबाद शहर के रामोल पुलिस स्टेशन की टीम ने सूचना के आधार पर और गहन वाहन चेकिंग के दौरान ड्रग तस्करी में शामिल एक व्यक्ति को पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने अहमदाबाद के एक्सप्रेस हाईवे से लाखों रुपये के गांजे के साथ मोरबी के एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिससे ड्रग माफिया में भारी हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, रामोल पुलिस स्टेशन का स्टाफ एक्सप्रेस हाईवे इलाके में गहन वाहन चेकिंग और पेट्रोलिंग कर रहा था। इस दौरान पुलिस को मिली सूचना और शक के आधार पर एक व्यक्ति की पूरी जांच की गई। जांच के दौरान उसके पास से एक संदिग्ध और प्रतिबंधित नशीला पदार्थ (मारिजुआना) मिला। पुलिस ने पकड़े गए युवक से सख्ती से पूछताछ की और उसके पास से भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भाविक मोर्डिया (मोरबी का रहने वाला) के तौर पर हुई है। पुलिस ने उसके पास से करीब 8 लाख रुपये कीमत का 16 द्मद्द शुद्ध मारिजुआना बरामद किया है। इतनी बड़ी मात्रा में मारिजुआना मिलने से पुलिस भी हैरान रह गई। पुलिस जांच में ड्रग सप्लाई नेटवर्क के बारे में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपी भाविक मोर्डिया ने कबूल किया है कि वह इतनी बड़ी मात्रा में मारिजुआना ओडिशा के अश्विनी बेग नाम के व्यक्ति से लाया था। ओडिशा से यह मात्रा लाने के बाद उसे इसे मोरबी के पंकज फकर नाम के व्यक्ति को देना था। यानी, इस बात का पक्का शक है कि ओडिशा से गुजरात में ड्रग्स की तस्करी करने के लिए कोई इंटर-स्टेट सिंडिकेट काम कर रहा है। रामोल पुलिस ने इस मामले में NDPS एक्ट के तहत केस दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस दिशा में जांच



शुरू कर दी है कि इस नेटवर्क की जड़ें कहां तक फैली हैं, अश्विनी बेग और पंकज फकर कौन हैं और इस गैंग ने पहले कितनी क्वांटिटी में ड्रग्स सप्लाई की है। पुलिस ने युवा पीढ़ी को बर्बाद करने वाले ड्रग डीलरों पर कड़ी नज़र रखी है, इसलिए आने वाले दिनों में इस मामले में और भी बड़े खुलासे होने की पूरी संभावना है। 'पाको गुजरात' ऐसे एंटी-सोशल एलिमेंट्स को बेनकाब करके ड्रग-फ्री समाज के लिए अपनी आवाज़ प्रमुखता से उठाता रहेगा।

डायमंड और सिल्क सिटी माने जाने वाले सूरत शहर से एक मज़ेदार लेकिन गंभीर राजनीतिक घटना सामने आई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के वार्ड नंबर 10 से BJP की महिला कॉर्पोरेटर उर्वशी पटेल अपने अजीब और बेतुके बयानों की वजह से अचानक चर्चा के केंद्र में आ गई हैं। अपने इलाके में आ रहे गंदे, पीले और बदबूदार पानी की गंभीर समस्या के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम की नाकामी को छिपाने के लिए उन्होंने सीधे 'अल नीनो' (ग्लोबल क्लाइमेट चेंज) का हवाला दिया। इस बेतुके तर्क के बाद ट्रोल होने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर 'मेरे फॉलोअर्स बढ़ गए हैं' कहकर एक और पोस्ट करके आग में घी डालने का काम किया है। क्या था पूरा विवाद? पिछले कुछ सालों से सूरत के अडाजन समेत कई इलाकों में रहने वालों के घरों में पीला और गंदा पानी आ रहा है। हर घर में गंदा पानी होने से बीमारी फैलने का डर है और लोकल लोग म्युनिसिपैलिटी से परेशान हैं। जब यह पब्लिक का मामला BJP की महिला कॉर्पोरेटर उर्वशी पटेल के सामने आया, तो उन्होंने सोशल मीडिया पर साइंस और लॉजिक के आधार पर एक विवादित सफाई दी। उन्होंने दावा किया कि, 'तापी नदी का पानी 'एल नीनो' के असर से पीला हो रहा है! कॉर्पोरेटर की इस 'साइंटिफिक खोज' वाली सफाई को पढ़कर सूरत के लोग हैरान रह गए। पाइपलाइन लीकेज या सीवेज मिक्सिंग के बजाय, नेटिज़न्स और विपक्ष ने सोशल मीडिया पर उनकी कड़ी आलोचना की और ग्लोबल मौसम की घटना को दोषी ठहराते हुए उन्हें खूब ट्रोल किया। जसमें उन्होंने लिखा, 'मुझे ट्रोल करने की वजह से मेरे सोशल मीडिया अकाउंट पर फॉलोअर्स में भारी बढ़ोतरी हुई है!

मार्ट सिटी अहमदाबाद के विकास और लोगों के हित के लिए AMC स्टैंडिंग कमेटी के बड़े फैसले!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की स्टैंडिंग कमेटी की एक अहम मीटिंग चेयरमैन कमलेश पटेल की अध्यक्षता में हुई। इस मीटिंग में शहर के ओवरऑल विकास, नागरिक सुविधाओं के मॉडर्नाइज़ेशन, पानी के स्टोरेज और मनोरंजन की जगहों को लेकर कई गंभीर और जनता के हित वाले फैसलों को मंज़ूरी दी गई है। शहर में पीने के साफ पानी की बर्बादी रोकने और असली ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए स्टैंडिंग कमेटी ने सख्त रुख अपनाया है। गैर-कानूनी कनेक्शन लेकर पानी चुराने और उसका कमर्शियल इस्तेमाल करने वाली यूनिट्स के खिलाफ सीधी कानूनी कार्रवाई करने का फैसला किया गया है। सभी ज़ोन में टीमें बनाकर गैर-कानूनी कनेक्शन काटने का अभियान तेज़ किया जाएगा। गैर-कानूनी तरीके से पानी खींचने वाली कमर्शियल यूनिट्स पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा और उन्हें सील किया जाएगा। गैर-कानूनी तरीके से पानी निकालने वाली कमर्शियल यूनिट्स पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा और उन्हें सील किया जाएगा। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की स्टैंडिंग कमेटी की एक अहम मीटिंग चेयरमैन कमलेश पटेल की अध्यक्षता में हुई। इस मीटिंग में शहर के ओवरऑल विकास, नागरिक सुविधाओं के मॉडर्नाइज़ेशन, पानी के स्टोरेज और मनोरंजन की जगहों को . 2. कांकरिया 'किड्स सिटी' का मॉडर्नाइज़ेशन और नए अट्रैक्शन अहमदाबाद की शान माने जाने वाले कांकरिया लेकफ्रंट पर मौजूद बच्चों के पसंदीदा 'किड्स सिटी' को वर्ल्ड-क्लास बनाने के लिए एक बड़ा फ़ैसला लिया गया है। बच्चों में साइंस, टेक्नोलॉजी और स्पोर्ट्स में दिलचस्पी बढ़ाने के लिए नई एंटरटेनमेंट और एजुकेशनल एक्टिविटीज़ को मंज़ूरी दी गई है। स्पेस एक्सप्लोरेशन सेंटर, चॉकलेट फ़ैक्टरी, 'खेलो इंडिया' स्पोर्ट्स एकेडमी, रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी सेंटर, एरोडायनामिक्स एंड फ़्लाइट साइंस लैब और ड्रोन लेबोरेटरी जैसी मॉडर्न एक्टिविटीज़ शुरू की जाएंगी। हर साल 118 जगहों पर लाइटिंग करने के बजाय, इस बार सिर्फ़ भद्रकाली मंदिर और साबरमती रिवरफ्रंट के 6 मेन ब्रिज समेत 7 चुनी हुई जगहों पर ही अट्रैक्टिव लाइटिंग की जाएगी। इस फैसले से नगर पालिका का बजट 92 लाख से घटकर सिर्फ 7 लाख रुपये रह जाएगा, जिससे जनता के टैक्स का पैसा और बिजली दोनों की बचत होगी सोला STP प्लांट और दूसरे विकास कामों में सुरक्षा में लापरवाही के लिए न सिर्फ ठेकेदारों बल्कि जिम्मेदार नगर पालिका अधिकारियों की भूमिका की भी सख्ती से जांच करने और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का एक अहम आदेश दिया गया है।



30 प्रतिभागियों ने लिया प्रशिक्षण, स्वरोजगार एवं उद्यमिता विकास पर दिया गया मार्गदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। ग्राम डोमाटोला स्थित सामुदायिक भवन में भावसर फाउंडेशन द्वारा RAMP योजना के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय 12 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 अक्टूबर 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 10 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। RAMP योजना भारत सरकार एवं विश्व बैंक की पहल है, जिसका उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के प्रदर्शन को बेहतर बनाना तथा उद्यमियों को व्यवसाय के विकास के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रशिक्षण के दौरान उद्यमिता विकास प्रशिक्षक दीपक कुमार वर्मा एवं तेजस्वी वर्मा ने प्रतिभागियों को उद्यमिता विकास, स्वरोजगार के अवसर, RAMP योजना के उद्देश्य एवं लाभ, MSME के अंतर्गत वित्तीय सहायता एवं ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया, डिजिटल तकनीक, बाजार से जुड़ाव, कौशल विकास तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक दस्तावेज, वित्तीय प्रबंधन, व्यवसाय योजना तैयार करने, बाजार सर्वेक्षण एवं टिकाऊ व्यवसाय संचालन के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया। समापन अवसर पर आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों ने अपनी जिज्ञासाएं रखीं, जिनका प्रशिक्षकों ने समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षकों ने सभी प्रतिभागियों को भविष्य में स्वयं का व्यवसाय शुरू करने, स्वरोजगार अपनाने तथा आत्मनिर्भर बनने के लिए शुभकामनाएं दीं।



1 नवंबर को रामलीला मैदान में 10 लाख की भीड़ से करोड़ों का बिज़नेस ठप होने का डर!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। त्योहारों के मौसम में, जब दिल्ली के बाज़ार ग्राहकों से भरे होते हैं और व्यापारी इन दिनों में पूरे साल की कमाई करने की उम्मीद कर रहे होते हैं, तो राजनीतिक उन्माद ने व्यापारी वर्ग की नींद हराम कर दी है। 1 नवंबर को कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में एक बहुत बड़ी रैली की है। जिसमें राहुल गांधी और सोनिया गांधी समेत बड़े नेता मौजूद रहने वाले हैं। लेकिन इस रैली की वजह से ट्रेड एसोसिएशन में बहुत गुस्सा और चिंता है, जिन्हें डर है कि इस रैली से दिल्ली के ट्रेड और इंडस्ट्री को बड़ा झटका लगेगा। रामलीला मैदान में 10 लाख लोगों के इकट्ठा होने से सेंट्रल और पुरानी दिल्ली में ट्रैफिक जाम का डर दिल्ली के बड़े ट्रेड ऑर्गनाइज़ेशन 'चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री' ने इस मामले में सीधे दखल देते हुए कांग्रेस की सीनियर लीडर सोनिया गांधी को एक लेटर लिखा है। लेटर में CTI ने कड़े शब्दों में कहा है कि इस रैली में पूरे देश से करीब 10 लाख लोगों के इकट्ठा होने की संभावना है। अगर इतनी भारी भीड़ रामलीला मैदान में इकट्ठा होती है, तो पूरी सेंट्रल दिल्ली और पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक, सदर बाजार और कनॉट प्लेस जैसे मुख्य कमर्शियल सेंटर्स पर भारी ट्रैफिक जाम लग जाएगा। चूंकि यह दिवाली का त्योहार है, इसलिए हर दिन लाखों लोग शॉपिंग के लिए दिल्ली के मार्केट में आते हैं।

फ्रॉड का शिकार हुए कई नागरिक इंसाफ की मांग को लेकर मैदान में उतरे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। खेड़ा जिले के हेडक्वार्टर नडियाद से फाइनेंशियल फ्रॉड का एक बड़ा और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। नडियाद के पूर्व पार्षद जतिन प्रवासी और हारुन दीवान की चलाई जा रही 'प्रवासी-2 स्कीम' में करोड़ों रुपये इन्वेस्ट करके फ्रॉड का शिकार हुए कई नागरिक और इन्वेस्टर आज गुस्से में नडियाद कलेक्ट्रेट पहुंचे। कलेक्टर को शिकायत भेजकर इन 120-130 फ्रॉड करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और उनकी मेहनत की कमाई वापस दिलाने की पुरज़ोर मांग की गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, 'प्रवासी-2' प्रोजेक्ट या स्कीम को पूर्व पार्षद जतिन प्रवासी और हारुन दीवान ने शुरू किया था। इस स्कीम में नडियाद और आस-पास के इलाकों के सैकड़ों मिडिल क्लास परिवारों, व्यापारियों और नागरिकों से मकान, दुकान या ज़्यादा रिटर्न का लालच देकर करोड़ों रुपये ऐंठ लिए गए। लंबे समय तक इन्वेस्टर्स को न तो प्रोजेक्ट मिला और न ही उनके पैसे वापस किए गए। जब इन्वेस्टर्स ने अपने नागरिक अधिकारों के लिए आवाज़ उठाई और पीयूष/मैनेजरों से हिसाब मांगा, तो संतोषजनक जवाब मिलने के बजाय सिर्फ़ गोलमोल बातें और झूठे वादे दिए गए। आखिर में, अपनी ज़िंदगी भर की जमा-पूंजी डूबने की चिंता में डूबे पीड़ितों ने एक साथ आकर कानूनी लड़ाई शुरू कर दी है। आज नडियाद कलेक्टर ऑफिस में बड़ी संख्या में स्कीम के शिकार महिलाएं, युवा और बुज़ुर्ग मौजूद थे। उन्होंने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर पूर्व पार्षद जतिन प्रवासी और हारुन दीवान के खिलाफ़ नारे लगाए और पूरे परिसर को गुलज़ार कर दिया। पीड़ितों ने डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को एक अर्जी देकर साफ कहा कि इस स्कैम के मेन मास्टरमाइंड जतिन प्रवासी और हारुन दीवान के खिलाफ तुरंत केस दर्ज किया जाए और उन्हें गिरफ्तार किया जाए। इन्वेस्टर्स के फंसे हुए करोड़ों रुपये ब्याज समेत वापस दिलाने के लिए ज़रूरी प्रॉपर्टी ज़ब्त करने की कार्रवाई की जाए। अगर एडमिनिस्ट्रेशन ने इस मामले में ढीला रवैया दिखाया तो आने वाले दिनों में वे उग्र आंदोलन और अनशन करने को मजबूर होंगे। लोगों के भरोसे का गलत इस्तेमाल करके की गई करोड़ों रुपये की इस धोखाधड़ी ने पूरे नडियाद पंथक में काफी चर्चा पैदा कर दी है।



नडियाद में फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की कार्रवाई से टिम्बर माफिया में भूचालः बिना परमिट के गैर-कानूनी तरीके से पेड़ काटकर लाई गई लकड़ी से भरे 5 ट्रक जब्त!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। गुजरात में प्रकृति की कीमत पर हरियाली खत्म कर रहे तस्करों और टिम्बर माफियाओं के खिलाफ फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने अब सख्त रवैया अपनाया है। खेड़ा जिले के नडियाद पंथक से गैर-कानूनी तरीके से और बिना परमिट के पेड़ काटकर लाई गई लकड़ी से भरे पांच बड़े ट्रकों को नडियाद रेंज की इंचार्ज फॉरेस्ट ऑफिसर मनीषा वाघेला की टीम ने जब्त कर लिया है। इस बड़ी कार्रवाई से नडियाद और आसपास के इलाकों में गैर-कानूनी लकड़ी के व्यापार में शामिल लोगों में काफी दहशत फैल गई है मिली जानकारी के मुताबिक, पंचमहल और महिसागर पंथक के जंगलों और आसपास के इलाकों को बंधक बनाकर टिम्बर माफिया एक्टिव हो गए हैं। शेहरा (गोधरा), छोटा उदयपुर और संतरामपुर जैसे जंगल के इलाकों से कीमती पेड़ों की गैर-कानूनी कटाई (अंधाधुंध कटाई) की जाती है। इसके बाद, इस गैर-कानूनी लकड़ी को ट्रकों में भरकर बिना किसी वैलिड परमिट, पास या डॉक्यूमेंट्री सबूत के नीलामी या बिक्री के लिए नडियाद लाया जाता था। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट को खास जानकारी मिली थी कि डेवलपमेंट के नाम पर पर्यावरण का नुकसान करने वाले ये तस्कर बिना रोक-टोक लकड़ी की तस्करी कर रहे हैं। मंजीपुरा रिंग रोड पर संतराम वे ब्रिज के पास जाल बिछाया गया फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की टीम को मिली जानकारी के आधार पर, नडियाद रेंज इंचार्ज फॉरेस्ट ऑफिसर मनीषा वाघेला और उनकी टीम ने नडियाद में मंजीपुरा रिंग रोड पर 'नडियाद सॉ मिल ओनर्स एसोसिएशन से मंजूर' संतराम वे ब्रिज के पास निगरानी रखी। जानकारी के मुताबिक, लकड़ी से लदे कुल पांच ट्रकों को एक के बाद एक संदिग्ध हालत में गुजरते हुए रोका गया और उनकी जांच की गई। जब यह बात सामने आई कि ट्रक ड्राइवरों या व्यापारियों के पास लकड़ी की तस्करी के लिए कोई कानूनी कागज़ात या परमिट नहीं थे, तो फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी पांच ट्रक और लकड़ी को ज़ब्त कर लिया।बड़ा सवालः गैर-कानूनी तरीके से लकड़ी खरीदने वाली आरा मिलों पर कार्रवाई कब होगी? प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाले और गैर-कानूनी लकड़ी खरीदने वाले मुख्य माफिया और आरा मिल संचालकों पर कब और क्या कार्रवाई होगी, यह एक बड़ा सवाल है।



दुबई तक फैले मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क का पर्दाफाशः अहमदाबाद साइबर क्राइम ने बैंक अकाउंट से पैसे भेजने वाले एक इंटरनेशनल गैंग के 4 सदस्यों को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

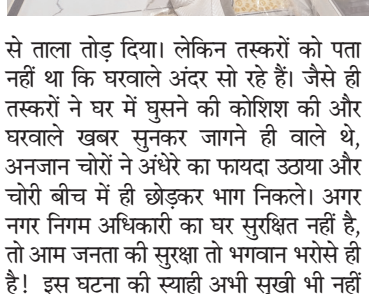
अहमदाबाद। अहमदाबाद साइबर क्राइम पुलिस ने गुजरात समेत पूरे देश में साइबर फ्रॉड और डिजिटल गिरफ्तारियों पर नकेल कसी है और स्टॉक मार्केट में ज़्यादा रिटर्न का वादा करके करोड़ों रुपये ठगने वाले एक इंटरनेशनल साइबर गैंग का पर्दाफाश किया है। पता चला है कि साइबर फ्रॉड करने वाले आम लोगों से लाखों-करोड़ों रुपये ठगकर उस रकम को बैंक अकाउंट के ज़रिए विदेश (दुबई) भेज रहे थे। इस हाई-प्रोफाइल साइबर स्कैम में पुलिस ने चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करके पूरे सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। अहमदाबाद साइबर क्राइम द्वारा गिरफ्तार किए गए चार आरोपियों में (1) इरफान शेख, (2) सोहैब जोजावरवाला, (3) शहजाद अजमेरवाला और (4) इस्तियाक रियावाला शामिल हैं। ये सभी आरोपी एक अच्छी तरह से ऑर्गनाइज़्ड चेन बनाकर क्रिमिनल एक्टिविटीज़ को अंजाम दे रहे थे और साइबर फ्रॉड को आसान बनाने के लिए दुबई में पैसे भेजने के लिए बैंक अकाउंट किराए पर ले रहे थे। यह इंटरनेशनल स्कैम कैसे काम करता था? (चेन की डिटेल्स) पुलिस जांच में पता चला है कि यह पूरा गैंग बहुत करप्ट तरीके से काम कर रहा था और एक के बाद एक लोग कमीशन के लालच में इस चेन से जुड़ते गए इरफान शेखः वह अपना बैंक अकाउंट खुद खोलता था और कमीशन मिलने के बाद वह अकाउंट सोहेब को दे देता था। वह अपने और इरफान समेत दूसरे लोगों के पांच से ज़्यादा बैंक अकाउंट बनवाता था और फिर उन्हें शहजाद को देकर बदले में कमीशन लेता था। शहजाद अजमेरवालाः यह आदमी बैंक अकाउंट बनवाने के लिए मेनली जिम्मेदार था। वह सोहेब और दूसरों को कमीशन देता था और अपना कमीशन रखने के बाद उन बैंक अकाउंट को इस्तियाक को दे देता था। इस्तियाक रियावालाः इस्तियाक, जिसे इस गैंग का मेन मिडिलमैन या लिंक कहा जा सकता है, ये सारे बैंक अकाउंट बनवाकर सीधे दुबई भेजता था और मोटा कमीशन वसूलता था। साइबर क्राइम टीम ने जांच के दौरान मास्टरमाइंड इस्तियाक से 30 से ज़्यादा बैंक अकाउंट किट (डेबिट कार्ड, चेक बुक, पासबुक वगैरह) ज़ब्त किए हैं, जिससे यह साफ़ होता है कि इस गैंग ने बड़े पैमाने पर आर्थिक अपराध किए हैं। देश भर में फैला नेटवर्क और करोड़ों का लेन-देन आरोपियों द्वारा साइबर धोखाधड़ी के लिए पैसे जमा करने और ट्रांसफर करने के लिए इस्तेमाल किए गए बैंक अकाउंट का पता लगाने पर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।



डभोई में खाकी के डर के बिना तस्कर बेकाबू! एक ही रात में नगर पालिका के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन समेत दो घरों के ताले टूटे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। डभोई शहर में कानून-व्यवस्था की हालत बिगड़ती जा रही है और ऐसा लग रहा है कि पुलिस की पेट्रोलिंग सिर्फ कागजों पर है। असामाजिक तत्वों और तस्करों के हौसले इतने बढ़ गए हैं कि अब पुलिस या प्रशासन के डर के बिना खुलेआम चोरियां हो रही हैं। डभोई शहर में एक ही रात में दो घरों के ताले तोड़ने की नाकाम कोशिश ने पूरे शहर में हंगामा मचा दिया है। खासकर जब से नगर पालिका के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के घर को निशाना बनाया गया और एक ही घर में बार-बार चोरी की कोशिशें हुई हैं, शहरवासियों में काफी हंगामा मचा हुआ है और लोगों की रातों की नींद उड़ गई है। मली जानकारी के मुताबिक, नगर पालिका के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन अबजलभाई कबावाला का घर डभोई नगर के मेन रोड पर है। मेन रोड पर बने घर को अनजान तस्करों ने निशाना बनाया और बाहर से ताला तोड़ दिया। लेकिन तस्करों को पता नहीं था कि घरवाले अंदर सो रहे हैं। जैसे ही तस्करों ने घर में घुसने की कोशिश की और घरवाले खबर सुनकर जागने ही वाले थे, अनजान चोरों ने अंधेरे का फायदा उठाया और चोरी बीच में ही छोड़कर भाग निकले। अगर नगर निगम अधिकारी का घर सुरक्षित नहीं है, तो आम जनता की सुरक्षा तो भगवान भरोसे ही है! इस घटना की स्याही अभी सूखी भी नहीं है, लेकिन तस्करों ने एक और जगह अपनी कला दिखाई है। तस्करों ने रात के समय डभोई में महुडी भागोल के बाहर वसई वाला गिन सोसायटी में रहने वाले इस्माइलभाई मोहम्मदभाई मंसूरी (उर्फ) पहलवान के बंद घर को निशाना बनाया। तस्कर दरवाजे की चौखट काटकर और ताला तोड़कर घर में घुसे। बेरहम तस्करों ने घर में घुसकर तिजोरियां, बक्से, बिस्तर, कपड़े समेत सारा सामान पलट दिया और भारी नुकसान पहुंचाया। हालांकि, किस्मत से, तस्करों को खाली हाथ भागने पर मजबूर होना पड़ा क्योंकि घर में कोई कीमती सामान या कैश नहीं था। खास बात यह है कि इस घर में पहले भी तस्करों द्वारा चोरी की कोशिशें हो चुकी हैं, यानी इस घर में चोरी की घटनाओं के बावजूद, प्रशासन या पुलिस द्वारा कोई सख्त पेट्रोलिंग या सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए हैं। पहले, डभोई में कार चोरी की कई घटनाएं आम थीं, लेकिन अब दिन-रात चोरों की इन लापरवाह कोशिशों ने डभोई के लोगों की नींद हराम कर दी है।



डभोई में ट्रैफिक और गंदगी के राज के खिलाफ मैदान में उतरे व्यापारी संघ सिस्टम की पोल खोलने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। ऐतिहासिक शहर डभोई में स्थानीय प्रशासन और नगर पालिका की गंभीर लापरवाही और बेपरवाही से जनता और व्यापारी परेशान हैं। अब व्यापारी संघ और स्थानीय व्यापारी शहर में दिन-ब-दिन बिगड़ते ट्रैफिक सिस्टम और सफाई में अनियमितता के खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं। दिवाली जैसे पवित्र और बड़े त्योहार के मौके पर व्यापारियों ने एक जरूरी प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बाजारों की खस्ताहाल हालत और नगर पालिका की गैर-जिम्मेदारी के खिलाफ कड़े शब्दों में अपना गुस्सा और आक्रोश जाहिर किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान व्यापारी नेताओं ने मीडिया के सामने अपना दुख जाहिर करते हुए कहा कि डभोई शहर की मौजूदा हालत बेहद दयनीय हो गई है। सालों पहले जब सुशासन था, तो शहर की सड़कों पर रात में रेगुलर ब्रशिंग मशीन से सफाई होती थी, जिससे सड़कें शीशे जैसी साफ रहती थीं और ट्रैफिक रेगुलेशन भी बहुत आसान था। लेकिन बदकिस्मती से, अभी नगर पालिका के पास सफाई का कोई पक्का प्लान नहीं है। पूरा शहर गंदगी से अटा पड़ा है और कूड़े के ढेर लगे हुए हैं, जिससे महामारी फैलने का भी डर है। दूसरी तरफ, डभोई के व्यापारियों के लिए ट्रैफिक की समस्या नासूर बन गई है। पहले प्रशासन ने ट्रैफिक रेगुलेट करने के लिए बाजारों में पार्किंग का 'ऑड-ईवन' तरीका लागू करने का बड़ा भरोसा दिया था। इतना ही नहीं, सड़कों पर सफेद या पीली पट्टियां पेंट करके पार्किंग जोन मार्क करने की बात भी सिर्फ कागजों तक ही सीमित रही है। सालों बीत जाने के बावजूद नतीजा पूरी तरह से जीरो रहा है। व्यापारियों की वफादारी और जागरूकता का आलम यह है कि उन्होंने नगर पालिका से यहां तक कह दिया था कि अगर नगर पालिका के पास सड़क पर पार्किंग की जगहों पर रंग-रोगन करने के लिए फंड या पैसे नहीं हैं, तो व्यापारी खुद पूरा खर्च उठाने को तैयार हैं! लेकिन, बेशर्म प्रशासन या नगर पालिका अध्यक्ष ने इस मामले में कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया है, जो उनकी निष्क्रियता को साबित करता है।



डभोई सरिता ओवरब्रिज के जानलेवा गड्ढे भरे गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। हमेशा से जनता की समस्याओं को आवाज़ देकर सोए हुए प्रशासन को जगाने का काम करता रहा है। इसका एक ताज़ा और तीखा असर डभोई शहर में देखने को मिला है। इस रिपोर्ट का तीखा असर ऐसा हुआ कि रिपोर्ट छपने के सिर्फ़ 60 घंटे के अंदर ही डभोई नगर पालिका और सड़क और बिल्डिंग प्रशासन की नींद खुल गई और पुल की मरम्मत का काम युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, सरिता ओवरब्रिज से डभोई शहर में घुसने वाली मुख्य सड़क पर दो से तीन फ़ीट गहरे और चौड़े गड्ढे पड़ गए थे। यहां से हर दिन हजारों छोटी-बड़ी गाड़ियां गुजरती हैं। दिन में तो सब ठीक रहता है, लेकिन रात के अंधेरे में ये गड्ढे टू-व्हीलर ड्राइवरों के लिए मौत का जाल बन जाते हैं। कई ड्राइवर फिसलकर छोटे-बड़े एक्सीडेंट कर चुके हैं। इस बारे में लोकल लोगों और ड्राइवरों ने नगर पालिका और संबंधित डिपार्टमेंट को कई बार लिखकर और बोलकर बताया, लेकिन हर बार की तरह बेखबर प्रशासन आंखें मूंदकर गहरी नींद सोता रहा। आखिर में, 'पाको गुजरात' टीम ने लोगों की जान पर बन रही इस रोज़ाना की मुसीबत और खतरे को आवाज़ देने का बीड़ा उठाया। हमारी टीम ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और गाड़ी चलाने वालों की कड़वी सच्चाई और प्रशासन की लापरवाही को सामने लाते हुए एक तीखी रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में उठाए गए कड़े सवालों और लोगों के गुस्से ने सरकारी अधिकारियों और अधिकारियों में भारी हंगामा खड़ा कर दिया। रिपोर्ट के एयर होते ही लोकल प्रशासन पर भारी दबाव बन गया। नतीजतन, रिपोर्ट आने के सिर्फ 60 घंटे के अंदर ही नगर पालिका प्रशासन एक्शन मोड में आ गया। जिस एडमिनिस्ट्रेशन ने महीनों तक इन गड्ढे को देखने की ज़हमत भी नहीं उठाई थी, वह JCB मशीनरी, डामर मटीरियल और मज़दूरों के साथ सरिता ओवरब्रिज पर पहुँच गया। अभी, ब्रिज पर गिरे खतरनाक गड्ढे को भरने और सड़क को समतल करने का काम ज़ोरों पर चल रहा है, जिससे सड़क पर ट्रैफ़िक एक बार फिर से आसान और सुरक्षित हो गया है।



शोपियां पुलिस ने इंटर-T टेरर फंडिंग मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्रीनगर/शोपियां। भारतीय सुरक्षा बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस को आतंकवाद के खिलाफ अपने आक्रामक अभियान में एक और बड़ी कामयाबी मिली है। शोपियां जिले में, पुलिस ने आतंकी गतिविधियों में शामिल एक बड़े और संदिग्ध फाइनेंशियल नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है और फंडिंग मॉड्यूल को खत्म कर दिया है, जो आतंकवादियों के लिए फाइनेंशियल लाइफब्लड की तरह है। फोकस्ड जांच और गहन पेट्रोलिंग के बाद, पुलिस ने इंटर-ञ्ज लेवल पर चल रहे एक टेरर फंडिंग रैकेट का भंडाफोड़ किया है और अब तक 10 आतंकी साथियों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, शोपियां पुलिस को खास जानकारी मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग लोकल और इंटर-स्टेट लेवल से पैसा इकट्ठा कर रहे थे और इसे आतंकी संगठनों और उनके लोकल नेटवर्क में बांट रहे थे। इस पैसे का इस्तेमाल गैर-कानूनी हथियार खरीदने, आतंकवादियों को पनाह देने और देश-विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा था। जानकारी के आधार पर पुलिस ने एक इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई और एक-एक करके कड़ियों को जोड़कर पूरे सिंडिकेट का पर्दाफाश किया। पुलिस ने अब तक अलग-अलग जगहों पर रेड में आतंकियों की मदद करने वाले 10 ओवरग्राउंड वर्कर और साथियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में शोपियां पुलिस स्टेशन में अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट और कानून की दूसरी गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है और सख्त कानूनी कार्रवाई की गई है।



लोगों की बहादुरी और सतर्कता से चोर रंगे हाथों पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पॉश और हलचल वाले नारनपुरा इलाके से एक बड़ी खबर सामने आई है। त्योहारों का मौसम आते ही तस्कर लोगों की नींद खराब करने के लिए एक्टिव हो गए हैं, लेकिन नारनपुरा के सतर्क लोगों ने अपनी सतर्कता और बहादुरी से चोर के प्लान को नाकाम कर दिया है। नारनपुरा इलाके में 'अमी अपार्टमेंट' में दिनदहाड़े चोरी करने के इरादे से घुसे एक चालाक चोर को स्थानीय लोगों ने मिलकर रंगे हाथों पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, दिवाली के त्योहार में कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में बाजारों और सोसाइटियों में खरीदारी और जश्न का माहौल है। इसी का फ़ायदा उठाकर असामाजिक तत्व और चोर एक्टिव हो गए हैं। दोपहर के आस-पास, नारनपुरा के जाने-माने अमी अपार्टमेंट में एक अनजान संदिग्ध व्यक्ति चोरी करने के इरादे से घुसा। इससे पहले कि वह किसी बंद फ्लैट या घर को निशाना बनाता, सोसायटी के लोगों की नज़र उस पर पड़ गई। सोसाइटी के सतर्क रहने वाले लोग टाइम इंडिकेटर का इस्तेमाल करके सतर्क हो गए और बिना एक पल की देरी किए, उन्होंने चोर को चारों तरफ से घेर लिया और उसे पकड़ लिया। निवासियों ने चोर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। दिवाली जैसे पवित्र त्योहारों पर जहां सेंधमारी और चोरी की घटनाएं अक्सर होती हैं, कि अगर जनता सतर्क रहे तो बड़े अपराध और चोरियां रोकी जा सकती हैं।

एनर्जी संकट के बीच, AMC ने लाइटिंग के इंतज़ाम में बड़ी कटौती की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। रोशनी के त्योहार दिवाली में बस कुछ ही दिन बचे हैं, रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगाने वाला अहमदाबाद शहर इस बार अलग और सादा दिखेगा। राज्य में मौजूदा एनर्जी संकट को देखते हुए और बिजली बचाने के लिए, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने इस साल दिवाली की सजावट और डेकोरेटिव लाइटिंग में सबसे बड़ी कटौती करने का एक ऑफिशियल और चौंकाने वाला फैसला लिया है। AMC स्टैंडिंग कमेटी की मीटिंग में लिए गए इस फैसले के मुताबिक, शहर में हर साल लगभग 118 अलग-अलग जगहों पर होने वाली बड़ी लाइटिंग इस बार सिर्फ़ 7 ज़रूरी जगहों तक ही सीमित कर दी गई है राज्य में बिजली की खपत को कंट्रोल करने और एनर्जी बचाने के लिए एडमिनिस्ट्रेशन ने यह कदम उठाया है। पहले AMC दिवाली के त्योहारों के मौके पर ओवरब्रिज, अंडरपास, मेन ट्रैफिक सर्कल, हेरिटेज गेट, स.त. हाईवे, सिंधु भवन रोड और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अलग-अलग ऑफिस समेत कुल 118 जगहों पर आकर्षक लाइटिंग करती थी। जिससे म्युनिसिपैलिटी के खजाने पर लगभग 92 लाख रुपये का भारी खर्च आता था। लेकिन इस साल बिजली संकट और पैसे की कमी की वजह से यह बजट घटाकर सिर्फ़ लगभग 7 लाख रुपये कर दिया गया है और लाइटिंग के लिए सिर्फ़ 7 जगहों को चुना गया है। अब अहमदाबाद में कौन सी 7 जगहें रोशन होंगी? AMC के नए प्लान के मुताबिक, इस साल शहर के ज़्यादातर इलाके अंधेरे में या सिंपल लाइटिंग में रहेंगे लाइटें पूरी रात 7:00 बजे से अगले दिन सुबह 7:00 बजे तक (कुल 12 घंटे) जलती थीं।



क्रिप्टो एक्सचेंज Binance में करोड़ों रुपये चोरी होने का डर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दुनिया भर के क्रिप्टो इन्वेस्टर्स के लिए चौंकाने वाली खबर सामने आई है। दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पॉपुलर क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज 'Binance' पर एक बड़े साइबर अटैक की रिपोर्ट्स ने पूरी क्रिप्टो दुनिया में काफी हलचल और खलबली मचा दी है। मशहूर ब्लॉकचेन एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म Chainalysis की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, इस साइबर अटैक में चोरी हुई क्रिप्टोकरेंसी की अनुमानित कीमत लगभग 5.912 बिलियन (लगभग 49,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा) बताई गई है। अगर यह आंकड़ा सच साबित होता है, तो इसे क्रिप्टो इतिहास की सबसे बड़ी हैकिंग घटनाओं में से एक माना जाएगा। बाइनेंस कंपनी का ऑफिशियल दावाः 'फंड सुरक्षित हैं दूसरी ओर, बाइनेंस ने अभी तक ऑफिशियली कन्फर्म नहीं किया है कि साइबर अटैक और फंड चोरी की इन खबरों के बीच यूज़र्स के फंड चोरी हुए हैं। कंपनी ने साफ किया है कि सभी यूज़र्स के पैसे और डिजिटल एसेट्स पूरी तरह से सुरक्षित हैं। कंपनी की स्पेशल सिक्योरिटी और इंजीनियरिंग टीम पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।



जोधपुर की 431 ग्राम पंचायतों में मतदान, दोपहर 3 बजे तक 68 प्रतिशत वोटिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जिले की 17 पंचायत समितियों की 431 ग्राम पंचायतों में शुक्रवार सुबह 7 बजे से पंचायती राज चुनाव के तहत मतदान जारी रहा। मतदान को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से ही उत्साह देखने को मिला। दोपहर 1 बजे तक जिले में 51.37 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि दोपहर 3 बजे तक मतदान का आंकड़ा बढ़कर 68 प्रतिशत पहुंच गया। इस बीच बिलाड़ा क्षेत्र के भावी गांव में मतदान को लेकर विवाद सामने आया, जहां एक बूथ पर पुनर्मतदान की मांग की गई। बिलाड़ा के भावी गांव स्थित बूथ संख्या 12 पर मतदान प्रक्रिया को लेकर विवाद हो गया। कुछ लोगों ने यहां पुनर्मतदान कराने की मांग उठाई। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी जवाहर चौधरी ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने के बाद मौके से रिपोर्ट मंगवाई जाएगी। रिपोर्ट निर्वाचन आयोग को भेजी जाएगी। इसके बाद आयोग स्थिति के अनुसार पुनर्मतदान को लेकर निर्णय करेगा। जिले की तिंवरी पंचायत समिति की डिगाड़ी ग्राम पंचायत में चुनाव के बीच अनूठा मामला सामने आया। यहां ग्रामीणों ने चुनावी खींचतान से बचने के लिए आपसी सहमति से सरपंच चुनने का प्रयास किया। सरपंच पद के लिए गीता देवी पत्नी पोकरराम मेघवाल और कौशल्या पत्नी मनोज कुमार मेघवाल ने नामांकन दाखिल किया था। गुरुवार को नामांकन के बाद गांव के 21 मौजिज लोगों ने दोनों प्रत्याशियों और उनके परिजनों से बातचीत शुरू की। ग्रामीण चाहते थे कि गांव में आपसी विवाद और चुनावी प्रतिस्पर्धा के बजाय सर्वसम्मति से सरपंच का चयन हो। गुरुवार दोपहर 2 बजे तक कई दौर की बातचीत हुई, लेकिन सहमति नहीं बन सकी और दोनों प्रत्याशी मैदान में बनी रहीं। इसके बाद भी ग्रामीणों ने प्रयास जारी रखे। शाम करीब 5 बजे तक चली बातचीत के बाद कौशल्या के परिजन गीता देवी के समर्थन में राजी हो गए। उन्होंने सार्वजनिक रूप से ग्रामीणों से कौशल्या के बजाय गीता देवी को वोट देने की अपील की। इस तरह गांव के लोगों ने आपसी सहमति से चुनावी माहौल को शांतिपूर्ण बनाए रखने की पहल की।



जयपुर में आवारा पशुओं पर निगम का सख्त रुख, डिप्टी मेयर की अधिकारियों को चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजधानी में आवारा पशुओं की बढ़ती समस्या और बिगड़ती सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम प्रशासन पर दबाव बढ़ने लगा है। सड़कों और मुख्य मार्गों पर खुलेआम घूम रहे आवारा पशुओं से लगातार हादसों का खतरा बना हुआ है। इसे गंभीरता से लेते हुए नगर निगम की डिप्टी मेयर सरोज कंवर ने अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए जल्द प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो लापरवाही बरतने वाले उच्च अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डिप्टी मेयर ने कहा कि शहर में आवारा पशुओं की समस्या अब आमजन की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। सड़कों पर अचानक पशुओं के आ जाने से वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं। कई घटनाओं में लोगों की जान तक जा चुकी है। इसके बावजूद यदि संबंधित अधिकारी इस समस्या को गंभीरता से नहीं लेते हैं तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरोज कंवर ने बताया कि नगर निगम के अधिकारियों को पहले भी आवारा पशुओं को पकड़ने के स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बाद कुछ इलाकों में अभियान शुरू किया गया, लेकिन अभी तक इसके अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। शहर के कई प्रमुख मार्गों और रिहायशी इलाकों में अब भी बड़ी संख्या में आवारा पशु घूमते नजर आ रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्रवाई केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। अभियान लगातार चलाया जाए और सड़कों से आवारा पशुओं को हटाने के लिए ठोस व्यवस्था की जाए। जब तक समस्या का प्रभावी समाधान नहीं होता, तब तक अभियान जारी रखना होगा। डिप्टी मेयर ने कहा कि आवारा पशुओं की समस्या केवल यातायात बाधित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे लोगों की जान और सुरक्षा से जुड़ी हुई है। सड़क पर अचानक पशुओं के आने से वाहन चालकों का संतुलन बिगड़ता है और गंभीर दुर्घटनाएं होती हैं। ऐसे में नगर निगम के संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे समय रहते प्रभावी कदम उठाएं। उन्होंने शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई और अधिकारियों से व्यवस्थाओं में सुधार करने को कहा। साथ ही स्पष्ट किया कि निर्देशों के बावजूद लापरवाही सामने आई तो जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब मांगा जाएगा और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।



दीपावली-छठ पर रेलवे की बड़ी सौगात, जोधपुर मंडल से चलेंगी 7 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। दीपावली और छठ पूजा के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे ने विशेष इंतजाम किए हैं। त्योहारों पर घर जाने वाले यात्रियों को राहत देने के लिए जोधपुर मंडल से सात जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इन ट्रेनों के माध्यम से उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी। नवंबर के अंतिम सप्ताह तक इन स्पेशल ट्रेनों के कुल 40 फेरे निर्धारित किए गए हैं। रेलवे ने इनके संचालन का कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि दीपावली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुविधा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करना रेलवे की प्राथमिकता है। त्योहारों के दौरान जोधपुर से संचालित होने वाली ट्रेनों के साथ प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन की लगातार निगरानी की जा रही है। यात्रियों की आवाजाही व्यवस्थित रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। जोधपुर-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन (04829) प्रत्येक गुरुवार को 26 नवंबर तक जोधपुर से शाम 4:15 बजे रवाना होगी। यह मेड़ता रोड, डेगाना और रतनगढ़ होते हुए अगले दिन रात 8:30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसके चार फेरे निर्धारित हैं। बाड़मेर-हरिद्वार स्पेशल ट्रेन (04811) प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को 30 नवंबर तक संचालित होगी। यह जोधपुर, मेड़ता रोड, नागौर और नोखा के रास्ते अगले दिन सुबह 4:10 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। इस ट्रेन के नौ फेरे होंगे। भगत की कोठी-सूबेदारगंज स्पेशल ट्रेन (04194) प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को 30 नवंबर तक चलेगी। यह रात 8:40 बजे भगत की कोठी से रवाना होकर मेड़ता रोड, गोटन, डेगाना, मकराना, कुचामन सिटी और नावां सिटी के रास्ते अगले दिन शाम 7:30 बजे सूबेदारगंज पहुंचेगी। इसके आठ फेरे निर्धारित किए गए हैं। भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल ट्रेन (04827) प्रत्येक शनिवार को 28 नवंबर तक सुबह 11:30 बजे रवाना होगी।



'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत एसआईआर का किया समर्थन, 13 करोड़ नाम काटने के दावे को बताया भ्रामक

राज्यमंत्री ओटाराम देवासी का कांग्रेस पर हमला, बोले- जनादेश का अपमान कर रही है विपक्षी पार्टी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर जनादेश का अपमान करने और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष का यह रवैया देश को अराजकता की ओर धकेलने का प्रयास है। भाजपा ने कांग्रेस के कथित झूठ और दुष्प्रचार को जनता के सामने उजागर करने के लिए 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है। देवासी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का समर्थन करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य मतदाता सूची को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना तथा अपात्र नामों की पहचान करना है। उन्होंने दावा किया कि देश में अब तक 12 बार एसआईआर हो चुका है, जिनमें 10 बार कांग्रेस की सरकार थी। उनके अनुसार, 24 जून 2025 से अब तक करीब 2.37 करोड़ नए युवा मतदाताओं के नाम सूची में जुड़े हैं। वर्तमान में 17.38 करोड़ युवा मतदाता हैं और हर महीने लगभग 20 लाख नए युवा मतदाता जुड़ रहे हैं। राज्यमंत्री ने विपक्ष के 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाने के दावे को दुष्प्रचार बताया। उन्होंने कहा कि दो दशक से अधिक समय बाद हुए पुनरीक्षण में करीब 2.80 करोड़ मृत मतदाता, 6.3 करोड़ स्थान बदल चुके मतदाता, एक करोड़ दो जगह दर्ज नाम और तीन करोड़ ऐसे मतदाता चिह्नित किए गए, जिनकी जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन सभी नामों को हटाया नहीं गया है, बल्कि आगे की जांच के लिए चिह्नित किया गया है। देवासी ने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया में 20 लाख से अधिक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) शामिल हैं। मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने को लेकर दावा, आपत्ति और अपील की कानूनी व्यवस्था भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि मृत, स्थान बदल चुके, दो जगह दर्ज और भारतीय नागरिक नहीं होने वाले लोगों के नामों की जांच आवश्यक है। देवासी ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए अब साल में चार अवसर उपलब्ध हैं। इसके लिए 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर की तिथियां निर्धारित की गई हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सवाल उठाने की स्वतंत्रता है, लेकिन हिंसा, तोड़फोड़ और सार्वजनिक जीवन को बाधित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। कांग्रेस पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि एक राज्य में चुनाव हारने पर पार्टी वोट चोरी का आरोप लगाती है, जबकि जीत मिलने पर उसी प्रक्रिया को जनादेश मान लेती है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची तैयार करने में सरकारी अधिकारियों के साथ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की भी भूमिका रहती है। देवासी ने कांग्रेस से सवाल किया कि क्या वह विदेशी घुसपैठियों, मृतकों और स्थान बदल चुके लोगों के नाम मतदाता सूची में बनाए रखना चाहती है? उन्होंने चीन के साथ कांग्रेस के कथित समझौते और अराजक संगठनों के साथ कथित गठजोड़ को लेकर भी पार्टी से जवाब मांगा। इस दौरान प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नारायण देवासी, जिला मीडिया प्रभारी रोहित खत्री, जिला उपाध्यक्ष हेमलता पुरोहित, मंडल अध्यक्ष चिराग रावल, प्रताप परमार, शैतानसिंह सहित भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।



आबूपर्वत केंद्रीय विद्यालय में संस्कार और नैतिक शिक्षा का संदेश, विद्यार्थियों को सत्य के मार्ग पर चलने की सीख

गिरनार महातीर्थ से पहुंचे आचार्य हेम वल्लभ सूरीश्वर महाराज ने विद्यार्थियों को बताए जीवन मूल्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूपर्वत। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय आबूपर्वत में शुक्रवार को विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों, सदाचार और संस्कारयुक्त शिक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्वधर्म समभाव, मानवीय मूल्यों और अनुशासित जीवन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर गिरनार महातीर्थ से पधारे आजीवन आयंबिल तपोधारक आचार्य भगवंत हेम वल्लभ सूरीश्वर महाराज तथा उनके शिष्य श्रेम वल्लभ सूरीश्वर महाराज का विद्यालय परिवार की ओर से स्वागत किया गया। प्राचार्य ओमप्रकाश जाखड़ ने उनका अभिनंदन किया।

शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आचार्य हेम वल्लभ सूरीश्वर महाराज ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबों का ज्ञान प्राप्त करना और परीक्षाओं में अच्छे अंक हासिल करना नहीं है। वास्तविक शिक्षा वही है, जो व्यक्ति के जीवन में अच्छे संस्कार, नैतिकता, अनुशासन और मानवीय मूल्यों का विकास करे। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि ज्ञान के साथ विनम्रता, सदाचार और सहनशीलता को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। आचार्य ने कहा कि संस्कारवान विद्यार्थी ही परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा सकता है। विद्यार्थियों को ईश्वर के प्रति श्रद्धा रखने, माता-पिता का सम्मान करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए सत्य के मार्ग पर चलना और अपने आचरण में अनुशासन बनाए रखना आवश्यक है। आचार्य ने विद्यार्थियों को समझाया कि अच्छे विचार और श्रेष्ठ व्यवहार ही व्यक्ति की वास्तविक पहचान होते हैं। उन्होंने सभी से सत्य बोलने, बड़ों का सम्मान करने और दूसरों के प्रति सहनशीलता रखने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि विद्यार्थियों को ऐसा आचरण अपनाना चाहिए, जिससे उनके परिवार और समाज के अन्य लोग भी प्रेरित हों। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों को अपनाकर ही एक जिम्मेदार नागरिक और आदर्श समाज का निर्माण किया जा सकता है।



पंचायत चुनाव से पहले बागरा में पुलिस का फ्लैग मार्च, निर्भीक होकर मतदान की अपील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए गुरुवार को बागरा में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। पुलिस अधिकारियों ने आमजन से शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ बिना किसी भय या दबाव के मतदान करने की अपील की। फ्लैग मार्च स्थानीय पुलिस थाने से पुलिस उपाधीक्षक गौतम जैन और बागरा थाना प्रभारी मोहनलाल गर्ग के नेतृत्व में रवाना हुआ। इसमें राजस्थान पुलिस, आरएसी और होमगार्ड के जवान शामिल रहे। पुलिस का यह मार्च स्टेशन रोड, मुख्य बाजार, भीनमाल रोड, बस स्टैंड, पोस्ट ऑफिस गली, उगमणावास, सुथारों की गली, आथमणावास और मुख्य चौहट्टा सहित विभिन्न इलाकों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों को चुनाव के दौरान आपसी भाईचारा बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने का संदेश दिया। साथ ही स्पष्ट किया कि चुनाव में शांति भंग करने या कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मतदाताओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने और निर्भीक होकर अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की।



जयपुर में खौफनाक वारदात: पत्नी की हत्या कर दो दिन तक तीन मासूम बच्चों के साथ शव के पास बैठा रहा पति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजधानी जयपुर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद के बाद पति द्वारा पत्नी की हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी ने पत्नी के सिर पर लोहे की रॉड से वार कर उसकी जान ले ली और इसके बाद करीब दो दिन तक तीन छोटे बच्चों के साथ कमरे में शव के पास ही बैठा रहा। शुक्रवार सुबह आरोपी ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर पत्नी की हत्या की जानकारी दी। इसके बाद वह तीनों मासूम बच्चों को कमरे में छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे से महिला का शव बरामद कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। घटना द्वारकापुरी अपार्टमेंट की छठी मंजिल पर बने एक कमरे की है। प्रतापनगर थानाधिकारी विक्रांत शर्मा के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रदीप (42) ने अपनी पत्नी लक्ष्मी रेगर (38) की हत्या कर दी है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो कमरा बाहर से बंद मिला। अंदर जाकर देखा तो महिला का शव पड़ा था और उसके तीन मासूम बच्चे शव के पास बैठे हुए थे। बच्चों की उम्र तीन साल, डेढ़ साल और महज ढाई महीने बताई गई है। इतने छोटे बच्चों को मां के शव के पास देखकर पुलिसकर्मी भी स्तब्ध रह गए। एसीपी सांगानेर दीपक कुमार खंडेलवाल के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि बुधवार को किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर प्रदीप ने लोहे की रॉड से लक्ष्मी के सिर पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, महिला की मौत करीब दो दिन पहले हुई थी। हत्या के बाद आरोपी बच्चों के साथ उसी कमरे में रहा। शुक्रवार सुबह आरोपी ने खुद पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर पत्नी की मौत की जानकारी दी। सूचना देने के बाद वह बच्चों को कमरे में छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर उसकी लोकेशन ट्रेस की और अपार्टमेंट के पास एक गली में छिपे आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने घटनास्थल पर एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को महात्मा गांधी अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि लक्ष्मी मूल रूप से बूंदी की रहने वाली थी और उसकी पहली शादी टोंक में हुई थी। बाद में वह अपने पहले पति को छोड़कर प्रदीप के साथ रहने लगी थी। आरोपी अजमेर का निवासी है और पेंटिंग का काम करता था, जबकि लक्ष्मी उसके साथ मजदूरी करती थी। पुलिस ने दोनों के परिजनों को सूचना दे दी है। मामले में आगे की कार्रवाई और हत्या से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।



जोधपुर में सर्दी ने दी दस्तक, सीजन की सबसे ठंडी रात रही; 19.3 डिग्री पर पहुंचा पारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। सूर्यनगरी में मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदलने लगा है। तापमान में गिरावट के साथ अब सर्दी का एहसास होने लगा है। गुरुवार को न्यूनतम तापमान गिरकर 19.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो इस सीजन की अब तक की सबसे ठंडी रात रही। सुबह हल्की धूप के साथ चल रही ठंडी हवाओं ने मौसम को सुहावना बना दिया। हालांकि दिन के अधिकतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई, लेकिन यह सामान्य से नीचे बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने तूफान अर्नब और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से शुक्रवार को जोधपुर में बूंदाबांदी या हल्की बारिश होने की संभावना है। अगले दो दिनों तक मौसम में बदलाव का असर रह सकता है। बारिश और ठंडी हवाओं के चलते तापमान में और गिरावट आने के आसार हैं। मौसम में बदलाव को देखते हुए शहर के बाजारों में भी गर्म कपड़ों की दुकानें सजने लगी हैं। गुरुवार को जोधपुर में अधिकतम तापमान 34.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.3 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 19.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 0.9 डिग्री कम है। इससे पहले बुधवार को अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। लगातार गिरते न्यूनतम तापमान के कारण सुबह और रात के समय ठंडक बढ़ने लगी है। अक्टूबर के तापमान की पिछले साल से तुलना करें तो इस बार दिन में गर्मी का असर अपेक्षाकृत अधिक बना हुआ है। पिछले साल 27 अक्टूबर को अधिकतम तापमान गिरकर 27.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जबकि इस साल अक्टूबर में अब तक सबसे कम अधिकतम तापमान 28 अक्टूबर को 34.2 डिग्री दर्ज किया गया। इस महीने अधिकतम तापमान का औसत 36.1 डिग्री सेल्सियस रहा है।



जयपुर में अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश, 24 करोड़ की रकम को बनाया सफेद

मजदूरों और गरीबों के दस्तावेजों पर खुलवाते थे फर्जी बैंक खाते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजधानी जयपुर में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी, फर्जी बैंक खातों और क्रिप्टो करेंसी के जरिए हवाला कारोबार चलाने वाले नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के कथित मास्टरमाइंड विकास ढाका (30) को वैशाली नगर की नेमी सागर कॉलोनी स्थित एक अपार्टमेंट के फ्लैट से गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पिछले दो वर्षों में साइबर ठगी से हासिल करीब 24 करोड़ रुपए की रकम को अलग-अलग माध्यमों से सफेद धन में बदल चुका है। आरोपी मूल रूप से सीकर जिले के बासनी बराला का रहने वाला है और करीब 20 दिन पहले ही नेटवर्क का विस्तार करने के लिए जयपुर आया था। पुलिस के अनुसार आरोपी का गिरोह बेहद सुनियोजित तरीके से काम करता था। इसके लिए गरीब, जरूरतमंद और मजदूरी करने वाले लोगों को पैसों का लालच देकर उनके पहचान पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज हासिल किए जाते थे। इन दस्तावेजों के आधार पर निजी बैंकों और पेमेंट बैंक में चालू तथा बचत खाते खुलवाए जाते थे। इन खातों का इस्तेमाल देशभर में होने वाली साइबर ठगी, ऑनलाइन सट्टेबाजी और अवैध जुए से प्राप्त रकम को जमा करने के लिए किया जाता था। बाद में इन बैंक खातों को मोटे कमीशन पर साइबर अपराधियों और अवैध ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म से जुड़े लोगों को उपलब्ध करवाया जाता था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी जैसलमेर और सीकर के आसपास संचालित रिसॉर्ट तथा रेस्टोरेंट में काम करने वाले सीधे-साधे मजदूरों को निशाना बनाता था। उन्हें कुछ हजार रुपए देने का लालच देकर उनके पहचान पत्र और केवाईसी दस्तावेज ले लिए जाते थे। इन दस्तावेजों के आधार पर अलग-अलग बैंकों में खाते खुलवाने के साथ एयरटेल पेमेंट्स बैंक के मर्चेंट क्यूआर कोड भी तैयार करवाए जाते थे। इन खातों का वास्तविक संचालन आरोपी और उसके नेटवर्क से जुड़े लोग करते थे। इन बैंक खातों में देश के अलग-अलग हिस्सों में लोगों से की गई ऑनलाइन ठगी की रकम जमा होती थी। इसके अलावा अवैध सट्टेबाजी और ऑनलाइन जुए से जुड़ा पैसा भी इन्हीं खातों के माध्यम से इधर-उधर किया जाता था। इस तरह मजदूरों के नाम पर खुले खाते साइबर अपराधियों के लिए रकम के लेन-देन का माध्यम बन गए थे। विशेषकर यूएसडीटी में परिवर्तित कर देता था।

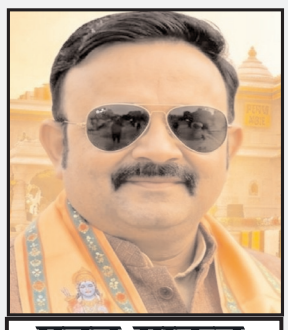




सम्पादकीय

दिल्ली की राजनीतिक गद्दी पर कुर्सी के लिए नहीं
बल्कि लोकतंत्र और अस्तित्व के लिए एक बड़ी लड़ाई!

नई दिल्ली भारतीय राजनीति के केंद्र से एक बड़ी और भूकंप जैसी लहर उठी है, जो आने वाले समय के सभी राजनीतिक समीकरणों और गणित को उलट-पुलट करने के लिए काफी है।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

पूरी लड़ाई अब जंतर-मंतर की तंग और भीड़ भरी गलियों से, जो छोटे-बड़े विरोध प्रदर्शनों और आंदोलनों का केंद्र रही है, दिल्ली के बीच में ऐतिहासिक और विशाल रामलीला मैदान के विशाल विस्तार में शिफ्ट हो गई है। यह सिर्फ भौगोलिक जगह या पते का बदलाव नहीं है, बल्कि भारत के मौजूदा राजनीतिक बहाव में एक बहुत बड़े और गंभीर बदलाव का संकेत है। इतिहास गवाह है कि जब भी रामलीला मैदान लोगों से भरा है, दिल्ली की सत्ता का सिंहासन और उसकी नींव हिली है। आने वाले समय में भारत गठबंधन की तरफ से रामलीला मैदान में अब तक का सबसे बड़ा महारैली ऑर्गनाइज़ किया जा रहा है। लेकिन, इस बड़े इवेंट से ठीक पहले कांग्रेस के टॉप लीडर राहुल गांधी ने एक तीखा वीडियो मैसेज जारी करके रूलिंग पार्टी और उसके ढ्रञ्ज सेल की पूरी स्ट्रैटेजी बिगाड़ दी है। अपने एक छोटे और सटीक मैसेज में राहुल गांधी ने पूरे पॉलिटिकल माहौल को पलटते हुए एक साफ़ धमाका किया है, यह कहते हुए कि, 'यह किसी एक पार्टी या किसी खास पार्टी की रैली नहीं है, बल्कि यह पूरे भारत का मार्च है। इस एक वाक्य ने विरोधियों के हाथों से सारे पुराने हथियार छीन लिए हैं। यह आंदोलन अब किसी एक पॉलिटिकल पार्टी तक लिमिटेड नहीं है, किसी खास आइडियोलॉजी की लिमिट में नहीं बंधा है, न ही यह किसी एक जाति या क्लास तक लिमिटेड है। राहुल गांधी ने देश भर के सभी विचारों के नागरिकों, सभी विपक्षी पार्टियों के सपोर्टर्स और महंगाई और बेरोजगारी से परेशान आम आदमी से इस महारैली में शामिल होने का खुला और असरदार आह्वान किया है। लेकिन, राहुल गांधी ने बहुत चालाकी से पार्टी का झंडा ज़मीन पर उतार दिया है और सीधे लोगों का झंडा अपने हाथों में ले लिया है। अब रूलिंग खेमे के सामने सबसे बड़ा और मुश्किल सवाल यह खड़ा हो गया है कि अगर वे इस जन आंदोलन या रैली पर हमला करते हैं, तो उस हमले का निशाना कौन होगा? क्या यह भारत के आम लोगों, किसानों और युवाओं पर हमला नहीं होगा? यह एक ऐसी स्ट्रैटेजिक चाल है कि विरोधी खुद इसमें फंस गए हैं। रामलीला मैदान से बदलती पॉलिटिक्स के 4 बहुत ज़रूरी पिलर:

1. भीड़ और मीडिया प्रेशर का नया मैथ:
अगर जंतर-मंतर की छोटी सी जगह में 5 हज़ार लोग जमा होते हैं, तो यह सिर्फ़ पुलिस परमिशन, ट्रैफिक जाम और लॉ एंड ऑर्डर का लोकल मुद्दा बन जाता है। लेकिन, जब रामलीला मैदान में 5 लाख लोगों की भीड़ जमा होती है, तो यह देश और दुनिया की मेनस्ट्रीम की नेशनल न्यूज़ बन जाती है। राहुल गांधी अच्छी तरह जानते हैं कि ज़मीन पर लाखों लोगों का हुजूम, टीवी स्टूडियो की एकतरफ़ा चर्चाओं से ज़्यादा हुक्मरानों का सिंहासन हिलाने में ताकतवर साबित होता है।

2. राहुल गांधी की बदली और मैच्योर पॉलिटिकल इमेज:
पहले, विरोधियों ने सिस्टमैटिक तरीके से राहुल गांधी की इमेज को कमज़ोर करने की कोशिशें कीं। लेकिन, 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद, उन्होंने खुद को एक ऐसे 'तीर्थयात्री' के तौर पर स्थापित किया जो लगातार लोगों के बीच रहता है और अब मौजूदा समय में वह एक मज़बूत 'सेनापति' के तौर पर पॉलिटिकल मैच्योरिटी दिखा रहे हैं। वह अब सिर्फ़ कोई चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि देश के बुनियादी मुद्दों, संविधान और लोगों के अस्तित्व के लिए सीधी और आर-पार की लड़ाई लड़ रहे हैं।

3. सत्ताधारी खेमे में कन्फ्यूजन और बैकफुट:
अगर यह आंदोलन या रैली सिर्फ़ 'कांग्रेस पार्टी' तक सीमित होती, तो सत्ताधारी पार्टी के लिए ढ्रञ्ज सेल के ज़रिए इसे टारगेट करना और ट्रोल करना बहुत आसान होता। लेकिन, यह अब 'भारत की मुख' बन गया है! इस कैंपेन में अन्नदाता किसान, भविष्य की चिंता में डूबे छात्र, महंगाई से पिसते व्यापारी और सत्ताधारी पार्टी की मौजूदा नीतियों से नाखुश और नाराज़ आम नागरिक भी अपनी मर्ज़ी से शामिल हो रहे हैं। इस तरह दरवाज़े खुले रखने से गठबंधन की ताकत और जनता का सपोर्ट कई गुना बढ़ गया है।

4. यह सिर्फ़ एक रैली नहीं, भविष्य की एक बड़ी पॉलिटिकल स्क्रिप्ट है
इस बड़ी रैली का मकसद सिर्फ़ दिल्ली या राजधानी की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले समय के सभी चुनावी और पॉलिटिकल संघर्षों के लिए एक देशव्यापी माहौल और एक मज़बूत नींव तैयार करना है। संक्षेप में, राहुल गांधी ने पारंपरिक राजनीति की छोटी सीमाओं को तोड़कर आंदोलन की असली कमान सीधे देश की जनता को सौंप दी है। अब यह लड़ाई सिर्फ़ दिल्ली में कुर्सी या सत्ता पाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इस देश के लोकतंत्र, संविधान और आम नागरिक के वजूद को बनाए रखने की निर्णायक लड़ाई बन गई है। और इतिहास गवाह है कि जब भी कुर्सी के लिए नहीं, बल्कि जनता के वजूद के लिए लड़ाई लड़ी जाती है, तो सत्ता खत्म करने के जुनून में डूबे शासकों के लिए उसे रोकना सबसे मुश्किल हो जाता है।

एनपीपीए के फैसले से 543 ब्रांड और पैक की कीमतों में बदलाव, 9 नवंबर से लागू होंगी नई दरें; कीटूडा समेत कई महंगी पेटेंट दवाओं के दाम जस के तस

नई दिल्ली कैंसर के इलाज पर होने वाले भारी खर्च के बीच मरीजों के लिए राहत की खबर है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के फैसले के बाद देश में कैंसर की 543 दवा ब्रांडों और पैक की कीमतों में बदलाव किया गया है। इनमें 397 यानी करीब 73 प्रतिशत दवाओं के दाम घटाए गए हैं। खास बात यह है कि 217 दवाओं की कीमत आधे से भी कम हो गई है। पांच दवाओं के दामों में 90 प्रतिशत से अधिक की कटौती की गई है। नई कीमतें 9 नवंबर से लागू होंगी। कीमतों में हुई कटौती का असर कई महंगी कैंसर दवाओं पर भी दिखाई दे रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 97 ब्रांड की दवाओं के दाम 70 प्रतिशत से अधिक घटाए गए हैं, जबकि 50 ब्रांड की कीमतों में 80 प्रतिशत से ज्यादा की कमी की गई है। सबसे बड़ी कटौती सैमटेपा इंजेक्शन की कीमत में दर्ज की गई है। इसकी कीमत 80,071 रुपये से घटाकर 7,150 रुपये कर दी गई है। इसी तरह पैलबोप्रो दवा के 21 कैप्सूल वाले पैक की कीमत 40,421 रुपये से घटकर 2,720 रुपये रह गई है। हालांकि, सभी दवाओं की कीमतों में कमी नहीं की गई है। कुल 543 ब्रांड-पैक में से 146 की कीमतें पहले जैसी ही रखी गई हैं। इनमें कुछ बेहद महंगी और पेटेंट आधारित दवाएं भी शामिल हैं। कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली इम्यूनोथेरेपी दवा कीटूडा की कीमत 2,16,500 रुपये पर बनी हुई है। इसका इस्तेमाल 21 से अधिक प्रकार के कैंसर के उपचार में किया जाता है। इसके अलावा ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली रिबोसाइक्लिब की कीमत 24,435 रुपये ही है। टैग्रिसो, टेसेंट्रिक, डार्जालेक्स और इम्फिंजी जैसी दवाओं के दामों में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। पेटेंट वाली दवाओं की कीमतों में कमी नहीं होने के पीछे उनके निर्माण, नई तकनीक और पेटेंट अधिकारों से जुड़ी जटिलताओं को प्रमुख वजह माना जा रहा है। इन दवाओं का उत्पादन सीमित कंपनियों के पास होता है। कीमतों पर सख्त नियंत्रण लगाए जाने की स्थिति में कंपनियों की ओर से भारत में इनकी आपूर्ति कम करने या बंद करने की आशंका भी जताई जाती रही है। ऐसे में जेनेरिक दवाओं की कीमतों में बड़ी कटौती के बावजूद कैंसर के मरीजों को इस्तेमाल की जा रही हर महंगी दवा पर समान राहत नहीं मिल पाएगी।

कैंसर की दवाओं की कीमतों और कंपनियों तथा अस्पतालों की ओर से लिए जा रहे भारी मुनाफे का मामला पिछले कुछ समय से सुप्रीम कोर्ट में चर्चा का विषय बना हुआ है। अदालत ने दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमत (एमआरपी) और रिटेलर को मिलने वाली कीमतों के बीच बड़े अंतर पर केंद्र सरकार से सवाल किए थे। इसके बाद दवाओं के मूल्य निर्धारण और व्यापारिक मार्जिन को लेकर सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठे। 27 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दवाओं की एमआरपी और रिटेलर को मिलने वाली कीमतों में भारी अंतर पर नाराजगी जताई थी। अदालत ने सवाल किया था कि जब सरकार की जानकारी में दवाओं की कीमतों में इतना बड़ा अंतर सामने आ रहा है, तो पूरा सिस्टम दवा निर्माताओं की मदद क्यों कर रहा है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या सरकार की नजरों के सामने मरीजों से इस तरह अधिक कीमत वसूलने का सिलसिला जारी रहने दिया जाना चाहिए। सुनवाई के बाद अदालत ने दोनों मामलों में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने एंटी-कैंसर दवाओं के व्यापारिक मार्जिन को एमआरपी के 30 प्रतिशत तक सीमित करने के केंद्र सरकार के फैसले पर चर्चा की थी। अदालत ने केंद्र के जवाब पर पूरी संतुष्टि नहीं जताते हुए सवाल किया था कि जब कैंसर की दवाओं पर व्यापारिक मार्जिन सीमित किया जा सकता है, तो दूसरी दवाओं के मामले में भी ऐसी सीमा क्यों नहीं तय की जा सकती। केंद्र सरकार ने अदालत को बताया था कि एंटी-कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत तक सीमित करने से मरीजों को सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है। 29 सितंबर को भी सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की दवाओं की ऊंची कीमतों पर गंभीर चिंता जताई थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने सवाल किया था कि 2,700 रुपये की दवा की अधिकतम खुदरा कीमत



27,000 रुपये कैसे हो सकती है। दवाओं की कीमतों में इस तरह के अंतर पर नाराजगी जताते हुए अदालत ने बेहद कड़ी टिप्पणी की थी। देश में दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश (डीपीसीओ) लागू है। इसके तहत राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची में शामिल दवाओं की अधिकतम कीमत सरकार निर्धारित करती है। इस सूची में शामिल दवाओं को तय सीमा से अधिक कीमत पर बेचना नियमों के विरुद्ध है। स्वास्थ्य मंत्रालय दवाओं की सुरक्षा, प्रभावशीलता और देश की स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक दवाओं की सूची तैयार करता है। आम बीमारियों और लोगों की जरूरतों के अनुसार समय-समय पर इसकी समीक्षा भी की जाती है तथा आवश्यकतानुसार नई दवाओं को इसमें शामिल किया जाता है। वहीं, सूची से बाहर रहने वाली दवाओं की कीमतों पर सरकार का सीधा नियंत्रण अपेक्षाकृत सीमित रहता है।

क्राइम फ़ाइल

गाजियाबाद में लव अफेयर में खौफनाक साजिशः पत्नी ने जिम ट्रेनर के साथ मिलकर सो रहे पति पर चप्पू से जानलेवा हमला किया

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से एक बहुत ही चौंकाने वाला और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां पवित्र प्यार और शादी के रिश्ते को शर्मसार करने वाली एक सनसनीखेज घटना हुई है। एक हाई-राइज सोसाइटी में रहने वाली महिला ने अपने जिम ट्रेनर प्रेमी के साथ मिलकर अपने अनैतिक प्रेम संबंध में रुकावट बन रहे पति को हमेशा के लिए रास्ते से हटाने के लिए एक खौफनाक और जानलेवा साजिश रची थी। हालांकि, गार्ड्स की सतर्कता के कारण आरोपी रंगे हाथों पकड़ा गया और पति की जान बच गई, लेकिन इस घटना से पूरे इलाके में डर और दहशत का माहौल फैल गया है। स्थानीय सिक्योरिटी गार्ड्स और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, महिला और उसके जिम ट्रेनर के बीच कुछ समय से लव अफेयर चल रहा था। पति को इस अनैतिक रिश्ते का शक होने पर घर में अक्सर मारपीट और घरेलू कलह होने लगी। चूंकि पति लगातार उसके एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का विरोध करता था, इसलिए पत्नी और उसके जिम ट्रेनर ने उसे हमेशा के लिए रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। प्लान के मुताबिक, देर रात जब पति अपने कमरे में गहरी नींद में सो रहा था, तो पत्नी ने चुपके से अपने प्रेमी को घर में घुसने दिया। मौका देखकर दोनों ने पति पर धारदार चप्पू से हमला कर दिया। इससे पहले कि पति कुछ समझ पाता, उसके शरीर पर चप्पू से कई वार किए गए, जिससे पूरा कमरा खून से लथपथ हो गया। हमले के बाद प्रेमी जिम ट्रेनर रात के अंधेरे का फायदा उठाकर सोसाइटी के मेन गेट से भागने की कोशिश कर रहा था। लेकिन, सोसाइटी के गेट पर तैनात चौकस सिक्योरिटी गार्ड्स को उसकी संदिग्ध हरकतें और जल्दबाजी देखकर शक हो गया। गार्ड्स ने समय रहते उसे घेर लिया और सख्ती से पूछताछ करने पर पूरी साजिश का पर्दाफाश हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए गार्ड्स ने तुरंत लोकल पुलिस को सूचना दी। पुलिस का एक काफिला मौके पर पहुंचा और गंभीर रूप से घायल पति को खून से लथपथ हालत में तुरंत पास के हॉस्पिटल में भर्ती कराया। डॉक्टरों के मुताबिक, पति की हालत बहुत नाजुक होने की वजह से उसे ICU में वेंटिलेटर पर और निगरानी में रखा गया है, जहां वह अभी जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है। गाजियाबाद पुलिस ने इस मामले में तुरंत एक्शन लेते हुए पत्नी और उसके जिम ट्रेनर प्रेमी के खिलाफ हत्या की कोशिश का केस दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हमले में इस्तेमाल खूनी जानलेवा हथियार भी जब्त कर लिया है और आगे की कानूनी जांच तेज कर दी है गलत रिश्तों और प्यार के इस कोहराम में एक हंसता-खेलता परिवार पूरी तरह से बर्बाद हो गया है। अब देखना यह है कि इस पूरी घटना में कोर्ट आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को कितनी कड़ी सजा देती है।

दुलारचंद हत्याकांड में जमानत रद्द करने की याचिका पर सुनवाई; बिहार सरकार को चार महीने में जांच पूरी करने के निर्देश, 67 आपराधिक मामलों के रिकॉर्ड पर भी अदालत ने उठाया सवाल

नई दिल्ली बिहार के मोकामा से विधायक अनंत सिंह को दुलारचंद हत्याकांड मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने उन्हें एक दिसंबर तक निचली अदालत में आत्मसमर्पण कर जेल लौटने का निर्देश दिया है। हालांकि, अदालत ने फिलहाल उनकी जमानत रद्द नहीं की है। मामले की जांच चार महीने के भीतर पूरी करने का निर्देश देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि इसके बाद जमानत रद्द करने के मुद्दे पर आगे सुनवाई होगी।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने अनंत सिंह की जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। अनंत सिंह को इस मामले में पटना हाईकोर्ट से जमानत मिली थी। इसके खिलाफ याचिकाकर्ता की ओर से सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सुनवाई के दौरान अनंत सिंह के वकील ने अदालत को बताया कि उनके परिवार में 25 नवंबर को शादी समारोह है। इस पर अदालत ने उन्हें एक दिसंबर तक सरेंडर करने की मोहलत दी। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को दुलारचंद हत्याकांड की जांच चार महीने में पूरी करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद मामले को दोबारा सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। तब उपलब्ध तथ्यों और जांच की स्थिति के आधार पर अनंत सिंह की जमानत रद्द करने के सवाल पर विचार किया जाएगा। इस तरह फिलहाल उन्हें मिली जमानत समाप्त नहीं हुई है, लेकिन अदालत के निर्देश के अनुसार उन्हें तय समय सीमा में जेल लौटना होगा। सुनवाई के दौरान अनंत सिंह के आपराधिक रिकॉर्ड का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। याचिकाकर्ता पक्ष के वकील के अनुसार, अदालत ने सवाल किया कि 67 आपराधिक मामलों का रिकॉर्ड होने के बावजूद उन्हें हाईकोर्ट से जमानत कैसे मिल गई। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण और जबरन वसूली जैसे गंभीर आरोपों से जुड़े मामलों की स्थिति को जमानत पर विचार करते समय ध्यान में रखा जाना चाहिए था। अनंत सिंह के वकील कुमार हर्षवर्धन ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश की विस्तृत प्रति अभी प्राप्त नहीं हुई है, लेकिन अदालत ने उन्हें निचली अदालत में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि चार महीने बाद सुप्रीम कोर्ट मामले की फिर से समीक्षा करेगी। हाईकोर्ट ने जमानत देते समय मामले के तथ्यों, परिस्थितियों और अनंत सिंह पर हत्या करने के विशिष्ट आरोप नहीं होने जैसे पहलुओं पर विचार किया था। हालांकि, याचिकाकर्ता पक्ष का कहना है कि उनके आपराधिक रिकॉर्ड को भी जमानत तय करते समय पर्याप्त महत्व दिया जाना चाहिए था।

याचिकाकर्ता की वकील शिल्पी चौधरी ने भी स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट ने अभी अनंत सिंह की जमानत रद्द नहीं की है, बल्कि उन्हें सरेंडर करने का आदेश दिया है। उन्होंने बताया कि जांच पूरी होने के बाद अदालत इस मामले पर दोबारा विचार करेगी। याचिकाकर्ता के एक अन्य वकील अमरकांत पटेल ने कहा कि अनंत सिंह के खिलाफ दर्ज 67 मामलों का उल्लेख चुनाव के दौरान दाखिल हलफनामे में भी किया गया था। उनके अनुसार, इन मामलों में हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण और जबरन वसूली जैसे आरोप शामिल हं। इधर, बिहार की राजनीति में भी अनंत सिंह को लेकर घटनाक्रम चर्चा में है।



बिहार विधान परिषद चुनाव के दौरान पार्टी लाइन से अलग जाकर जनसुराज के उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार करने के मामले में जनता दल यूनाइटेड उन्हें पार्टी से बाहर कर चुकी है। अब दुलारचंद हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देश ने उनकी कानूनी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। एक दिसंबर तक सरेंडर, चार महीने में जांच पूरी करने की समयसीमा और उसके बाद होने वाली सुनवाई इस मामले की आगे की दिशा तय करेगी।

आज का राशिफल

(शनिवार)31 अक्टूबर 2026



रामदेव का खड़गे और अखिलेश पर तीखा हमला, बोले- नेताओं को भगवान सद्बुद्धि दें या सद्गति

सनातन धर्म और देवी-देवताओं पर कथित अपमानजनक टिप्पणियों से नाराज योग गुरु बोले- धर्म और भारतीय परंपराओं को बदनाम करने की कोशिशें बर्दाश्त नहीं

हरिद्वार योग गुरु स्वामी रामदेव ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के हालिया बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने नेताओं की बयानबाजी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आजकल के नेता जिस तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं, भगवान उन्हें सद्बुद्धि दें या उनकी सद्गति करें। रामदेव ने सनातन धर्म, देवी-देवताओं और भारतीय धार्मिक परंपराओं को लेकर कथित अपमानजनक टिप्पणियों पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सनातन सभी धर्मों का पिता है और इसका सम्मान किया जाना चाहिए। बुधवार को हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ में पत्रकारों से बातचीत के दौरान रामदेव ने कहा कि देश में लोकतंत्र, संविधान, नैतिकता और मानवीय मूल्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उनके अनुसार, सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को अपनी भाषा और बयानों की मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन किसी के परिवार, धर्म, आस्था और धार्मिक प्रतीकों को निशाना बनाना उचित नहीं है। रामदेव की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से पटना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर की गई टिप्पणी को लेकर राजनीतिक विवाद सामने आया है। वहीं, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के उत्तर प्रदेश में घुसपैठियों को लेकर दिए गए बयान पर भी चर्चा हो रही है। अखिलेश ने उत्तराखंड के लोगों को लेकर टिप्पणी की थी। रामदेव ने इन बयानों को राजनीतिक मर्यादा के खिलाफ बताते हुए नेताओं को संयम बरतने की सलाह दी।

सनातन परंपराओं को लेकर सुनियोजित हमलों का आरोप स्वामी रामदेव ने कहा कि सनातन धर्म के खिलाफ सुनियोजित और व्यवस्थित तरीके से हमले किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय धार्मिक ग्रंथों और देवी-देवताओं की छवि को गलत तरीके से प्रस्तुत कर सनातन परंपरा को बदनाम करने का प्रयास किया जाता रहा है। रामदेव ने भगवान राम, माता सीता, भगवान शिव, भगवान कृष्ण और भगवान ब्रह्मा के संदर्भ में किए जाने वाले कथित चित्रणों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम और माता सीता को शराब तथा मांस का सेवन करने वाले के रूप में दिखाना धार्मिक मान्यताओं के विरुद्ध है। भगवान शिव को आदियोगी, महायोगी और परम चेतना का प्रतीक बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें नशेड़ी या गांजा-भांग का सेवन करने वाला बताकर उनकी आध्यात्मिक छवि को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता है। इसी तरह भगवान कृष्ण की रासलीला को केवल भोग-विलास से जोड़कर देखने और भगवान ब्रह्मा को लेकर लगाए जाने वाले आरोपों पर भी उन्होंने आपत्ति जताई। रामदेव ने दावा किया कि मुगल काल और ब्रिटिश शासन के दौरान सनातन धर्म को कमजोर करने के उद्देश्य से कुछ ग्रंथों और धार्मिक मान्यताओं को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने शास्त्रों में अपनी ओर से बातें जोड़कर उन्हें मूल धार्मिक मान्यताओं के रूप में प्रचारित किया, ताकि सनातन धर्म को नीचा दिखाया जा सके। उन्होंने कहा कि धार्मिक ग्रंथों और परंपराओं के अध्ययन में उनके मूल संदर्भ और प्रमाणिकता को ध्यान में रखना जरूरी है।

लोकतंत्र और संविधान का उल्लेख करते हुए रामदेव ने कहा कि देश में सभी नागरिक समान हैं और किसी के साथ जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान देने की



बात करती है। ऐसे में किसी भी समुदाय, जाति या धार्मिक परंपरा का अपमान नहीं होना चाहिए। रामदेव ने जातिगत विवादों और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी वर्ग के व्यक्ति का अपमान होता है तो उस पर कार्रवाई की मांग उठती है, लेकिन दूसरे वर्गों के लोगों के सम्मान और अधिकारों को भी उतनी ही गंभीरता से देखा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार झूठे आरोपों के कारण निर्दोष लोगों को भी परेशानी झेलनी पड़ती है। उनके अनुसार, कानून और संविधान का उद्देश्य सभी के लिए समान न्याय सुनिश्चित करना है, इसलिए किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए।

भोपाल के चौक बाजार में 8 माह की बच्ची के गले से सोने की हाय चोरी, भीड़ में धागा काटकर फरार हुआ युवक; वारदात सीसीटीवी में कैद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में मदरसे पर हुई कार्रवाई के बाद प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने मदरसों के निरीक्षण और कार्रवाई के तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा है कि यदि किसी मदरसे में नियमों का उल्लंघन या व्यवस्थाओं में कमी मिलती है तो संचालकों को नोटिस दिया जाना चाहिए, लेकिन निरीक्षण के नाम पर बच्चों को डराने और परेशान करने की प्रक्रिया नहीं अपनाई जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मदरसों को निशाना बनाकर बच्चों के बीच भय का माहौल बनाया जा रहा है। आरिफ मसूद ने कहा कि बाल संरक्षण आयोग और उसके अधिकारियों को मदरसों का निरीक्षण करने का संवैधानिक अधिकार है। उन्हें जहां भी कोई गड़बड़ी दिखाई देती है, वहां जांच करनी चाहिए और नियमों के अनुसार कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन निरीक्षण के



दौरान इस्तेमाल की जाने वाली भाषा और कार्रवाई का तरीका ऐसा नहीं होना चाहिए, जिससे वहां पढ़ने वाले बच्चों में डर पैदा हो। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी मदरसों को लेकर निशाना साधने वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं और वहां मिलने वाली पुस्तकों को आपत्तिजनक बताकर गलत प्रचार किया जा रहा है। कांग्रेस विधायक ने कहा कि यदि किसी मदरसे में शिक्षा, रहने की व्यवस्था या अन्य सुविधाओं को लेकर कमियां हैं तो संबंधित संचालकों को नोटिस देकर सुधार का अवसर दिया जाना चाहिए। शिक्षा की गुणवत्ता कमजोर है तो उसे बेहतर बनाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। बच्चों को पकड़कर या उन्हें परेशान करके समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चे अपने माता-पिता की सहमति और शपथ पत्र के आधार पर मदरसों में पढ़ने आते हैं। इसलिए उनके साथ कार्रवाई करते समय उनकी सुरक्षा और मानसिक स्थिति का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। मसूद ने मदरसा और गुरुकुल की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों व्यवस्थाएं देश में लंबे समय से शिक्षा का माध्यम रही हैं। यह कोई नई परंपरा नहीं है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 29 का हवाला देते हुए कहा कि नागरिकों को अपनी भाषा, संस्कृति और शैक्षणिक परंपराओं के संरक्षण का अधिकार प्राप्त है। ऐसे में नियमों के पालन के नाम पर किसी विशेष शिक्षण व्यवस्था को निशाना बनाने जैसी स्थिति नहीं बननी चाहिए। उन्होंने ग्वालियर के स्थानीय संगठनों की भी सराहना की। मसूद के अनुसार, शहर काजी, वक्फ कमेटी, भीम आर्मी और आजाद पार्टी सहित विभिन्न संगठनों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रशासन को मामले को संवेदनशीलता के साथ देखना चाहिए और बच्चों को अनावश्यक परेशानी से बचाना चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि मदरसों के संबंध में गलत जानकारी और भ्रामक प्रचार पर रोक लगनी चाहिए। दरअसल, ग्वालियर के दारुल कुरआन मदरसे में बाल संरक्षण आयोग की कार्रवाई के दौरान 26 बच्चों को वहां से बाहर निकाला गया था। अधिकारियों की ओर से बताया गया था कि मदरसा बिना पंजीयन के संचालित हो रहा था और बच्चों को केवल दो कमरों में रखा जाता था। कार्रवाई के दौरान कुछ पुस्तकों को भी आपत्तिजनक बताया गया था। वहीं, पूछताछ के दौरान कुछ बच्चों ने कथित तौर पर प्रताड़ित किए जाने की बात कही थी। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय स्तर पर विरोध और प्रदर्शन भी हुए थे।

आरके सिन्हा का नोएडा में निधन, भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद और एसआईएस समूह के संस्थापक थे

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नोएडा। भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद और सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस सर्विसेज (एसआईएस) समूह के संस्थापक डॉ. रविन्द्र किशोर सिन्हा का शुक्रवार को नोएडा स्थित आवास पर निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर से राजनीतिक और कारोबारी जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए पटना स्थित अन्नपूर्णा भवन, पाटलिपुत्र लाया जाएगा। आरके सिन्हा जनसंघ के दौर से ही राजनीति में सक्रिय रहे और भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे। बिहार की राजनीति में उनका विशिष्ट स्थान रहा। उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी का करीबी माना जाता था। बताया जाता है कि मस्तिष्काघात के बाद वह लंबे समय तक कोमा में भी रहे थे। जनता दल यूनाइटेड ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। पार्टी ने अपने आधिकारिक सामाजिक माध्यम खाते पर शोक संदेश जारी करते हुए कहा कि आरके सिन्हा के निधन का समाचार अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। उनके निधन को राजनीतिक जगत के लिए बड़ी क्षति बताया गया। आरके सिन्हा ने वर्ष 1974 में पटना में सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस सर्विसेज यानी एसआईएस की स्थापना की थी। बताया जाता है कि उन्होंने अपने कार्यजीवन की शुरुआत 250 रुपये मासिक वेतन से की थी। बाद में उन्होंने सुरक्षा सेवाओं के क्षेत्र में एक बड़ा व्यावसायिक समूह खड़ा किया। कंपनी की शुरुआत सेना से सेवानिवृत्त लोगों को सुरक्षा गार्ड के रूप में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। इस समूह का विस्तार आगे चलकर देश-विदेश में हुआ और इसकी कारोबारी हैसियत हजारों करोड़ रुपये तक पहुंच गई। आरके सिन्हा का जन्म 22 सितंबर 1951 को बिहार के बक्सर में हुआ था। उनके पिता पटना में नौकरी करते थे, जिसके चलते उनकी शिक्षा पटना में हुई। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की रिपोर्टिंग भी उन्होंने की थी। पत्रकारिता से शुरुआत करने वाले सिन्हा ने आगे चलकर राजनीति और उद्योग जगत में अलग पहचान बनाई।

गुमशुदगी दर्ज कर बेटी तलाशती रही पिता को, पुलिस ने लावारिस मानकर करा दिया अंतिम संस्कार

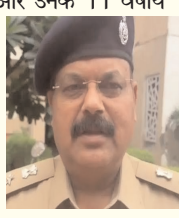
महानगर मेट्रो ब्यूरो



गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यहां 69 वर्षीय पुरुषोत्तम यादव के लापता होने पर परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई और परिवार के लोग लगातार उनकी तलाश करते रहे। दूसरी ओर सड़क हादसे में घायल होने के बाद अस्पताल में उनकी मौत हो गई। आरोप है कि पुलिस उनकी पहचान नहीं कर सकी और शव को लावारिस मानकर अंतिम संस्कार करा दिया। इस कारण परिजन अपने पिता के अंतिम दर्शन तक नहीं कर पाए। वेव सिटी थाना क्षेत्र के लालकुआं निवासी पुरुषोत्तम यादव मानसिक रूप से परेशान रहते थे। वह अचानक घर से लापता हो गए थे। परिजनों ने अपने स्तर पर उनकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिलने पर उनके बेटे वरुण यादव ने 1 अक्टूबर को वेव सिटी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने कमिश्नरेट के अन्य थानों और आसपास के जिलों को सूचना भेजकर उनकी तलाश शुरू की। जानकारी के अनुसार, 2 अक्टूबर को पुरुषोत्तम यादव विजयनगर थाना क्षेत्र में सड़क हादसे का शिकार हो गए थे। अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल होने के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में उनकी हालत को देखते हुए संजयनगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां 6 अक्टूबर को उनकी मौत हो गई। इसके बाद विजयनगर पुलिस ने 7 अक्टूबर को शव का पंचनामा भरकर पहचान कराने की प्रक्रिया शुरू की। पहचान नहीं होने पर 10 अक्टूबर को शव का अंतिम संस्कार करा दिया गया। मामले में सबसे गंभीर सवाल यह है कि पुरुषोत्तम यादव की गुमशुदगी दर्ज होने के बावजूद उनकी पहचान क्यों नहीं हो सकी। बताया गया है कि 6 अक्टूबर को वेव सिटी पुलिस उनकी तलाश में विजयनगर थाने भी पहुंची थी और वहां गुमशुदगी से संबंधित नोटिस चस्पा कराया गया था। इसके बावजूद दोनों थानों के बीच सूचनाओं का मिलान नहीं हो पाया। दोनों थाना क्षेत्रों के बीच करीब आठ किलोमीटर की दूरी है। पिता की तलाश में जुटे परिजनों को जब उनके लावारिस के रूप में अंतिम संस्कार किए जाने की जानकारी मिली तो परिवार में दुख और नाराजगी फैल गई। बेटी शालिनी ने एडिशनल पुलिस कमिश्नर मुख्यालय केशव कुमार चौधरी से शिकायत कर मामले में जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एडिशनल पुलिस कमिश्नर ने एसीपी कविनगर अभय राजेंद्र डागा को जांच सौंपी है।

महागुन मायवुड्स सोसायटी में दर्दनाक हादसा, 23वीं मंजिल से गिरकर पिता-पुत्र की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



ग्रेटर नोएडा। बिसरख थाना क्षेत्र स्थित महागुन मायवुड्स सोसायटी में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में पिता और उनके 11 वर्षीय बेटे की मौत हो गई। दोनों सोसायटी के टावर-23 की 23वीं मंजिल से नीचे गिर गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पिता अपने बेटे के साथ पूजा के लिए बालकनी से फूल तोड़ रहे थे। इसी दौरान बेटे का पैर फिसल गया। उसे बचाने के प्रयास में पिता भी संतुलन खो बैठे और दोनों नीचे गिर गए। हादसे के बाद सोसायटी में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 को थाना बिसरख को पीआरवी के माध्यम से सूचना मिली कि महागुन मायवुड्स सोसायटी के टावर-23 में ऊंचाई से गिरने के कारण दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां रणदीप पात्रा (करीब 40 वर्ष), पुत्र अमल कुमार पात्रा और उनके 11 वर्षीय बेटे आरव को गंभीर अवस्था में पाया गया। पुलिस ने दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक रणदीप की पत्नी ने पुलिस को बताया कि परिवार को शुक्रवार सुबह खाटू श्याम मंदिर जाना था। इसी वजह से उनके पति और बेटा सुबह जल्दी पूजा की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान दोनों बालकनी में फूल तोड़ने पहुंचे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, फूल तोड़ते समय बेटे का पैर फिसल गया और वह बालकनी से नीचे की ओर लटक गया। बेटे को बचाने के लिए पिता ने तत्काल प्रयास किया, लेकिन इस दौरान उनका भी संतुलन बिगड़ गया। इसके बाद दोनों 23वीं मंजिल से नीचे गिर गए। हालांकि, हादसे का पूरा घटनाक्रम और वास्तविक कारण पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगे। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। थाना बिसरख पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

नीला ड्रम हत्याकांड के बाद अब सौरभ के भाई राहुल को कार से टक्कर, बोले- हादसा नहीं, जानबूझकर किया गया हमला

दिल्ली रोड पर बुधवार रात हुई घटना, साहिल और मुस्कान के परिवार पर जताया शक

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मेरठ। चर्चित नीला ड्रम हत्याकांड एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। इस मामले में मृतक सौरभ के बड़े भाई राहुल उर्फ बबलू ने आरोप लगाया है कि बुधवार रात एक कार सवार ने उन्हें जानबूझकर टक्कर मार दी। राहुल का कहना है कि यह कोई सामान्य सड़क हादसा नहीं, बल्कि उन्हें निशाना बनाकर किया गया हमला हो सकता है। उन्होंने इस घटना के पीछे नीला ड्रम हत्याकांड से जुड़े साहिल या मुस्कान के परिवार की साजिश होने की आशंका जताई है। हालांकि, अभी तक उनके आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है और इस संबंध में पुलिस में कोई लिखित शिकायत भी दर्ज नहीं कराई गई है। राहुल के मुताबिक, बुधवार रात करीब 11:30 बजे वह मेरठ की दिल्ली रोड पर बहादुर मोटर के पास खड़े थे। इसी दौरान एक कार उनकी तरफ आई और उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद कार चालक मौके पर रुके बिना वहां से फरार हो गया। अचानक हुई इस घटना से राहुल घायल हो गए। उन्होंने तत्काल अपने परिजनों और दोस्तों को फोन कर हादसे की जानकारी दी। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। राहुल ने बताया कि टक्कर लगने से उनके हाथ, पैर और पसलियों में चोट आई है। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। उनका कहना है कि घटना के समय सड़क पर कोई अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था। कार सीधे उनकी तरफ आई और टक्कर मारने के बाद चालक वहां से निकल गया। इसी घटनाक्रम के आधार पर राहुल को संदेह है कि उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया गया। राहुल का कहना है कि उनकी किसी से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। ऐसे में उनके साथ हुई इस घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि नीला ड्रम हत्याकांड के बाद साहिल या मुस्कान के परिवार से जुड़े लोग उन्हें निशाना बना सकते हैं। हालांकि, यह केवल राहुल का संदेह और आरोप है। फिलहाल ऐसा कोई प्रमाण सामने नहीं आया है, जिससे यह साबित हो सके कि कार से टक्कर मारने की घटना के पीछे किसी व्यक्ति या परिवार की साजिश थी। नीला ड्रम हत्याकांड के बाद सौरभ के परिवार से जुड़ी इस नई घटना ने एक बार फिर मामले को चर्चा में ला दिया है। राहुल के आरोपों के बाद यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या उन्हें वास्तव में जानबूझकर टक्कर मारी गई या फिर यह एक सड़क दुर्घटना थी। कार चालक की पहचान और घटना के वास्तविक कारणों का पता लगना अभी बाकी है। इस मामले में फिलहाल पुलिस के पास राहुल की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं पहुंची है। उनसे जब थाने में तहरीर देने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि अभी तक उन्होंने शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के खिलाफ राज्यसभा चुनाव लड़ेंगे बैतूल के अतिथि शिक्षक, निर्दलीय उम्मीदवार बनने की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



भोपाल। मध्य प्रदेश में 12 नवंबर को होने वाले राज्यसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं, बैतूल के रहने वाले एक अतिथि शिक्षक ने उनके खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। 55 वर्षीय हरिप्लाल बिहारे ने राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन फॉर्म भी खरीद लिया है। अब वह चुनाव मैदान में उतरने के लिए जरूरी 10 प्रस्तावकों के हस्ताक्षर जुटाने में लगे हैं। इसके लिए वह भोपाल में अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं से संपर्क कर रहे हैं। हरिप्लाल बिहारे पिछले दो दिनों से भोपाल में रहकर अपने चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे हैं। उनके हाथ में दस्तावेजों की एक फाइल है और वह नेताओं से अपने नाम का प्रस्ताव रखने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के नेताओं से मुलाकात कर समर्थन मांगा है। उनकी कोशिश है कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर नेता एक आम नागरिक को चुनाव लड़ने का अवसर देने में सहयोग करें। बताया जा रहा है कि हरिप्लाल बिहारे फिलहाल ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने हरदीप सिंह पुरी के खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए नामांकन फॉर्म खरीदा है। हालांकि, केवल फॉर्म खरीद लेने से चुनाव में उम्मीदवार बनना तय नहीं होता। इसके लिए उन्हें निर्धारित प्रक्रिया पूरी करनी होगी और नामांकन के साथ आवश्यक प्रस्तावकों के हस्ताक्षर भी जमा करने होंगे। इसी कारण वह लगातार राजनीतिक दलों के नेताओं और जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर रहे हैं। हरिप्लाल बिहारे का कहना है कि राजनीतिक दलों की ओर से राज्यसभा के लिए मध्य प्रदेश से बाहर के नेताओं को उम्मीदवार बनाया जाना उन्हें पसंद नहीं है। उनका तर्क है कि राज्यसभा में प्रदेश के स्थानीय लोगों को भी प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। वह इस सोच के साथ चुनाव लड़ना चाहते हैं कि राजनीति में किसी बड़े दल का समर्थन, पार्टी का झंडा या भारी आर्थिक संसाधन न रखने वाला आम नागरिक भी चुनाव लड़ने का सपना देख सकता है। बिहारे को भाजपा नेताओं से भी उम्मीद है कि वे उनकी बात समझेंगे और प्रस्तावक बनने में सहयोग कर सकते हैं। इसके लिए वह सत्ताधारी दल के नेताओं से भी संपर्क कर रहे हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस नेताओं के सामने भी अपनी उम्मीदवारी का प्रस्ताव रख रहे हैं। हालांकि, राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से उन्हें कितना समर्थन मिलता है, यह अभी स्पष्ट नहीं है। मध्य प्रदेश की यह राज्यसभा सीट केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। उन्होंने 13 अक्टूबर को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया था, जबकि उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक था। इस रिक्त सीट पर 12 नवंबर को उपचुनाव होना है। भाजपा ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी के पास मध्य प्रदेश विधानसभा में 164 विधायकों का समर्थन बताया गया है। ऐसे में विधानसभा में भाजपा की संख्या को देखते हुए पुरी की जीत की स्थिति मजबूत मानी जा रही है और किसी निर्दलीय उम्मीदवार के लिए मुकाबला काफी चुनौतीपूर्ण होगा।

महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत बढ़ोतरी की तैयारी, जनवरी से सितंबर तक का बकाया तीन किस्तों में होगा भुगतान

मध्य प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों की बढ़ेगी सैलरी, 9 महीने का डीए एरियर भी मिलेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए राहत भरी खबर है। राज्य सरकार कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने जा रही है। इस फैसले से प्रदेश के लाखों कर्मचारियों की मासिक सैलरी में इजाफा होगा। खास बात यह है कि बढ़े हुए महंगाई भत्ते का लाभ जनवरी 2026 से दिया जाएगा। इसके साथ ही कर्मचारियों को जनवरी से सितंबर तक के 9 महीने का बकाया एरियर भी मिलेगा। हालांकि, सरकार इस राशि का भुगतान एकमुश्त करने के बजाय तीन बराबर किस्तों में करेगी। प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार, अक्टूबर महीने के वेतन में बढ़े हुए महंगाई भत्ते को शामिल किया जाएगा। कर्मचारियों को अक्टूबर का वेतन नवंबर में मिलेगा। ऐसे में नवंबर में मिलने वाली सैलरी से ही उन्हें बढ़े हुए महंगाई भत्ते का लाभ दिखाई देने लगेगा। इससे कर्मचारियों के नियमित मासिक वेतन में बढ़ोतरी होगी और उन्हें बढ़ती महंगाई के बीच आर्थिक राहत मिलेगी। सरकार की योजना के मुताबिक, जनवरी से सितंबर 2026 तक कुल 9 महीने का एरियर कर्मचारियों को दिया जाएगा। इस अवधि में बनने वाली बकाया राशि को तीन बराबर मासिक किस्तों में बांटा जाएगा। यानी कर्मचारियों को लगातार तीन महीनों तक एरियर का भुगतान किया जाएगा। इससे उन्हें लंबे समय से बकाया महंगाई भत्ते की राशि धीरे-धीरे मिल सकेगी। हालांकि, किस्तों के भुगतान की वास्तविक तारीखों और प्रक्रिया का विवरण सरकारी आदेश जारी होने के बाद स्पष्ट होगा। महंगाई भत्ता सरकारी कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई के असर से राहत देने के लिए दिया जाता है। रोजमर्रा की जरूरतों और अन्य खर्चों में होने वाली बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए सरकार समय-समय पर इसमें संशोधन करती है। महंगाई भत्ते की गणना कर्मचारियों के मूल वेतन के आधार पर होती है। इसमें 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने से कर्मचारियों के कुल मासिक वेतन में भी इजाफा होगा। इसका लाभ विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को मिलेगा। इस फैसले का लाभ केवल नौकरी कर रहे कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राज्य के पेंशनर्स को भी राहत मिलेगी। मध्य प्रदेश सरकार पेंशनर्स की महंगाई राहत में भी 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने जा रही है। यह वृद्धि जुलाई 2026 से लागू होगी। इससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मिलने वाली मासिक पेंशन में महंगाई राहत की राशि बढ़ जाएगी। बढ़ती उम्र में नियमित खर्चों और जरूरी जरूरतों को पूरा करने वाले पेंशनर्स के लिए यह बढ़ोतरी आर्थिक रूप से मददगार साबित हो सकती है। सरकार के इस प्रस्तावित फैसले से प्रदेश के सेवारत कर्मचारियों और पेंशनर्स दोनों को फायदा मिलने की उम्मीद है। कर्मचारियों को एक तरफ नवंबर में मिलने वाले वेतन से बढ़े हुए महंगाई भत्ते का लाभ मिलेगा, वहीं दूसरी तरफ जनवरी से सितंबर तक का बकाया तीन किस्तों में प्राप्त होगा। पेंशनर्स को भी जुलाई 2026 से बढ़ी हुई महंगाई राहत मिलेगी। अब कर्मचारियों और पेंशनर्स की नजरें सरकार के आधिकारिक आदेश और भुगतान की विस्तृत समय-सारणी पर टिकी हैं।

बुधनी-बरखेड़ा रेल लाइन पर अब नहीं थमेगी ट्रेनों की रफ्तार, वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए लगाई जा रही बाड़

महानगर मेट्रो ब्यूर



भोपाल। मध्य प्रदेश में वन्यजीवों की सुरक्षा और रेल परिचालन को बेहतर बनाने के लिए भारतीय रेलवे ने बुधनी-बरखेड़ा रेलखंड पर विशेष फेंसिंग लगाने की योजना बनाई है। इस पहल से जंगल से गुजरने वाली रेल पटरियों पर जंगली जानवरों और ट्रेनों के बीच टक्कर की आशंका कम होगी। साथ ही ट्रेनों की रफ्तार बार-बार कम करने की जरूरत भी घटेगी। रेलवे का मानना है कि फेंसिंग पूरी होने के बाद इस संवेदनशील रेलखंड पर परिचालन अधिक सुचारू और सुरक्षित हो सकेगा। यह काम 288 करोड़ रुपये की बड़ी परियोजना का हिस्सा है। इसके तहत बीना-खंडवा रेल मार्ग पर सुरक्षात्मक फेंसिंग लगाने की योजना है। पूरी परियोजना में करीब 530 किलोमीटर रेल मार्ग को शामिल किया गया है और इसे वर्ष 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। रेलवे इस परियोजना के माध्यम से उन रेलखंडों को सुरक्षित बनाने की दिशा में काम कर रहा है, जहां जंगल और वन्यजीवों की आवाजाही के कारण रेल परिचालन प्रभावित होता है। बुधनी और बरखेड़ा के बीच का रेलखंड रातापानी वन क्षेत्र के संवेदनशील हिस्से से होकर गुजरता है। इस क्षेत्र में जंगली जानवरों की आवाजाही बनी रहती है। कई बार जानवर रेल पटरियों को पार करते हुए ट्रैक पर या उसके आसपास पहुंच जाते हैं। खुले रेलखंड के कारण लोको पायलट को ऐसी स्थिति में सतर्कता बरतनी पड़ती है और जानवरों की मौजूदगी दिखाई देने पर ट्रेन की गति कम करनी पड़ती है। इससे ट्रेनों के समय पर संचालन पर असर पड़ता है और अचानक जानवर सामने आने पर दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। भोपाल रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी नवल अग्रवाल के अनुसार, ट्रैक पर या उसके आसपास जानवरों की लगातार मौजूदगी के कारण लोको पायलट को कई बार ब्रेक लगाना पड़ता है अथवा ट्रेन की गति कम करनी पड़ती है। इस तरह की सावधानी जरूरी है, लेकिन इससे ट्रेनों का निर्धारित समय प्रभावित होता है। खासकर व्यस्त और लंबी दूरी के मार्गों पर इसका असर अधिक दिखाई देता है। फेंसिंग के जरिए जानवरों की अनियंत्रित आवाजाही को रोकने में मदद मिलेगी, जिससे रेल परिचालन में होने वाली अनियोजित देरी भी कम हो सकती है। रेलवे की योजना केवल पटरियों के किनारे बाड़ लगाने तक सीमित नहीं है। बुधनी-बरखेड़ा रेलखंड पर वन्यजीवों के लिए अलग से ओवरपास भी बनाया जा रहा है, ताकि जंगली जानवर सुरक्षित तरीके से रेल लाइन पार कर सकें। बुधनी-मिडघाट-चौका-बरखेड़ा कॉरिडोर को वन्यजीवों की आवाजाही के लिहाज से संवेदनशील माना गया है।

उज्जैन में खड़े हनुमानजी की प्रतिमा हटाने की फिर तैयारी? आधी रात को भोपाल से पहुंची टीम

महानगर मेट्रो ब्यूर

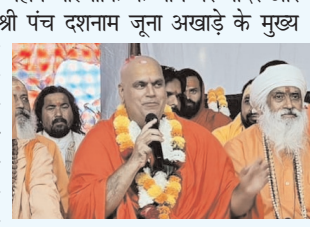


उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में सराफा इलाके स्थित करीब 170 साल पुराने खड़े हनुमान मंदिर का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। मंदिर का मुख्य ढांचा तोड़े जाने के बाद अब हनुमानजी की प्रतिमा को हटाने की संभावनाओं को लेकर प्रशासनिक गतिविधियां तेज होती दिखाई दे रही हैं। सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात भोपाल से आई एक सर्वे टीम ने आधुनिक मशीनों और उपकरणों की मदद से प्रतिमा की जांच की। टीम करीब डेढ़ घंटे तक मंदिर परिसर में रही। इस दौरान प्रतिमा की जमीन के भीतर गहराई, उसकी मजबूती और जमीन के साथ उसकी पकड़ का पता लगाने की कोशिश की गई। हालांकि, जांच के बाद भी प्रशासन ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि प्रतिमा को हटाया जाएगा या उसे यथास्थान सुरक्षित रखने का कोई दूसरा रास्ता निकाला जाएगा। खास बात यह है कि मंदिर का मुख्य ढांचा हटाए जाने के बाद भी हनुमानजी की प्रतिमा को अब तक वहां से नहीं हटाया जा सका है। फिलहाल प्रतिमा को एक टेंट में रखा गया है, जहां रोजाना श्रद्धालु पहुंचकर दर्शन और पूजा-अर्चना कर रहे हैं। मंदिर का पुराना स्वरूप भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन भक्तों की आस्था और नियमित पूजा का सिलसिला जारी है। मंदिर सेवक रामू गुरु के मुताबिक, श्रद्धालु लगातार यहां पहुंच रहे हैं और विधि-विधान से पूजा कर रहे हैं। यह पूरा मामला उज्जैन के सराफा क्षेत्र में स्थित खड़े हनुमान मंदिर से जुड़ा है। सिंहस्थ मेले की तैयारियों के तहत शहर में सड़कों को चौड़ा करने का काम किया जा रहा है। इसी योजना के तहत कंठाल से छत्रीचौक तक जाने वाले मार्ग में आने वाले करीब 170 साल पुराने मंदिर को दूसरी जगह स्थानांतरित करने की कवायद शुरू हुई थी। अगस्त के आखिर से मंदिर को हटाने की प्रक्रिया चल रही है। जिला प्रशासन मंदिर का मुख्य ढांचा तोड़ चुका है, लेकिन प्रतिमा को सुरक्षित तरीके से हटाने का रास्ता अब तक तय नहीं हो पाया है। सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात मंदिर बंद होने के बाद उसे खुलवाया गया। भोपाल से पहुंची सर्वे टीम के साथ उज्जैन के एसडीएम एलएन गर्ग भी मौजूद रहे। टीम ने आधुनिक मशीनों और तकनीकी उपकरणों की सहायता से प्रतिमा की स्थिति का परीक्षण किया। जांच के दौरान यह जानने का प्रयास किया गया कि हनुमानजी की प्रतिमा जमीन के भीतर कितनी गहराई तक मौजूद है और उसकी नींव अथवा जमीन के साथ पकड़ किस तरह की है। इसके अलावा यह भी समझने की कोशिश की गई कि यदि प्रतिमा को वहां से हटाने की प्रक्रिया अपनाई जाती है, तो उसे सुरक्षित निकालना कितना संभव होगा और इस दौरान प्रतिमा को नुकसान पहुंचने की कितनी आशंका है।

पूरे देश में बनाए जाएंगे महर्षि वाल्मीकि के मंदिर और धाम, पूज्य हरि गिरि जी महाराज ने की ऐतिहासिक घोषणा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देशभर में भगवान महर्षि वाल्मीकि के नाम पर मंदिर और तीर्थधाम स्थापित किए जाएंगे। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के मुख्य संरक्षक पूज्य हरि गिरि जी महाराज ने दिल्ली में आयोजित एक धार्मिक समारोह के दौरान यह महत्वपूर्ण घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने राजधानी के मंदिर मार्ग स्थित ऐतिहासिक भगवान श्री वाल्मीकि मंदिर को तीर्थस्थल घोषित किया। इस घोषणा का हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरि जी महाराज ने स्वागत किया। उन्होंने इसे महर्षि वाल्मीकि के ज्ञान, तपस्या और सामाजिक समरसता के संदेश को देशभर में पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। दिल्ली के मंदिर मार्ग स्थित भगवान श्री वाल्मीकि मंदिर धाम में भगवान महर्षि वाल्मीकि का अवतरण दिवस श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देशभर से बड़ी संख्या में संत-महात्मा, धर्माचार्य, महामंडलेश्वर और श्रद्धालु शामिल हुए। हजारों लोगों ने मंदिर पहुंचकर भगवान महर्षि वाल्मीकि के चरणों में शीश नवाया और आशीर्वाद प्राप्त किया। समारोह में कई प्रमुख संतों की मौजूदगी रही और धार्मिक विचारों के माध्यम से समाज में एकता, सद्भाव तथा सनातन संस्कृति के मूल्यों को मजबूत करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पूज्य हरि गिरि जी महाराज की घोषणा रही। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन, उनका ज्ञान और उनकी तपस्या संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों में भगवान महर्षि वाल्मीकि के नाम पर मंदिर और धाम बनाए जाने चाहिए। उन्होंने इस अभियान में श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े की ओर से पूरा सहयोग देने का आह्वान किया। साथ ही मंदिर मार्ग स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर को तीर्थस्थल घोषित करते हुए इसके धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित किया। जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरि जी महाराज ने इस घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि संतों का दायित्व केवल धार्मिक आयोजन करना नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करना, सनातन संस्कृति को मजबूत बनाना और राष्ट्रीय एकता के लिए कार्य करना भी है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से पूरी मानवता को मर्यादा, धर्म, कर्तव्य और आदर्श जीवन का मार्ग दिखाया। रामायण में दिए गए आदर्श आज भी समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की अमर रचना ने भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा को गहरी दिशा प्रदान की है।



डिजिटल धोखाधड़ी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, बैंक की लापरवाही साबित होने पर देना पड़ सकता है मुआवजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश में डिजिटल बैंकिंग का इस्तेमाल बढ़ने के साथ ही साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले भी चिंता का विषय बने हुए हैं। ऐसे मामलों में आम नागरिकों की जमा पूंजी को नुकसान पहुंचने पर अब बैंकों की जिम्मेदारी और जवाबदेही को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने कहा कि यदि किसी मामले की जांच में बैंक या उसके कर्मचारियों की लापरवाही सामने आती है, तो पीड़ित को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए बैंक को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। अदालत ने बैंकों की ओर से संदिग्ध लेनदेन की पहचान करने और समय रहते उन्हें रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करने की जरूरत पर भी जोर दिया। नई दिल्ली। देश में डिजिटल बैंकिंग का इस्तेमाल बढ़ने के साथ साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले भी गंभीर चिंता का विषय बन गए हैं। ऐसे मामलों में आम नागरिकों की जमा पूंजी को नुकसान पहुंचने पर अब बैंकों की जिम्मेदारी और जवाबदेही को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि यदि जांच में यह सामने आता है कि किसी बैंक या वित्तीय संस्था की उचित सावधानी बरतने में विफलता के कारण ग्राहक के साथ धोखाधड़ी हुई है, तो पीड़ित को हुए नुकसान की भरपाई बैंक से कराई जानी चाहिए। अदालत ने भारतीय रिजर्व बैंक से प्रस्तावित नियमों में मुआवजे और बैंकों की जवाबदेही के स्पष्ट प्रावधान शामिल करने पर जोर दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने साइबर अपराध के आंकड़ों पर भी चिंता जताई। पीठ को बताया गया कि इस साल साइबर अपराध के मामलों में करीब 50 प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन इसके बावजूद लोगों को लगभग 800 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। अदालत ने कहा कि केवल अपराध होने के बाद जांच करना पर्याप्त नहीं है। ऐसी व्यवस्था जरूरी है, जिससे धोखाधड़ी की आशंका वाले लेनदेन को समय रहते पहचाना जा सके और ग्राहक की रकम खाते से निकलने से पहले ही उचित कदम उठाए जा सकें।



जोशीमठ-बद्रीनाथ के बीच हेलीकॉप्टर हादसा, 6 लोगों की मौत की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा मार्ग पर जोशीमठ और बद्रीनाथ के बीच एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना से हड़कंप मच गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हेलीकॉप्टर में पायलट समेत कुल 6 लोग सवार थे। इनमें 5 श्रद्धालु और एक पायलट शामिल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद सभी के हताहत होने की आशंका जताई गई है। हालांकि, यात्रियों की वास्तविक स्थिति और मौतों की संख्या को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। जानकारी के मुताबिक, ट्रांस भारत एविएशन का हेलीकॉप्टर बद्रीनाथ धाम से श्रद्धालुओं को लेकर देहरादून की ओर जा रहा था। उड़ान भरने के बाद हेलीकॉप्टर जोशीमठ के पास हाथी पर्वत के आसपास के क्षेत्र में पहुंचा, जहां अचानक उससे संपर्क टूट गया। संपर्क टूटने के बाद संबंधित एजेंसियों को इसकी सूचना दी गई। इसके बाद प्रशासन और आपदा प्रबंधन से जुड़ी टीमें सक्रिय हुईं और दुर्घटनास्थल का पता लगाने तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने की तैयारी की गई। प्रारंभिक जानकारी में खराब मौसम और कम दृश्यता को हादसे की संभावित वजह बताया जा रहा है। जिस क्षेत्र में यह घटना हुई, वहां मौसम तेजी से बदलता रहता है। पहाड़ी इलाकों में बादल, कोहरा और तेज हवाएं हवाई उड़ानों के लिए चुनौती पैदा करते हैं। ऐसे में हेलीकॉप्टर के संचालन के दौरान मौसम की स्थिति का लगातार आकलन करना जरूरी होता है। हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि दुर्घटना के समय मौसम की वास्तविक स्थिति क्या थी और हेलीकॉप्टर किस परिस्थिति में हादसे का शिकार हुआ। दुर्घटना के कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। बताया जा रहा है कि मौसम विभाग ने चमोली जिले सहित उत्तराखंड के कई पहाड़ी इलाकों के लिए पहले ही खराब मौसम की चेतावनी जारी की थी। चेतावनी में तेज हवाओं, तूफान, बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की आशंका जताई गई थी। खराब मौसम को देखते हुए एक दिन पहले इस क्षेत्र में हेलीकॉप्टर सेवाएं बंद कर दी गई थीं। इसके बाद मौसम में सुधार की उम्मीद के बीच उड़ान संचालन को लेकर स्थिति सामान्य होने की बात सामने आई थी। हालांकि, यह उड़ान किन परिस्थितियों में संचालित की गई और उस समय मौसम को लेकर क्या आकलन किया गया था, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हादसे की सूचना मिलते ही उत्तराखंड प्रशासन, स्थानीय पुलिस और राज्य आपदा प्रतिवादन बल की टीमें सक्रिय हो गईं। दुर्घटनास्थल पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्र में होने के कारण राहत एवं बचाव अभियान में कठिनाइयां आने की आशंका है। इसके अलावा खराब मौसम भी बचाव कार्य को प्रभावित कर सकता है।

पूर्व सांसद आर.के. सिन्हा के निधन से राष्ट्र और सनातन समाज में शोक की लहर, स्वामी चक्रपाणि महाराज ने बताया अपूरणीय क्षति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रख्यात उद्योगपति, समाजसेवी और पूर्व राज्यसभा सदस्य आर.के. सिन्हा के निधन पर धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक जगत में शोक की लहर है। संगत-पंगत अभियान के प्रणेता आर.के. सिन्हा को श्रद्धांजलि देते हुए अखिल भारत हिंदू महासभा, संत महासभा एवं श्री चित्रगुप्त अखाड़ा न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि महाराज ने उनके निधन को राष्ट्र, सनातन समाज और सामाजिक समरसता के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। उन्होंने कहा कि आर.के. सिन्हा का पूरा जीवन संघर्ष, परिश्रम, सेवा, संस्कार और समाज के प्रति समर्पण का उदाहरण रहा। उनके जाने से समाज ने एक ऐसे व्यक्तित्व को खो दिया है, जिसने अपनी मेहनत और दूरदर्शिता से उद्योग जगत में पहचान बनाने के साथ सामाजिक कार्यों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्वामी चक्रपाणि महाराज ने अपने शोक संदेश में कहा कि आर.के. सिन्हा समाज की अमूल्य धरोहर और अनमोल कोहिनूर थे। उन्होंने अपने जीवन में केवल व्यक्तिगत सफलता को प्राथमिकता नहीं दी, बल्कि समाज के जरूरतमंद वर्गों को आगे बढ़ाने और लोगों के बीच आपसी भाईचारा मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए। उनके अनुसार, बाबूजी ने अपने पुरुषार्थ और अथक परिश्रम से एक ऐसी पहचान बनाई, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि आर.के. सिन्हा ने जीवन के अंतिम समय तक समाज को संगठित, शिक्षित, संस्कारित और सशक्त बनाने का प्रयास किया। स्वामी चक्रपाणि ने विशेष रूप से उनके द्वारा शुरू किए गए संगत-पंगत अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य समाज के लोगों को एक मंच पर लाना और आपसी भेदभाव तथा ऊंच-नीच की भावना को समाप्त करना था। इस अभियान के माध्यम से सामाजिक एकता, समानता और भाईचारे का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि समाज के बीच की दूरियां कम करने और लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का आर.के. सिन्हा का प्रयास हमेशा याद रखा जाएगा। सामाजिक समरसता के लिए उनका योगदान केवल किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने व्यापक स्तर पर समाज को जोड़ने की दिशा में काम किया। धार्मिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में भी आर.के. सिन्हा की विशेष रुचि रही। भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज के प्रति उनकी गहरी श्रद्धा थी। पटना स्थित प्राचीन भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर के पुनरुद्धार में उनके योगदान को स्वामी चक्रपाणि महाराज ने महत्वपूर्ण बताया। इसके साथ ही देश-विदेश में सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए किए गए उनके प्रयासों की भी सराहना की। स्वामी चक्रपाणि के अनुसार, बाबूजी अपनी व्यावसायिक सफलता के बावजूद भारतीय परंपराओं, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़े रहे। उद्योग जगत में आर.के. सिन्हा की सफलता की यात्रा भी संघर्ष और मेहनत की मिसाल मानी जाती है। स्वामी चक्रपाणि महाराज ने बताया कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रेरणा से उन्होंने सुरक्षा सेवा के क्षेत्र में कदम रखा था। आर.के. सिन्हा कई अवसरों पर अपने शुरुआती संघर्ष का जिक्र करते हुए बताते थे कि उन्होंने महज 12 हजार रुपये से अपने काम की शुरुआत की थी और आगे चलकर हजारों करोड़ रुपये के कारोबार तक पहुंचे। स्वामी चक्रपाणि ने कहा कि इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करने के बावजूद बाबूजी अपनी सफलता का श्रेय भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज की कृपा और सेवा भावना को देते थे। उनके व्यक्तित्व की विशेषता यह थी कि आर्थिक और व्यावसायिक ऊंचाइयों पर पहुंचने के बाद भी वे अपनी संस्कृति, सादगी और संस्कारों से जुड़े रहे।



बारिश के कारण राहुल गांधी ने टाला मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग कार्यक्रम, अब 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होगी विपक्ष की महारैली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष की ओर से प्रस्तावित जन महाभियोग कार्यक्रम को बारिश के कारण एक दिन के लिए टाल दिया गया है। अब यह कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को इंडिया गठबंधन के नेताओं के साथ आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लगातार बारिश के कारण कार्यक्रम में शामिल होने वाले वरिष्ठ नेताओं और अन्य लोगों को परेशानी हो सकती थी। इसी को देखते हुए विपक्षी दलों ने आपसी सहमति से कार्यक्रम को एक दिन आगे बढ़ाने का फैसला किया है। वहीं, 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्ष की बड़ी महारैली आयोजित की जाएगी। राहुल गांधी ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रस्तावित जन महाभियोग कार्यक्रम में विपक्ष के कई वरिष्ठ नेता शामिल होने वाले हैं। बारिश के कारण खुले स्थान पर बैठने और कार्यक्रम में भाग लेने में दिक्कत हो सकती थी। इसलिए कार्यक्रम को शनिवार के लिए निर्धारित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम को केवल तारीख के लिहाज से आगे बढ़ाया गया है, जबकि विपक्ष का विरोध और आंदोलन पहले की तरह जारी रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली महारैली में अधिक से अधिक लोगों से शामिल होने की अपील की। राहुल गांधी ने कहा कि यह आंदोलन केवल राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं है। इसमें सामाजिक संगठनों, नागरिक समाज, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों और आम नागरिकों की भी भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और मतदान के अधिकार से जुड़े मुद्दों पर देश के हर नागरिक को अपनी आवाज उठाने का अधिकार है। विपक्ष इस कार्यक्रम के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े सवालों को सार्वजनिक रूप से उठाना चाहता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और गृह मंत्री अमित शाह पर विपक्ष के कार्यक्रमों में लोगों की भागीदारी रोकने का आरोप भी लगाया। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, तेलंगाना और पंजाब सहित कई राज्यों से दिल्ली आने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों को रोका जा रहा है। राहुल गांधी के अनुसार, लोगों को दिल्ली पहुंचने में बाधाएं पैदा की जा रही हैं, ताकि वे विपक्ष के विरोध कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकें। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली महारैली में यह स्पष्ट हो जाएगा कि कितने लोग विरोध दर्ज कराने के लिए दिल्ली पहुंचे और कितने लोगों को आने से रोका गया। राहुल गांधी ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बताते हुए कहा कि जनता की भागीदारी ही इस आंदोलन की ताकत है। हालांकि, दिल्ली आने से लोगों को रोके जाने के आरोपों पर केंद्र सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया इस बयान में सामने नहीं आई। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि देश में लाखों लोगों के मताधिकार को प्रभावित किया जा रहा है और मतदाता सूची में गड़बड़ी के जरिए लोगों के वोट के अधिकार को छीना जा रहा है।



पुणे-सोलापुर हाईवे पर निर्माण कार्य के दौरान धंसी मिट्टी, 5 मजदूर दबे; स्थानीय लोगों ने 2 को सुरक्षित निकाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में पुणे-सोलापुर हाईवे पर सर्विस रोड के निर्माण कार्य के दौरान अचानक मिट्टी धंसने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे के समय वहां काम कर रहे पांच मजदूर मिट्टी के नीचे दब गए। अचानक हुई इस घटना से निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बचाव की कोशिश शुरू की और मिट्टी हटाकर दो मजदूरों को बाहर निकाल लिया। वहीं, बाकी तीन मजदूरों को निकालने के लिए बचाव अभियान जारी है। जानकारी के अनुसार, पुणे-सोलापुर हाईवे पर सर्विस रोड बनाने का काम चल रहा था। निर्माण कार्य में कई मजदूर लगे हुए थे और इसी दौरान वे सड़क से जुड़े निर्माण कार्य को अंजाम दे रहे थे। तभी अचानक जमीन की मिट्टी खिसकने लगी और देखते ही देखते वहां का एक हिस्सा धंस गया। इसकी चपेट में आने से पांच मजदूर मिट्टी के नीचे दब गए। घटना इतनी अचानक हुई कि वहां काम कर रहे अन्य लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद स्थानीय लोग मदद के लिए मौके पर पहुंचे। लोगों ने बिना देर किए मिट्टी हटाने का काम शुरू किया। काफी प्रयासों के बाद दो मजदूरों को बाहर निकालने में सफलता मिली। इसके बाद बाकी मजदूरों को निकालने के लिए भी प्रयास तेज कर दिए गए। फिलहाल तीन मजदूरों के मिट्टी के नीचे दबे होने की जानकारी है और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना बचाव दल के सामने सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। घटना के बाद निर्माण स्थल पर मौजूद मजदूरों और आसपास के लोगों में चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों की तत्परता से दो मजदूरों को बाहर निकाला जा सका, लेकिन बाकी मजदूरों की स्थिति को लेकर अभी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। बाहर निकाले गए दोनों मजदूरों की हालत कैसी है और उन्हें उपचार के लिए कहां ले जाया गया है, इसकी भी फिलहाल पुष्टि नहीं हुई है। इस हादसे ने एक बार फिर सड़क निर्माण कार्यों के दौरान मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। निर्माण स्थलों पर मिट्टी की खुदाई और गहरे हिस्सों में काम करते समय पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम जरूरी होते हैं। हालांकि, इस घटना में सुरक्षा के क्या इंतजाम किए गए थे और मिट्टी अचानक किस वजह से धंसी, इस बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल बचाव अभियान का पूरा ध्यान मिट्टी में दबे तीनों मजदूरों को जल्द से जल्द बाहर निकालने पर है। प्रशासन और संबंधित बचाव दल की ओर से विस्तृत जानकारी सामने आने के बाद ही हादसे के कारणों, मजदूरों की स्थिति और निर्माण स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तस्वीर साफ हो सकेगी।



पालघर में आर्थिक तंगी और कैंसर के इलाज का खर्च बना संकट, एक ही परिवार के तीन भाई-बहनों की मौत से मचा हड़कंप

बीमारी और आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा था परिवार; पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार इलाके में एक ही परिवार के तीन भाई-बहनों की मौत का मामला सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। तीनों के शव ग्लोबल सिटी स्थित उनके किराए के फ्लैट से बरामद किए गए। शुरुआती पुलिस जांच में परिवार की आर्थिक तंगी और एक सदस्य के कैंसर के इलाज के लिए पैसे की व्यवस्था नहीं हो पाने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार, तीनों भाई-बहन लंबे समय से आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहे थे। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, यह घटना विरार के ग्लोबल सिटी इलाके में स्थित एक आवासीय इमारत के फ्लैट की है। बुधवार रात करीब 9:30 बजे आसपास रहने वाले लोगों को एक फ्लैट से तेज दुर्गंध महसूस हुई। काफी देर तक दुर्गंध आने के बाद पड़ोसियों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद उन्होंने तत्काल बोलिंज पुलिस थाने को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फ्लैट की जांच शुरू की। पुलिस जब फ्लैट के बाहर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुलने पर पुलिस ने उसे खुलवाया। अंदर प्रवेश करने पर कमरे में तीन लोगों के शव मिले। शवों की स्थिति काफी खराब हो चुकी थी। इससे पुलिस ने आशंका जताई कि घटना कुछ दिन पहले हुई होगी और काफी समय तक किसी को इसकी जानकारी नहीं मिल पाई। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शवों को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतकों की पहचान कुमार मनसुखलाल मेहता (50), दीपक मनसुखलाल मेहता (52) और खेवना मनसुखलाल मेहता (48) के रूप में की है। तीनों आपस में भाई-बहन थे और अविवाहित बताए गए हैं। वे एक ही किराए के फ्लैट में साथ रहते थे। परिवार के तीनों सदस्यों की एक साथ मौत की खबर सामने आने के बाद आसपास के निवासियों में शोक और हैरानी का माहौल है। पड़ोसियों के लिए भी यह घटना चौंकाने वाली रही, क्योंकि फ्लैट लंबे समय से बंद था और अंदर क्या हुआ, इसकी जानकारी किसी को नहीं थी। मामले की जानकारी देते हुए सहायक निरीक्षक विष्णु वाडकर ने बताया कि कुमार मेहता कैंसर से पीड़ित थे। उनके इलाज के लिए परिवार को बड़ी रकम की आवश्यकता थी, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण इलाज का खर्च जुटाना मुश्किल हो रहा था। पुलिस के अनुसार, परिवार ने रिश्तेदारों और परिचितों से भी आर्थिक मदद जुटाने की कोशिश की थी, लेकिन पर्याप्त धन की व्यवस्था नहीं हो सकी। बीमारी और पैसों की कमी के कारण परिवार कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि तीनों की मौत जहरीले पदार्थ के सेवन से हुई हो सकती है। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह और उससे जुड़ी परिस्थितियों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा आगे की जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि घटना से पहले तीनों की दिनचर्या कैसी थी और परिवार किन आर्थिक तथा पारिवारिक समस्याओं से जूझ रहा था।



महाराष्ट्र की राजनीति में नई हलचल: उद्धव और राज ठाकरे के साथ मुख्यमंत्री फडणवीस की मुलाकात



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में उस समय एक नया घटनाक्रम सामने आया, जब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे के साथ एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मंच साझा किया। मुंबई में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान तीनों नेताओं के बीच बातचीत भी हुई। मुलाकात का वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में इसकी चर्चा शुरू हो गई है। खास बात यह है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के भीतर भारतीय जनता पार्टी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच मतभेदों की खबरें सामने आ रही हैं। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे कार्टूनिस्ट प्रशांत कुलकर्णी की पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस के साथ दोनों ठाकरे भाई एक ही मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में भाजपा नेता आशीष शेलार भी शामिल हुए। समारोह के दौरान फडणवीस और राज ठाकरे के बीच बातचीत होती दिखाई दी। वहीं, उद्धव ठाकरे के साथ भी मुख्यमंत्री की मौजूदगी ने राजनीतिक हलकों का ध्यान खींचा। लंबे समय बाद फडणवीस और उद्धव ठाकरे को एक सार्वजनिक मंच पर साथ देखा गया। इस मुलाकात को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि हाल ही में महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा और महायुति के घटक दलों के बीच खींचतान की खबरें सामने आई हैं। चुनाव में भाजपा को दो सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद भाजपा की ओर से कुछ सीटों पर सहयोगी दलों से अपेक्षित समर्थन नहीं मिलने की बात कही गई। भाजपा नेताओं ने चुनावी नतीजों को लेकर शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के समर्थन पर सवाल उठाए, जिसके बाद गठबंधन के भीतर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। विधान परिषद चुनाव में भाजपा, शिवसेना और कांग्रेस को एक-एक सीट पर जीत मिली, जबकि शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को दो सीटों पर सफलता मिली। इन नतीजों के बाद महायुति के भीतर चुनावी रणनीति और आपसी तालमेल को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं।

महाराष्ट्र में पानी का संकट गहराया, अब पेड़ों को बचाने के लिए सरकार ने दी 90.72 लाख की मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में कम बारिश और पानी की कमी के चलते सूखे का संकट गहराता जा रहा है। राज्य के 358 में से 304 तालुकों को सूखा प्रभावित घोषित किए जाने के बीच सरकार ने पौधारोपण स्थलों को सुरक्षित रखने और वहां लगाए गए पेड़ों की देखभाल के लिए 90.72 लाख रुपये की राशि मंजूर की है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य पहले से लगाए गए पौधों को सूखने से बचाना और उनकी नियमित देखभाल सुनिश्चित करना है। हालांकि, इस राशि का लाभ सभी पौधारोपण स्थलों को नहीं मिलेगा। सरकार ने इसके लिए एक शर्त तय की है कि जिन स्थानों पर कम से कम 90 प्रतिशत पौधे जीवित होंगे, उन्हीं स्थलों के रखरखाव के लिए धनराशि जारी की जाएगी। राजस्व एवं वन विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, यह राशि वर्ष 2026-27 के दौरान पंचायत वन, बेल वन और अमृत वन योजनाओं के तहत लगाए गए पौधों की चौथे वर्ष की देखभाल के लिए स्वीकृत की गई है। इन योजनाओं के अंतर्गत राज्य के अलग-अलग जिलों में कुल 227 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधारोपण किया गया है। अब इन स्थलों पर पौधों की सुरक्षा, नियमित देखभाल और उनके विकास को सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित राशि खर्च की जाएगी। सरकार की ओर से मंजूर की गई कुल 90.72 लाख रुपये की राशि में से पुणे वन विभाग को 42.80 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा नागपुर वन विभाग को 20.80 लाख रुपये और छत्रपति संभाजीनगर को 20.76 लाख रुपये दिए गए हैं। संबंधित क्षेत्रों में पौधों की देखभाल और सुरक्षा का काम स्थानीय स्वयं सहायता समूहों तथा जैव विविधता प्रबंधन समितियों को सौंपा जाएगा। इन समूहों की जिम्मेदारी पौधों को सुरक्षित रखने, उनकी नियमित निगरानी करने और पौधारोपण स्थलों के रखरखाव की होगी। सरकार ने राशि जारी करने के लिए पौधों के जीवित रहने की स्थिति को प्रमुख आधार बनाया है। जिन पौधारोपण स्थलों पर कम से कम 90 प्रतिशत पौधे सुरक्षित और जीवित पाए जाएंगे, उन्हीं स्थानों को इस योजना के तहत सहायता दी जाएगी। इस शर्त का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी धन केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहे, बल्कि उनके संरक्षण और विकास पर भी ध्यान दिया जाए। पौधारोपण के बाद शुरुआती वर्षों में पौधों की देखभाल बेहद जरूरी होती है, क्योंकि पानी की कमी, मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और सुरक्षा के अभाव में कई बार पौधे नष्ट हो जाते हैं। इसी बीच राज्य सरकार ने सूखा प्रभावित 304 तालुकों में मिट्टी और जल संरक्षण से जुड़े कार्य कराने के निर्देश भी जारी किए हैं।



हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस ने विवेक कन्नन को नियुक्त किया सीईओ

नई दिल्ली ।

हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस ने विवेक कन्नन को अपना मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की शुक्रवार को घोषणा की। कन्नन 2020 में कंपनी में मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के रूप में शामिल हुए थे। वह सचिन पिल्लई की जगह लेंगे, जिन्होंने 29 अक्टूबर को आवास वित्त कंपनी के प्रबंध निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया था। पिल्लई कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में बने रहेंगे। वित्तीय सेवा क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव रखने वाले कन्नन कंपनी की बाजार में मौजूदगी मजबूत करने और सतत वृद्धि को आगे बढ़ाने पर ध्यान देंगे।नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस ने कहा कि उनके नेतृत्व में कंपनी अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत करेगी और ग्राहकों तथा हितधारकों को दीर्घकालिक मूल्य उपलब्ध कराएगी।हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस, हिंदुजा लेलैंड फाइनेंस लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है।

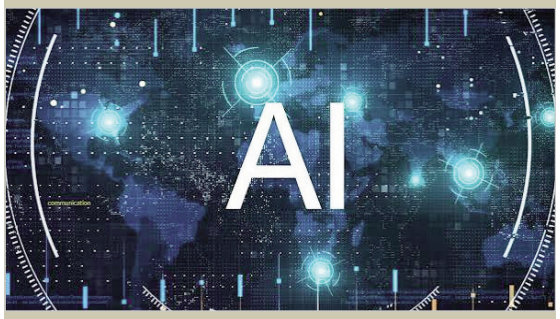
गोदरेज कंज्यूमर का मुनाफा बढ़कर 523 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) का मुनाफा चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में सालाना अधार पर 13.84 प्रतिशत बढ़कर 522.92 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का मुनाफा पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 459.34 करोड़ रुपये था। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में गुरुवार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल परिचालन आय 19 प्रतिशत बढ़कर 4,413.09 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,708.19 करोड़ रुपये थी। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी (जुलाई-सितंब) तिमाही में उसकी एकीकृत बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़ी। रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान बेचने वाली (एफएमसीजी) क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी के कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं दूसरी तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 20.6 प्रतिशत बढ़कर 3,758.26 करोड़ रुपये रहा।

एआई के प्रभाव से अल्फाबेट की मार्केट वैल्यू में 500 अरब डॉलर की गिरावट

कमजोर विज्ञापन कारोबार और एआई से राजस्व घटने की आशंका से निवेशक चिंतित



नई दिल्ली ।

गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में 13 फीसदी से अधिक की तेज गिरावट दर्ज हुई, जिससे उसके बाजार पूंजीकरण में 500 अरब डॉलर से अधिक की कमी आई। यह अल्फाबेट के इतिहास में बाजार पूंजीकरण की सबसे बड़ी गिरावट है। तीसरी तिमाही के कमजोर नतीजों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा मुख्य राजस्व पर पड़ने वाले संभावित नकारात्मक प्रभाव की आशंका ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई। अल्फाबेट ने तीसरी तिमाही में 111.2 अरब डॉलर की बिक्री दर्ज की, जो विश्लेषकों के अनुमान से कम थी। सर्च और विज्ञापन आय भी बाजार की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। यह आय कुल कमाई का लगभग आधा है और एआई में बड़े निवेश के लिए अहम है। विज्ञापन कारोबार की वृद्धि दर पिछले पांच तिमाहियों में सबसे धीमी रही। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि गूगल सर्च में एआई मोड की बढ़ती लोकप्रियता से कमाई प्रभावित हुई है, क्योंकि एआई प्रश्नों से अपेक्षाकृत कम राजस्व मिलता है। कंपनी इसमें विज्ञापनों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रही है। निवेशक चिंतित हैं कि चैटजीपीटी जैसे एआई चैटबॉट और गूगल के अपने एआई फीचर्स उपभोक्ताओं को उसके सबसे अधिक कमाई वाले सर्च कारोबार से दूर कर सकते हैं। अल्फाबेट को एआई महत्वाकांक्षाओं पर भविष्य में 1 लाख करोड़ डॉलर से अधिक खर्च होने का अनुमान है, जिससे शीर्ष अधिकारियों पर इस भारी-भरकम निवेश को सही ठहराने का दबाव बढ़ गया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 308, निफ्टी 116 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आयी है। दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 308.49 अंक बढ़कर 74,459.53 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.35 अंक उछलकर 23,053.10 पर बंद हुआ।

आज लार्जकैप के विपरीत मिडकैप और स्मॉलकैप में दबाव रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 540.40 अंक की गिरावट के साथ 57,301.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 347.75 अंक की कमजोरी के साथ 18,463.60 पर बंद हुआ।

बाजार को सहारा आईटी शेयरों से मिला, सूचकांकों में निफ्टी आईटी और निफ्टी हेल्थकेयर की बढ़त के साथ बंद हुए। निफ्टी फार्मा , निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी कंजप्शन और निफ्टी इन्फ्रा में भी तेजी रही।

वहीं, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी मीडिया , निफ्टी एनर्जी, निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी ऑटो गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, इंडिगो, इन्फोसिस, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, इटरनल, टेक महिंद्रा, एचयूएल टेक, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, आईटीसी, एशियन पेंट्स, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, एचयूएल और टाइटन के शेयर



लाभ में रहे थे। एसबीआई, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, बीईएल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी के शेयर गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 168.03 अंक बढ़कर 74,319.07 के स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी भी 44.55 अंकों की बढ़त के साथ 22,981.30 पर कारोबार कर रहा था

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 30 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.95 पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सात पैसे की बढ़त के साथ 95.19 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और अमेरिकी कोष बॉन्ड के प्रतिफल में गिरावट के बीच घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। हालांकि, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने रुपये की बढ़त को सीमित रखा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और तेल आयात का बोझ कम होने से रुपये को मजबूती मिलने का आधार तैयार होगा। डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर के निकट अवधि में 94.75 से 95.75 के बीच रहने का अनुमान है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.21 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें मजबूती आई और यह 95.19 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को दो पैसे की बढ़त के साथ 95.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत फिसलकर 101.75 पर आ गया।

त्योहारों से पहले चीनी और प्याज की कीमतों में भारी उछाल

खुदरा बाजारों में प्याज की कीमत 60-65, जबकि चीनी 55-60 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली ।

दीपावली और छठ जैसे बड़े त्योहारों के नजदीक आने के बावजूद, आम जनता को चीनी और प्याज की बढ़ती कीमतों से कोई राहत नहीं मिल पा रही है। पिछले चार महीनों में इन दोनों आवश्यक खाद्य वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे रसोई का बजट गड़बड़ा गया है।

खुदरा बाजारों में प्याज की कीमत अभी 60-65 रुपये प्रति किलोग्राम के दायरे में बनी हुई है, जबकि चीनी 55-60 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है। कुछ विशेष ब्रांड की चीनी तो 62 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताजा मासिक रिपोर्ट के अनुसार, देश में जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर लगातार जारी है। विशेषज्ञों और जानकारों के अनुसार, रबी की फसल के कम भंडार और असमान मानसून के कारण खरीफ की नई फसल की आवक को लेकर बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। इसी आपूर्ति में गिरावट के चलते जून से सितंबर के बीच प्याज की कीमतें करीब 85 प्रतिशत तक उछल गईं, वहीं जुलाई और अगस्त में चीनी के दामों में भी 34 प्रतिशत की भारी तेजी दर्ज की गई। प्याज की फसलों को इस साल महाराष्ट्र जैसे प्रमुख उत्पादक राज्य में सूखे और फिर कमजोर मानसून की वजह से नुकसान पहुंचा है, जिससे सुरक्षित भंडार काफी कम हो गया है।

न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों के 98 फीसदी विज्ञापन भ्रामक,एएससीआई रिपोर्ट में खुलासा

परिषद ने 61 में से 60 विज्ञापनों को आचार संहिता का उल्लंघन करते पाया

नई दिल्ली ।

भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) की एक हालिया रिपोर्ट ने न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों के विज्ञापनों में व्याप्त भ्रामक दावों का बड़ा खुलासा किया है। अ पिल फॉर थॉट शीर्षक वाली इस रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई से सितंबर 2023 के बीच जांचे गए 61 विज्ञापनों में से चौंकाने वाले 60 विज्ञापन एएससीआई की आचार संहिता का उल्लंघन करते पाए गए, जो उपभोक्ताओं को झूठी उम्मीदें और निराधार वादे बेचकर गुमराह कर रहे थे। एएससीआई की इस गहन जांच ने न्यूट्रास्युटिकल क्षेत्र में व्यापक अनियमितताओं को उजागर किया है।

रिपोर्ट के अनुसार इन विज्ञापनों में 60 दिन में छह किलो वजन घटाएं, आपकी त्वचा सात साल जवां दिखेगी और अस्थमा या पीसीओडी को उलट दें जैसे नाटकीय दावे किए गए थे, जिनके समर्थन में कोई पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद नहीं थे। जांच में यह सामने आया कि कुल 29 विज्ञापनदाताओं ने तो अपनी आपत्तियों को चुनौती भी नहीं दी, जबकि बाकी 31 विज्ञापनदाता अपने दावों को साबित करने के लिए ठोस सबूत पेश करने में नाकाम रहे। रिपोर्ट में वजन प्रबंधन, त्वचा देखभाल, एंटी-एजिंग और श्वास संबंधी समस्याओं के उपचार से जुड़े दावे प्रमुखता से शामिल थे। इन विज्ञापनों में अक्सर तय समयसीमा के भीतर आश्चर्यजनक परिणामों का वादा किया गया, साथ ही नाटकीय पहले और बाद की तस्वीरों का भी इस्तेमाल किया गया, जैसे फेफड़ों को काले रंग से गुलाबी होते हुए दिखाना। कुछ ब्रांडों ने अपने उत्पादों को अस्थमा और सीओपीडी जैसी गंभीर बीमारियों के समाधान के रूप में भी प्रस्तुत किया, यह सुझाव देते हुए कि ये प्रदूषण और धूम्रपान के हानिकारक प्रभावों को उलट सकते हैं।

इसके अलावा, किसी खास सामग्री पर हुए शोध का उपयोग पूरे उत्पाद के फायदों को साबित करने के लिए किया गया, जबकि तैयार उत्पाद के विज्ञापन में बताए गए नतीजे देने के कोई ठोस प्रमाण नहीं थे। एएससीआई की एक अधिकारी ने इस स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि उपभोक्ता इन उत्पादों पर विश्वास करते हैं, इसलिए विज्ञापनों में किए गए दावे उपलब्ध सबूतों के अनुरूप होने चाहिए।

उन्होंने जोर दिया कि इससे उपभोक्ता सोच-समझकर फैसले ले सकेंगे और ऐसे वादों से उनका भरोसा नहीं टूटेगा, जिनके समर्थन में पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं। रिपोर्ट ने यह भी इंगित किया कि वेलनेस उत्पादों और डॉक्टरों द्वारा निर्धारित दवाओं के बीच का अंतर धुंधला होता जा रहा है, जिससे उपभोक्ताओं में भ्रम बढ़ सकता है। एएससीआई ने न्यूट्रास्युटिकल विज्ञापनों में दावों के समर्थन में सबूतों की कमी की बढ़ती चिंताओं के कारण स्वतः संज्ञान लेते हुए यह जांच शुरू की थी।

अदाणी यूरोप में 27,000 करोड़ में खरीदेंगे इवोस टर्मिनल्स

कंपनी का लक्ष्य वैश्विक समुद्री व्यापार में दबदबा बढ़ाना

मुंबई ।

अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है।

कंपनी ने पैन-यूरोपीय लिक्विड स्टोरेज और टर्मिनल ऑपरेटर इवोस टर्मिनल्स का अधिग्रहण करने के लिए लगभग 3 अरब यूरो की बाइंडिंग ऑफर पेश की है।

यह कदम अदाणी पोर्ट्स की वैश्विक विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य यूरोपीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना है। इग्नियो इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर्स के स्वामित्व वाली इवोस टर्मिनल्स यूरोप की सबसे बड़ी लिक्विड स्टोरेज कंपनियों में से एक है। इसके पास 5 यूरोपीय देशों के 7 बंदरगाहों पर 8 बड़े टैंक टर्मिनल्स हैं ।

जिनकी कुल भंडारण क्षमता 6.4 मिलियन क्यूबिक मीटर है। अदाणी पोर्ट्स का यह ऑफर बदलते वैश्विक परिदृश्य और ऊर्जा सुरक्षा की चिंताओं के बीच यूरोप के बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने का एक प्रयास है। यह बाइंडिंग ऑफर एक कड़ी प्रतिस्पर्धी नीलामी प्रक्रिया के तहत दिया गया है, जिसमें केकेआर, ईक्यूटी और मैक्वेरी जैसे कई वैश्विक दिग्गज भी शामिल थे। इस डील पर अंतिम फैसला कुछ हफ्तों में आने की उम्मीद है।

यह विदेशी विस्तार अदाणी पोर्ट्स द्वारा यूके-आधारित एसोसिएटेड ब्रिटिश पोर्ट्स की बिड में पीछे हटने के तुरंत बाद आया है।

दवा निर्यात पहली छमाही में 4.9 फीसदी बढ़कर 16.14 अरब डॉलर

यूरोप, आसियान और लातिन अमेरिका से मजबूत मांग ने दिया सहारा

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में भारत का दवा निर्यात सालाना आधार पर 4.9 प्रतिशत बढ़कर 16.14 अरब डॉलर हो गया है।

भारतीय दवा निर्यात संवर्धन परिषद (फार्मेक्सिल) के आंकड़ों के अनुसार, यूरोपीय, आसियान और लातिन अमेरिकी बाजारों से मजबूत मांग ने इस वृद्धि को गति दी है, जबकि अमेरिका को निर्यात की रफ्तार कुछ धीमी रही। फार्मेक्सिल द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक यूरोप को निर्यात में 9.66 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो कुल दवा निर्यात का 20.38 प्रतिशत रहा। इसी अवधि में आसियान क्षेत्र में 21.54 प्रतिशत और लातिन अमेरिका व कैरेबियाई देशों में 16.58 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। अफ्रीका को दवा निर्यात में भी 6.48 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में दर्ज 15.38 अरब डॉलर के मुकाबले एक महत्वपूर्ण उछाल है। परिषद के अ धिकारी ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण और किफायती दवाओं के बड़े पैमाने पर विनिर्माण के दम पर भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

भारतीय कंपनियों की विदेशी उधारी बढ़ी, अगस्त में 8.13 डॉलर अरब के आवेदन

फ्लिपकार्ट, पीएफसी, आरईसी व इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने भी की बड़ी उधारी की मांग

मुंबई ।

भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के लिए दाखिल आवेदनों की कुल राशि अगस्त में मासिक आधार पर 5.6 प्रतिशत बढ़कर 8.13 अरब डॉलर तक पहुंच गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है, जो वैश्विक पूंजी तक कंपनियों की बढ़ती पहुंच को दर्शाती है।

जुलाई में यह आंकड़ा 7.69 अरब डॉलर था। अगस्त में दाखिल आवेदनों में कई प्रमुख कंपनियों की बड़ी उधारी मांग शामिल थी। इनमें फ्लिपकार्ट इंटरनेट ने तीन साल के लिए 1.14 अरब डॉलर का कर्ज आगे ऋण देने के लिए मांगा, जबकि पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) ने सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए चार साल नौ महीने की अवधि के लिए 77.5 करोड़ डॉलर का आवेदन दिया। इसी तरह, आरईसी और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने भी क्रमशः सामान्य कारोबारी जरूरतों और मौजूदा इकाइयों के विस्तार के लिए 50-50 करोड़ डॉलर की उधारी के इरादे दाखिल किए।

यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब आरबीआई ने विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ाने और देश की बाह्य स्थिति मजबूत करने के लिए जून में विशेष एफसीएनआर(बी) जैसी सुविधाएं शुरू की थीं। हालांकि, मजबूत प्रतिक्रिया के कारण एफसीएनआर(बी) सुविधा 31 अगस्त को समय से पहले बंद कर दी गई थी, लेकिन ईसीबी और विदेशी मुद्रा में परिवर्तनीय बॉन्ड सुविधा 31 दिसंबर तक खुली है, जिससे आगे भी पूंजी प्रवाह की उम्मीद है।

अल नीनो के खतरे के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि पर आईएमएफ का भरोसा

नई दिल्ली ।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सुपर अल नीनो के कारण मौसम में संभावित बदलावों से उत्पन्न जोखिमों के बावजूद भारत के आर्थिक विकास पर अपना पूरा भरोसा जताया है। आईएमएफ के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक विकास का एक महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है, भले ही खराब मौसम से जुड़े कुछ जोखिम मौजूद हों। आईएमएफ ने यह भी स्पष्ट किया है कि सुपर अल नीनो जैसी घटनाओं का असर अभी तक भारत में सीधे तौर पर दिखाई नहीं दिया है, लेकिन भविष्य में इससे फसलों के उत्पादन में कमी आ सकती है, जिसके परिणामस्वरूप खाने-पीने की चीजें महंगी होने की आशंका है। आईएमएफ के संचार निदेशक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि भारत के सामने मौसम से जुड़े कई बड़े जोखिम मौजूद हैं, हालांकि अभी तक इनका मौजूदा आर्थिक स्थिति पर कोई वास्तविक असर नहीं पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि ये जोखिम वास्तविक रूप में सामने आते हैं, तो परिवारों की खरीदारी की क्षमता (परचेजिंग पावर) कम हो सकती है। आईएमएफ ने अपनी अक्टूबर 2026 की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में भारत के लिए 7 प्रतिशत विकास दर का अनुमान लगाया था। चूंकि अल नीनो से जुड़े गंभीर मौसमी जोखिम अभी तक पूरी तरह से सामने नहीं आए हैं, इसलिए आईएमएफ जनवरी 2027 में जारी होने वाले अपने अगले वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अपडेट में भारत की इस विकास दर के अनुमान की दोबारा समीक्षा करेगा। यह समीक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि आने वाले महीनों में सुपर अल नीनो से जुड़ा मौसमी जोखिम कितना गहराता है। सुपर अल नीनो का तात्पर्य भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के पानी का सामान्य से बहुत ज्यादा गर्म हो जाना है। यह स्थिति तब बनती है जब समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस या उससे भी अधिक बढ़ जाता है। भारत के लिए इसे आमतौर पर नकारात्मक माना जाता है, क्योंकि यह दक्षिण-पश्चिम मानसून को कमजोर कर देता है, जिससे देश के कई हिस्सों में सूखे की स्थिति बन सकती है ।

धनतेरस से पहले सोने की कीमतों में गिरावट से खरीदार असमंजस में

अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में उछाल और भू-राजनीतिक तनाव ने बिगाड़ा खेल

नई दिल्ली ।

धनतेरस और शादी के शुभ अवसर से ठीक पहले सोने की कीमतों में आई भारी गिरावट ने खरीदारों को असमंजस में डाल दिया है। जनवरी में 1.75 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्च स्तर को छूने वाला सोना अब 1.43 लाख रुपये के करीब आ गया है, यानी करीब 20 फीसदी की कमी।

इस अप्रत्याशित गिरावट ने जहां एक ओर निवेशकों के लिए अवसर पैदा किया है, वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या यह खरीदारी का सही समय है या अभी और इंतजार करना चाहिए। सोने की कीमतों में इस बड़ी गिरावट के पीछे कई वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक कारण जिम्मेदार हैं। सबसे प्रमुख वजह अमेरिका के 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड में रिकॉर्ड बढ़ोतरी है, जो 5 फीसदी से भी ऊपर चल रही है। जब अमेरिकी सरकार द्वारा जारी किए गए इन बॉन्ड पर इतना आकर्षक और सुरक्षित रिटर्न मिलता है, तो बड़े निवेशक सोने जैसे सुरक्षित निवेश से पैसा निकालकर बॉन्ड में लगाना पसंद करते हैं, क्योंकि सोने पर कोई ब्याज नहीं मिलता।

इस शिफ्ट से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग घटती है और उसकी कीमत पर दबाव बनता है। इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिका में बढ़ती महंगाई का डर भी सोने की चमक फीकी कर रहा है। ईरान युद्ध के तनाव के कारण महंगा हुआ कच्चा तेल अमेरिकी अर्थव्यवस्था में महंगाई बढ़ा रहा है।

इसे नियंत्रित करने के लिए अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरें ऊंची रखी हैं, जिससे बॉन्ड यील्ड को और बढ़ावा मिला है।

जानकारों का मानना है कि जब तक कच्चे तेल की कीमतें स्थिर नहीं होतीं और महंगाई के आंकड़े नीचे नहीं आते, तब तक अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड ऊंची बनी रह सकती है। इसका सीधा मतलब है कि अगले कुछ महीनों या साल भर तक सोने के भाव में तेजी से उछाल की संभावना कम है।

एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स ने ब्लू वॉटर लर्निंग में सौ फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई ।

एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स ने अमेरिकी राज्य टेक्सास की ब्लू वॉटर लर्निंग में सौ फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली है। यह सौदा उसकी अनुषंगी एनआईआईटी यूएसए के जरिए 1.76 करोड़ डॉलर तक में हुआ है। इसमें अगले पांच वर्षों के दौरान प्रदर्शन के आधार पर दिए जाने वाले अतिरिक्त भुगतान भी शामिल हैं। एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स ने अमेरिका के टेक्सास स्थित ब्लू वॉटर लर्निंग में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 167 करोड़ रुपये में हासिल की है। कंपनी ने बताया कि यह अधिग्रहण उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एनआईआईटी (यूएसए) के माध्यम से किया गया है। इस सौदे का कुल मूल्य 1.76 करोड़ डॉलर (करीब 167 करोड़ रुपये) तक है। इसमें अगले पांच वर्षों के दौरान प्रदर्शन के आधार पर किए जाने वाले अतिरिक्त भुगतान भी शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स लिमिटेड ने ब्लू वॉटर लर्निंग एलएलसी में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। वर्ष 2003 में स्थापित ब्लू वॉटर लर्निंग का मुख्यालय टेक्सास के प्लानो में है। यह कंपनी संगठनों को सीखने और प्रतिभा विकास से जुड़े बदलावों की रणनीति बनाने और उन्हें लागू करने में मदद करती है।

ब्लू वॉटर अपने ग्राहकों को रणनीति विकसित करने, समाधान लागू करने और दीर्घकालिक सफलता के लिए जरूरी संगठनात्मक बदलावों में सहायता देती है।



रहस्यमय सौंदर्य की भूमि हैं सिक्किम की वादियां

हिमालय की गोद में बसे सिक्किम राज्य को प्रकृति के रहस्यमय सौंदर्य की भूमि या फूलों का प्रदेश कहना गलत नहीं होगा। वास्तव में यहां के नैसर्गिक सौंदर्य में जो आकर्षण है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। नदियां, झीलें, बौद्ध मठ और स्तूप तथा हिमालय के बेहद लुभावने दृश्यों को देखने के अनेक स्थान, ये सभी हर प्रकृतिप्रेमी को बाहें फैलाए आमंत्रित करते हैं। विश्व की तीसरी सबसे ऊंची पर्वतचोटी कंचनजंगा (28156 फुट) यहां की सुंदरता में चार चांद लगाती है। सूर्य की सुनहली किरणों की आभा में नई-नवेली दुलहन की तरह दिखने वाली इस चोटी के हर क्षण बदलते मोहक दृश्य सुंदरता की नई-नई परिभाषाएं गढ़ते हुए से लगते हैं। मनुष्य की कल्पनाओं का सागर यहां हिलोरें मारने लगता है।

जीवंत वातावरण

भारत के उत्तर-पूर्व और पूर्व में फैले इस राज्य का क्षेत्रफल 7096 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या लगभग पांच लाख। चीन के अधीनस्थ तिब्बत से व्यापारिक संबंधों के समय व्यावसायिक महत्व का स्थान रहा गंगटोक आज के सिक्किम की राजधानी है। इस शहर की स्थापना 19वीं शताब्दी के मध्य में हुई थी। इससे पहले राज्य के पश्चिमी भाग में युकसम और इसके बाद राबडेंसे नामक स्थानों को सिक्किम की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों, हनीमून मनाने वाले जोड़ों तथा राज्य के सुदूर क्षेत्रों में ट्रेकिंग और साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की आवाजाही गंगटोक के वातावरण को हमेशा जीवंत बनाए रखती है।

पर्यटन की दृष्टि से सुविधापूर्वक सिक्किम दर्शन के लिए राज्य को चार भागों में बांटा जा सकता है। सबसे पहले पूर्व में गंगटोक तथा इसके आसपास कई दर्शनीय स्थल हैं। समुद्रतल से 5800 फुट की ऊंचाई पर स्थित गंगटोक का प्रारंभ से ही समुचित विकास होता आया है। यहां अच्छे से अच्छे रहने के स्थान, यातायात के साधन तथा संचार माध्यम उपलब्ध हैं। राज्य की पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा की वस्तुओं का केंद्र भी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का स्थान है। यहां से केवल तीन किलोमीटर की दूरी पर 200 वर्ष पुराना महत्वपूर्ण बौद्ध मठ इंचे मॉनेस्ट्री है। ऐसा माना जाता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को लामा द्रुप्तोब कार्पो का आशीर्वाद मिलता है। लामा द्रुप्तोब यहां के लोकजीवन में



आस्था के एक गहरे प्रतीक के रूप में रचे-बसे हैं। हर साल जनवरी के आसपास यहां छाम नृत्य का उत्सव आयोजित किया जाता है। यह उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। व्हाइट हॉल के पास पूरे वर्ष फूलों की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है।

बौद्ध अध्ययन का केंद्र

गंगटोक में ही स्थित नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ टिबेटोलॉजी (एनआईटी) नाम का बौद्ध संस्थान दुर्लभ लेपचा, तिब्बती व संस्कृत पांडुलिपियों, मूर्तियों, थंका, कर्मकांड और पूजन विधि में प्रयोग आने वाले कपड़ों (टेपेस्ट्रीज) आदि दो सौ से अधिक बहुमूल्य वस्तुओं तथा कलाकृतियों का खजाना है। धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण यह संस्थान आज पूरे विश्व के लिए बौद्ध दर्शन तथा धर्म का अध्ययन केंद्र बना हुआ है।

छोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल की स्मृति में यहां एक पार्क बना हुआ है। छोग्याल अर्थात राजा। नामग्याल वंश के 17वें तथा धार्मिक कार्यो के लिए पवित्रीकरण संस्कार प्राप्त 12वें राजा पाल्डेन थोंडुप की आर्थिक और सामाजिक सुधारों में शुरू से गहरी आस्था थी। राजा पाल्डेन आधुनिक शासन प्रणाली के समर्थक थे। इनके शासनकाल में ही सिक्किम में आधारभूत सुविधाओं की नींव रखी गई। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने स्कूल, सड़कें, चिकित्सालय आदि बनाने, पेयजल उपलब्ध कराने, यातायात हेतु सिक्किम राष्ट्रीयकृत ट्रांसपोर्ट, हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पॉवर स्कीम तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अन्य योजनाएं चलाने के लिए भी लगातार सहायता दी। 1982 में इनका देहांत हुआ। अंत तक वह बौद्धिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे।

पवित्र छांगू झील

छांगू लेक, जिसे स्थानीय लोग छो गो लेक कहते हैं, गंगटोक से 40 किलोमीटर दूर है। समुद्रतल से 3780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह अंडाकार झील एक किलोमीटर लंबी और 15 मीटर गहरी है। स्थानीय लोगों की मान्यताओं के अनुसार यह एक पवित्र स्थान है। शीतकाल में यह जमी रहती है। मई से अगस्त के बीच इसके चारों ओर फैली पर्वतश्रृंखला व घाटियों में विभिन्न प्रकार के फूल खिले होते हैं। यहां खिलने वाले फूलों में रोडोडेंड्रोन, कई प्रकार के प्रिमुला, नीले और पीले पॉपीज, आइरिस आदि प्रमुख हैं। लाल पांडा तथा कई प्रजातियों के पक्षियों का यह पसंदीदा स्थान है। इसी दिशा में गंगटोक से 56 किलोमीटर दूर समुद्रतल से 14200 फुट की ऊंचाई पर स्थित नाथू ला है। ला अर्थात पास या एक पहाड़ को लांघकर दूसरी ओर जाने का रास्ता। नाथू ला भारत-चीन (तिब्बत का पठार) सीमा पर स्थित है। यहां जाने के लिए पंजीकृत ट्रेवल एजेंसी के माध्यम से सिक्किम पर्यटन विभाग से परमिट लेनी पड़ती है। नाथू ला की ओर जाने की परमिट केवल भारतीय नागरिक ही पा सकते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियां और पेड़-पौधे देखने के शौकीन लोगों के लिए इसी क्षेत्र में स्थित सरमसा गार्डन और जवाहरलाल नेहरू बोटेनिकल गार्डन दर्शनीय हैं। जबकि वन्य जीवन में रुचि लेने वालों के लिए हिमालयन जूलोजिकल पार्क तथा फेम्बोंग लो वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी दिलचस्प जगहें हो सकती हैं। इनके अलावा दो द्रुल छोरटेन, रुमटेक धर्म चक्र केंद्र, पाल जुरमांग कागयुद मॉनेस्ट्री, वाटर गार्डन, बाबा हरभजन सिंह मेमोरियल, ताशी व्यू प्वाइंट, गोन्जांग मॉनेस्ट्री, गणेश टोंक, हनुमान टोंक, नोर छो सुक तथा अरितार यहां के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।



जहां मिट जाते हैं पाप

पश्चिमी सिक्किम में पेमायांगसे मॉनेस्ट्री सबसे प्राचीन बौद्ध मठों में से एक है। राज्य की पहली राजधानी युकसम यहीं है। तीन विद्वान लामाओं द्वारा सन 1641 में सिक्किम राज्य के प्रथम छोग्याल (राजा) का पवित्रीकरण संस्कार यहीं किया गया था। इसका प्रमाण नोरबूगांग छोरटेन में आज भी मौजूद है, जहां पत्थरों के सिंहासन और एक पत्थर पर मुख्य लामा के पैर की छाप देखी जा सकती है। वस्तुतः इस राज्य का इतिहास यहीं से शुरू होता है। स्थानीय लोग इस क्षेत्र को अत्यंत पवित्र मानते हैं। जोंगरी-जेमाथांग तथा कंचनजंगा बेस कैंप के लिए ट्रेकिंग कार्यक्रम भी युकसम से ही शुरू होते हैं। युकसम के बाद कुछ ही दूरी पर स्थित राबडेंसे राज्य की दूसरी राजधानी बनी थी। यहां अब केवल खंडहर शेष हैं। सन 1814 तक यहीं से राजा ने राज्य का संचालन किया। ताशीडिंग मॉनेस्ट्री हृदय के आकार की पहाड़ी पर बनाई गई है, जिसके पीछे पवित्र कंचनजंगा पर्वत है। बौद्ध धर्मग्रंथों के अनुसार 8वीं शताब्दी में गुरु पद्मसंभाव, जिन्हें गुरु रिम्पूछे भी कहा जाता है, ने इस स्थान से ही सिक्किम की पवित्र भूमि को आशीर्वाद दिया था। ऐसा माना जाता है कि आज भी यहां आने वालों को गुरु रिम्पूछे का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेपचा समुदाय की बहुलता वाली इस घाटी में स्थित पवित्र गुरु इहेदू में गुरु रिम्पूछे के पैरों और हाथों के चिन्ह अभी भी सुरक्षित हैं। ताशीडिंग पवित्र छोरटेन (स्तूप) थोंग वा रांग डोल के लिए भी प्रसिद्ध है। इसका अर्थ है देखने भर से जीवनरक्षा करने वाला।



संधि भाईचारे की

उत्तरी सिक्किम में जेमू ग्लेशियर से निकलने वाली तीस्ता नदी राज्य का गौरव बढ़ाती है। व्हाइट वाटर राफ्टिंग और कयाकिंग आदि वाटर स्पोर्ट्स के शौकीन लोगों के लिए सिक्किम में यही आकर्षण का मुख्य केंद्र है। मई-जून में यहां साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की खासी भीड़ जुटी होती है। भारत ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों से भी लोग यहां रोमांचक खेलों का मजा लेने तथा प्रकृति की सुंदरता को निहारने के लिए आते हैं।

अगर आप वन्य प्राणियों के जीवन में रुचि लेते हैं तो उत्तरी सिक्किम में ही स्थित कंचनजंगा नेशनल पार्क बहुत मुफीद जगह है। 850 वर्ग किलोमीटर में फैले इस वन्य जीव अभ्यारण्य को बायोस्फीयर रिजर्व के नाम से भी जानते हैं। यहां तमाम दुर्लभ प्रजातियों के कई जीव स्वच्छंद विचरण करते हैं। इसके क्षेत्र में कई ग्लेशियर भी हैं, जिनमें जेमू ग्लेशियर सबसे लंबा और नयनाभिराम है। चिड़ियों की यहां कुल 550 प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें ब्लड फेजेंट, सेटायर ट्रैगोपन, ऑस्प्रे, हिमालयन ग्रिफॉन, लैमर्जियर, बर्फीला कबूतर, इंपेयन फेजेंट, सन बड्र्स और गरुड़ शामिल हैं।

कैसे पहुंचें

पृथ्वी की भौगोलिक असमानताओं में बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय पक्ष सिक्किम राज्य सड़क, रेल तथा हवाई मार्गो के जरिये देश के विभिन्न महानगरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। उत्तरी बंगाल में बागडोगरा हवाई अड्डा राजधानी गंगटोक के सबसे समीप है। हवाई अड्डे से 124 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से लगभग चार घंटों में तय हो जाती है। बागडोगरा विमान पत्तन कोलकाता, गुवाहाटी और नई दिल्ली से इंडियन एयरलाइंस और दूसरी एयरलाइनों की उड़ानों से जुड़ा हुआ है। सिक्किम पर्यटन विभाग का पांच सीटों वाला हेलीकॉप्टर बागडोगरा और गंगटोक के बीच प्रतिदिन हवाई सेवा प्रदान करता है। रेलमार्ग पर सबसे समीप दो स्टेशन सिलीगुड़ी तथा न्यू जलपाईगुड़ी हैं। गंगटोक से इनकी दूरी क्रमशः 114 व 125 किलोमीटर है।

परमिट की जरूरत

सीमांत प्रदेश होने के कारण विदेशी नागरिकों को यहां आने के लिए इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लेना होता है। यह परमिट उन्हें भारत में प्रवेश हेतु मिले वीजा के आधार पर मिल जाता है। भारतीय दूतावासों तथा देश में पर्यटन कार्यालयों से या सिक्किम पहुंच कर भी यह परमिट प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी अवधि 15 दिन होती है। यह अवधि बढ़वाई भी जा सकती है।

मौसम एवं तापमान

ग्रीष्म ऋतु में गंगटोक का तापमान अधिकतम 21 डिग्री तथा न्यूनतम 13 डिग्री सेंटीग्रेड होता है तथा शरद ऋतु में अधिकतम 13 डिग्री तथा न्यूनतम 05 .3 डिग्री सेंटीग्रेड। विश्व में सबसे अधिक वर्षा चेरापूंजी में होती है। यह स्थान सिक्किम से अधिक दूर नहीं है। अतः राज्य में भ्रमण के लिए सबसे उत्तम समय मार्च से जून तक तथा अक्टूबर से दिसंबर तक है। गंगटोक में प्रतिवर्ष औसतन वर्षा 3894 मिलीमीटर होती है। 15 साल के अंतराल के बाद गत फरवरी मास में यहां बर्फबारी हुई है।

विदेश में भी मौजूद हैं कई मंदिर जिन्हें देखकर आप भी कहेंगे वाह!



भारत को मंदिरों का देश भी कहा जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि यहां देवी-देवताओं के कई हजार मंदिर हैं। प्राचीन से लेकर नए मंदिरों के कारण भारत दुनियाभर में आकर्षण का केंद्र है। वहीं, क्या आप जानते हैं कि भारत के अलावा भी अन्य देशों में हिन्दू देवी-देवताओं के मंदिर हैं, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता प्राप्त है। दुनियाभर में प्रसिद्ध इन मंदिरों के दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आया भी करते हैं। आज हम आपको उन्हीं मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारत के अलावा दूसरे देशों में मौजूद हैं, आइए जानते हैं...

मुन्नेस्वरम मंदिर, श्रीलंका

श्रीलंका के मुन्नेस्वर गांव में मुन्नेस्वरम नामक ये मंदिर काफी बड़ा है। इसके परिसर में कुल 5 मंदिर स्थित हैं। यहां मां काली और भगवान शिव का भी मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि जब श्रीराम ने राम का वध किया था तब वो यहां शिव जी की पूजा करने के लिए आए थे। ये ही कारण है कि इस मंदिर को धार्मिक तौर पर बेहद खास माना जाता है। यहां काफी लोग घूमने और शिव जी के दर्शन करने के लिए आते हैं।

अंकोरवाट मंदिर, कंबोडिया

कंबोडिया में स्थित अंकोरवाट मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। हिन्दू मंदिरों में ये दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है। 12वीं सदी में इसका निर्माण कम्बुज के राजा सूर्यवर्मा ने करवाया था। इस मंदिर के चारों तरफ एक गहरी खाई है, जिसकी चौड़ाई 650 फुट और लंबाई ढाई मील है, जो इस मंदिर को खास बनाता है। इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में लोग आते हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में से एक ये मंदिर है।

मुरूगन टेंपल, ऑस्ट्रेलिया

मुरूगन मंदिर ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में स्थित है। यहां पहड़ों के देवता कहलाए जाने वाले भगवान मुरूगन विराजमान है। इसलिए इस विशाल मंदिर को न्यू साउथ वेल्क के पहाड़ों पर बनवाया गया है। इस मंदिर और भगवान के प्रति यहां के हिन्दुओं की अपार आस्था है।

पशुपतिनाथ मंदिर, नेपाल

भारत से करीबी देश नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर स्थित है। दुनिया के सबसे प्राचीन हिन्दू मंदिरों में से एक ये मंदिर है। यहां पशुपति के रूप में शिव जी की पूजा होती है। हर साल यहां काफी संख्या में लोग दर्शन करने आते हैं। यूनेस्को द्वारा इस मंदिर को विश्व विरासत स्थल का दर्जा मिला हुआ है।

प्रम्बानन मंदिर, इंडोनेशिया

इंडोनेशिया में कई हिन्दू मंदिर मौजूद हैं। इन्हीं में से एक प्रम्बानन मंदिर भी है। जिसका निर्माण नौवीं शताब्दी में किया गया था। ये मंदिर यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल माना जाता है। ये मंदिर केवल इंडोनेशिया का ही नहीं बल्कि पूरे साउथ एशिया का बहुत बड़ा मंदिर है।

सागर शिव मंदिर, मॉरीशस

बड़ी संख्या में हिन्दू रहने वाले द्वीपीय देश मॉरीशस में सागर शिव मंदिर को एक पवित्र धार्मिक स्थल माना जाता है। इसका निर्माण साल 2007 में हुआ था। भगवान शिव की 108 फीट ऊंची कांसे की प्रतिमा इस मंदिर को खास बनाती है। भगवान शिव के दर्शन के लिए यहां लाखों की संख्या में लोग आते हैं।

रामलिंगेश्वर मंदिर, मलेशिया

मलेशिया की राजधानी क्वालालमपूर में रामलिंगेश्वर मंदिर स्थित है। साल 2012 में मलेशिया सरकार द्वारा इस मंदिर को ट्रस्ट के हवाले कर दिया गया। जिसके बाद से अब इस ट्रस्ट द्वारा ही मंदिर का प्रबंधन किया जाता है।

कटास राज मंदिर, पाकिस्तान

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में कटास राज मंदिर स्थित है। ये एक प्राचीन भगवान शिव मंदिर है। छठी से नौवीं शताब्दी के बीच इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था। कहा जाता है कि ये मंदिर महाभारत काल से था। इससे संबंधित पांडवों की कई कहानियां प्रसिद्ध हैं।

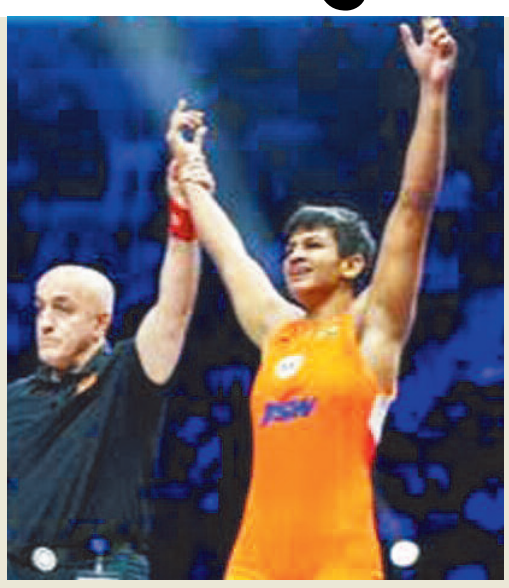
विश्व कुश्ती चैंपियनशिप... कजाखस्तान में तनु शर्मा ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। बचपन में एक कुत्ते के हमले का डटकर मुकाबला करने वाली हरियाणा की तनु शर्मा ने अब कुश्ती के मैट पर दुनिया की दिग्गज पहलवानों को पटखनी देकर इतिहास रच दिया है। कजाखस्तान के अस्ताना में आयोजित 2026 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में 20 साल की तनु शर्मा ने महिलाओं के 72 किलोग्राम भार वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में अमेरिका की प्रेशियस बेल को 9-5 से हराया। तनु शर्मा इसके साथ ही विश्व रेसलिंग चैंपियनशिप में इस भार वर्ग में पदक जीतने वाली पहली भारतीय पहलवान बन गईं। संस्कृत विषय के शिक्षक की बेटी तनु शर्मा की सीनियर स्तर पर यह पहली विश्व चैंपियनशिप थी। वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में जब तनु शर्मा का मुकाबला प्रेशियस बेल से हो रहा था। तब अस्ताना से करीब 3000 किलोमीटर दूर हरियाणा के हांसी जिले के भकलाना गांव में उनके पिता वीरेंद्र शर्मा घर में बेचैनी से इधर-उधर टहल रहे थे।

सरकारी स्कूल में संस्कृत के शिक्षक वीरेंद्र शर्मा घबराहट के कारण कभी अपनी बेटी का मैच नहीं देखते। जब तनु शर्मा ने प्रेशियस को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता तो परिजन खुशी से झूम उठे। यह देखकर वीरेंद्र शर्मा ने राहत की सांस ली। वीरेंद्र शर्मा ने 'द इंडियन एक्सप्रेस' को बताया, ''मैं अपनी बेटी का मैच कभी नहीं देखता। इससे मुझे घबराहट होती है।'' उनकी बड़ी बेटी दौड़ती हुई उनके पास आई और उन्हें यह अच्छी खबर सुनाई। तनु शर्मा की बहन प्रियंका ने मजाक में कहा, ''पापा हमेशा मैच का रीप्ले देखते हैं और वह भी तब जब तनु शर्मा जीत जाती है। अगर वह हार जाए तो पापा मैच नहीं देख पाते।'' तनु शर्मा ने अपने पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर सीनियर स्तर पर डेब्यू साल का शानदार समापन किया। इससे पहले इसी साल तनु शर्मा ने 20 वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था।

मजबूत और निडर बच्ची

तनु शर्मा एक ऐसे परिवार से आती हैं जहां पढ़ाई-लिखाई को अहमियत दी जाती है। शिक्षक पिता की बेटी तनु शर्मा की बड़ी बहन भी शिक्षिका बनने के लिए क्रश्वस्त्र कर रही हैं। हालांकि, तनु शर्मा की बचपन से ही खेलों में रुचि थी। वीरेंद्र शर्मा ने बताया, ''वह बचपन से ही काफी मजबूत थी। जब वह तीसरी कक्षा में थी तो एक घटना घटी जो काफी डरावनी थी। एक कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया, लेकिन तनु ने डटकर मुकाबला किया और उसे खदेड़ दिया। बाद में उसने हमें बताया कि इस दौरान कुत्ते ने उसे काट भी लिया था। हम उसे अस्पताल ले गए, लेकिन हमें यह समझ आ गया था कि वह कितनी मजबूत है।'' तनु के शरीर की बनावट और खेलों में उनकी रुचि को देखते हुए उनके चाचा नरेंद्र फौजी चाहते थे कि वह एक पहलवान बनें।



सीनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन

2026 विश्व चैंपियनशिप तनु का पहला सीनियर टूर्नामेंट था। अपनी पहले विश्व चैंपियनशिप में ही कांस्य पदक जीतना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। संजय इसका श्रेय तनु शर्मा की मानसिक मजबूती और समझदारी को देते हैं। संजय सिहाग ने बताया, ''तनु एक समझदार पहलवान है। पहलवानों के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे खेल की समझ (गेम इंटेलिजेंस) बेहतर होती है। तनु अपनी ताकत के साथ-साथ दिमाग का भी इस्तेमाल करती है।'' विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में तनु शर्मा अपना पहला मुकाबला पोलैंड की विक्टोरिया चोलुज से हार गईं थीं। हालांकि, विक्टोरिया के फाइनल में पहुंचने के बाद तनु शर्मा ने 'रेपेचेज' राउंड में ट्यूनीशिया की मौजूदा अफ्रीकी चैंपियन जैनब सघायर को हराया। फिर कांस्य पदक मुकाबले में मौजूदा पैन अमेरिकन चैंपियन बेल को मात दी। संजय ने बताया, ''तनु स्वभाव से काफी भावुक है। पदक जीतने के बाद जब उसने मुझे फोन किया तो वह रो रही थी। हालांकि, भावुकता कभी-कभी उसके लिए मददगार भी साबित होती है।



नोवाक जोकोविच की स्विस इंडोर्स बेसल में वापसी निराशाजनक

नई दिल्ली। नोवाक जोकोविच की स्विस इंडोर्स बेसल में वापसी निराशाजनक रही, क्योंकि गुरुवार को सर्बियाई खिलाड़ी को जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ के हाथों दूसरे दौर में नाटकीय हार का सामना करना पड़ा। 39 वर्षीय खिलाड़ी दो घंटे 36 मिनट तक चले मुकाबले में 6-7 (4), 7-5, 7-6 (5) से हार गए और अपने शानदार खिताबों के संग्रह में एक और खिताब जोड़ने का मौका गंवा बैठे। इस हार का मतलब यह भी है कि जोकोविच को रोजर फेडरर के 103 करियर खिताबों के अंतर को कम करने के लिए इंतजार करना होगा। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने इस महीने की शुरुआत में बीजिंग में चाइना ओपन में अपना 102वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। पुरुष टेनिस में केवल फेडरर (103 खिताब) और जिमी कॉनर्स (109 खिताबों के साथ सर्वकालिक रिकॉर्ड) ने ही जोकोविच से अधिक एकल खिताब जीते हैं। जोकोविच के बेसल अभियान में इतिहास का एक और पहलू जुड़ गया । 2011 के बाद पहली बार वह इस टूर्नामेंट में लौटे थे, जहां उन्होंने 2009 में फेडरर को फाइनल में हराकर खिताब जीता था। बेसल में पले-बढ़े फेडरर ने अपने गृहनगर में रिकॉर्ड 10 बार ट्रॉफी जीती है और 2010 के फाइनल में जोकोविच को मात दी थी। सर्बियाई खिलाड़ी 2011 में सेमीफाइनल तक भी पहुंचे थे। विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज स्ट्रफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को बाहर कर दिया। जोकोविच ने पहला सेट टाई-ब्रेक में जीता, लेकिन जर्मन खिलाड़ी ने दूसरे सेट में अपने पहले ब्रेक-पॉइंट को भुनाते हुए वापसी की और मैच को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक सेट एक और टाई-ब्रेक में गया, जहां स्ट्रफ ने संयम बनाए रखा और अपने 27वें ऐस के साथ जीत हासिल कर ली, जिससे जोकोविच के पास वापसी का कोई मौका नहीं बचा।

जोकोविच की एटीपी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा

बेसल से बाहर होना जोकोविच के लिए ट्यूरिन में होने वाले सीजन के आखिरी एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की राह में एक बड़ा झटका है। उनके पास खिताब जीतकर रैंकिंग में महत्वपूर्ण अंक हासिल करने का मौका था, खासकर राफेल जोडर की हार के बाद जब क्वालीफाई करने का रास्ता खुल गया था। इस हार के बाद, जोकोविच स्पेनिश खिलाड़ी से 319 अंक पीछे हैं, और एटीपी फाइनल्स से पहले पेरिस मास्टर्स आखिरी टूर्नामेंट है। एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट रोलेक्स पेरिस मास्टर्स 2 से 8 नवंबर तक आयोजित होने वाला है। जोकोविच तीन साल के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में वापसी कर रहे हैं, जहां उन्होंने रिकॉर्ड छह बार खिताब जीता है। पेरिस में उनका शानदार प्रदर्शन ट्यूरिन में जगह पक्की करने की उनकी उम्मीदों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। इस बीच, शीर्ष वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को भी बेसल में अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। उन्हें विश्व रैंकिंग में 222वें स्थान पर मौजूद स्विस वाइल्डकार्ड खिलाड़ी जेरोम किम से हार मिली।

मैच में 200 रन खा रहे, हार पर भड़के अय्यर, कहा- गेंदबाजी खराब हो रही

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड ने भारत को 87 रनों से करारी शिकस्त दी। न्यूजीलैंड के दिए 260 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 172 रन ही बना सकी। हालांकि, पांच मैचों की इस टी20 सीरीज में भारतीय टीम अभी भी 3-1 से आगे चल रही है। मैच के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने हार स्वीकार करते हुए स्वीकार किया कि टीम की शुरुआत गेंदबाजी में उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और पॉवरप्ले में ही मैच का रुख न्यूजीलैंड की ओर झुक गया।

अगले मैच से पहले तैयार होगी रणनीति

अगले मुकाबले की रणनीति और परिस्थितियों में ढलने को लेकर श्रेयस ने कहा, 'यह समझना महत्वपूर्ण है कि हम कहां बेहतर कर सकते हैं। हैमिल्टन जाने से पहले हमारे पास एक दिन का ब्रेक है इसलिए हम रणनीति बनाएंगे और अगले मैच में अपनी पूरी क्षमता से अमल करने की कोशिश करेंगे। हम जानते थे कि इस मैदान के आयाम (बाउंड्री) अलग हैं और कुछ खिलाड़ी पहली बार ऐसे मैदानों पर खेल रहे थे।'

उन्होंने आगे कहा, 'परिस्थितियों में ढलने में थोड़ा समय लगता है। शुरुआत के तीनों मैचों में खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा था, यह एक सीखने की प्रक्रिया है। उम्मीद है कि हम अगले मैच में सकारात्मक सोच के साथ वापसी करेंगे।'



ग्लेन फिलिप्स की पारी असाधारण थी, गेंदबाजों पर फाड़ा बिल

मैच के बाद बात करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा, 'निश्चित रूप से, मुझे लगता है कि शुरुआत में हमारी गेंदबाजी थोड़ी कमजोर रही। पॉवरप्ले में, खासकर तीसरे ओवर से उन्होंने जो लय हासिल की, उसके बाद कुछ गेंदबाजों ने वापसी कराने की कोशिश की, लेकिन ग्लेन फिलिप्स की पारी असाधारण थी। उन्होंने कुछ ऐसे शॉट खेले जो देखना किसी आनंद से कम नहीं था। उन्हें इसका श्रेय जाता है, वह पूरी सीरीज में निरंतर प्रदर्शन कर रहे हैं और उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है।'

रिपोर्ट में किया जा रहा दावा



रोहित शर्मा की कप्तानी में एमआई के लिए खेलने को तैयार हैं हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली। हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस में अपने भविष्य को लेकर बनी अनिश्चितता को दरकिनार करने के लिए तैयार दिख रहे हैं, भले ही इसका मतलब रोहित शर्मा की कप्तानी में फ्रेंचाइजी में वापसी करना ही क्यों न हो। आईपीएल 2027 से पहले अभी भी ट्रेड को लेकर बातचीत अधूरी है, ऐसे में ऑलराउंडर कथित तौर पर मुंबई इंडियंस में बने रहने के लिए तैयार हैं, बजाय इसके कि वे कहीं और जाने की जिद करें। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर प्रस्तावित ट्रेड डील सफल नहीं होती है तो हार्दिक को रोहित की कप्तानी में खेलने में कोई आपत्ति नहीं है। यह संभावना फ्रेंचाइजी में उनके रिश्ते में एक दिलचस्प मोड़ लाती है, क्योंकि आईपीएल 2024 से पहले हार्दिक ने रोहित की जगह कप्तानी संभाली थी।

हार्दिक-रोहित की वापसी के लिए तैयार

2024 में हार्दिक की कप्तानी मुंबई इंडियंस के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत थी। हालांकि, नेतृत्व में यह बदलाव काफी आलोचनाओं के घेरे में आ गया, खासकर टीम के मुश्किल दौर से गुजरने के बाद। उस सीज़न में हार्दिक की कप्तानी में रूह्ठ ने अपने 14 मैचों में से सिर्फ चार मैच जीते और अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही। उनका खिताब का सूखा छह साल तक बढ़ गया, जिससे कप्तानी के फैसले को लेकर दबाव और बढ़ गया। दिलचस्प बात यह है कि पिछले सीजन के खत्म होने से पहले ही फ्रेंचाइजी ने रोहित को कप्तान के रूप में वापस लाने पर विचार किया था, जैसा कि इंडियन एक्सप्रेस ने रिपोर्ट किया है। सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह उन स्थापित खिलाड़ियों में शामिल थे जिन पर इस भूमिका के लिए विचार किया जा सकता था, जबकि तिलक वर्मा को भी भविष्य के लिए एक संभावित विकल्प के रूप में देखा जा रहा था।मुंबई ने आखिरकार उसी कप्तान को चुना जिसने उन्हें पांच आईपीएल खिताब दिलाए थे। हालांकि, रोहित ने पहले तिलक को संभावित उत्तराधिकारी के रूप में सुझाया था, जिसके बाद फ्रेंचाइजी ने उनसे दोबारा कप्तानी संभालने के लिए संपर्क किया। इंडियन एक्सप्रेस को एक सूत्र ने बताया कि रोहित ने फ्रेंचाइजी के साथ कई दौर की बातचीत के बाद सहमति जताई।

उपलब्धि...अर्शदीप सिंह ने तोड़ा जोश लिटिल का रिकॉर्ड



नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने 4 ओवर में 38 रन देकर एक विकेट लिया। इस एक विकेट के दम पर वो भारत की तरफ से टी20आई में 150 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने साथ ही साथ उन्होंने जोश लिटिल का रिकॉर्ड तोड़ दिया और एक कैलेंडर वर्ष में क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर (फुल मेंबर टीम) भी बने।अर्शदीप सिंह ने कीवी टीम के खिलाफ चौथे टी20 मैच में एक विकेट लिया और वो एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गए। उन्होंने जोश लिटिल के द्वारा बनाया गया 4 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। लिटिल ने साल 2022 में 39 विकेट लिए थे और अब वो दूसरे नंबर पर आ गए। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर वानिंदु हसरंगा हैं जिन्होंने साल 2024 में कुल 38 विकेट लिए थे जबकि भुवनेश्वर कुमार चौथे नंबर पर हैं जिन्होंने साल 2022 में 37 विकेट हासिल किए थे।

अर्शदीप सिंह ने पूरे किए 150 विकेट

अर्शदीप सिंह ने कीवी टीम के खिलाफ चौथे मैच में एक विकेट लिया और वो भारत की तरफ से 150 विकेट लेने वाले टी20आई प्रारूप में पहले बॉलर बने। वो भारत की तरफ से टी20आई में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह हैं जिन्होंने अब तक कुल 126 विकेट लिए हैं जबकि तीसरे नंबर पर अक्षर पटेल हैं जिन्होंने अब तक कुल 116 विकेट लिए हैं।

पैन पैसिफिक ओपन: चोट के कारण हटी एलेना

टोक्यो। दुनिया की नंबर 1 एलेना रिबाकिना का पैन पैसिफिक ओपन में अभियान शुक्रवार को समय से पहले समाप्त हो गया। कजाकिस्तान की इस खिलाड़ी ने गर्दन की चोट के कारण डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इस वजह से कनाडा की लेयला फर्नांडीज सेमीफाइनल में पहुंच गई। रिबाकिना ने गर्दन में सूजन और दर्द को नाम वापस लेने का कारण बताया, और बताया कि इस समस्या ने उनके बेस्ट परफॉर्म करने की क्षमता पर असर डाला था।

उन्होंने कहा, 'मुझे यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मुझे अपने अगले मैच से हटना पड़ा है। बदकिस्मती से, मेरी गर्दन में सूजन और दर्द हो रहा है, जिससे मैं अपना बेस्ट नहीं दे पा रही हूं। यह बहुत मुश्किल फैसला है, क्योंकि मुझे यहां खेलना पसंद है और मैं हमेशा फैंस के जबरदस्त सपोर्ट की तारीफ करती हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं अगले साल फिर वापस आऊंगी। आप सभी की समझदारी और समर्थन के लिए धन्यवाद।' फर्नांडीज अब सेमीफाइनल में रूस की लकी लूजर कामिला राखिमोवा से भिड़ेंगी, जिसमें फाइनल में उनकी जगह दांव पर लगी है। राखिमोवा ने तीन सेट के मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर माया जॉइंट को



7-5, 5-7, 6-1 से हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की।

2026 यूएस ओपन चैंपियन के लिए एक अहम सप्ताह के बाद रिबाकिना का हटना एक झटका है। गुरुवार को, उन्होंने हमवतन यूलिया पुतिनत्सेवा को 70 मिनट में 6-2, 6-3 से हराकर अपने करियर में पहली बार साल के आखिर में टॉप रैंकिंग हासिल की। कजाख खिलाड़ी ने पुतिनत्सेवा के खिलाफ शानदार सर्विंग परफॉर्मेंस दी, जिसमें उन्होंने अपने पहले सर्व पॉइंट्स में से 75 प्रतिशत और दूसरे सर्व के पीछे 57 प्रतिशत पॉइंट्स जीते।

पाकिस्तान के लिए विदेशी कोच की तलाश करेगी पीसीबी

नई दिल्ली। लगातार निराशाजनक परिणामों के बावजूद पूर्व टेस्ट तेज गेंदबाज वहाब रियाज को टीम में बनाए रखने के बाद, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आखिरकार अपनी राष्ट्रीय महिला टीम के लिए एक विदेशी कोच की तलाश करने का फैसला किया है। बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने शुक्रवार को बताया कि पीसीबी जल्द ही महिला टीम के मुख्य कोच के पद के लिए विज्ञापन जारी करेगा, जिसमें विदेशी उम्मीदवार को प्राथमिकता दिए जाने की संभावना है। सूत्र ने बताया, 'महिला टीम के अगले अंतरराष्ट्रीय दौरे, जो कि वेस्ट इंडीज का दौरा है, से पहले यह नियुक्ति की जाएगी।' भारत और श्रीलंका में आयोजित आईसीसी महिला 50 ओवर विश्व कप में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद नवंबर में मुख्य कोच मुहम्मद वसीम को हटाए जाने के बाद से वहाब पिछले दिसंबर से महिला टीम को सलाह दे रहे हैं। हालांकि, वहाब की कप्तानी में टीम अपने प्रदर्शन में सुधार करने में विफल रही है।

हाइलो ओपन बैडमिंटन... सिंधु-लक्ष्य पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

सिंधु ने सीधे गेम में जीता मैच, मालविका और इशरानी बाहर

नई दिल्ली। भारत की पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को जर्मनी के सारब्रुकन में चल रहे हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सिंधु ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में फ्रांस की रोसी ओक्टाविया पंकसारी को 26 मिनट में 21-9, 21-6 से हराया। पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन ने हमवतन किरण जॉर्ज को 54 मिनट में 21-15, 18-21, 21-12 से शिकस्त दी। दूसरी ओर मालविका बंसोड़ और इशरानी बरुआ हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने फ्रांस की पंकसारी के खिलाफ शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए। फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले राउंड में प्रकृति भारत को हराया था। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना डेनमार्क की अमली शुल्ज से होगा।

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। उन्होंने फ्रांस की पंकसारी को दोनों गेम में वापसी का मौका नहीं दिया। सिंधु ने मुकाबले में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी को 15 पॉइंट मिले।

भारत के टॉप रैंकिंग वाले पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने प्री-क्वार्टर फाइनल में हमवतन किरण जॉर्ज को हराया। लक्ष्य ने पहला गेम 21-15 से



जीता, लेकिन दूसरे गेम में 18-21 से हार गए। निर्णायक गेम में लक्ष्य ने दमदार वापसी की और 21-12 से जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई। महिला सिंगल्स में मालविका बंसोड़ को कनाडा की वेन यू झांग ने 21-11, 21-17 से हराया। मुकाबला 31 मिनट चला। मालविका पहले गेम में पिछड़ गईं और दूसरे गेम में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद मैच नहीं बचा सकीं।



फिल्म ओम में दमदार पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगी अभिनेत्री साई पल्लवी

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म ओम को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता बनी हुई है। इस फिल्म में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार धनुष और मलयालम सिनेमा के महानायक ममूटी मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इसी बीच निर्माताओं ने फिल्म की प्रमुख अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार से पर्दा हटाकर प्रशंसकों के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। साई पल्लवी इस फिल्म में नित्या रेड्डी नाम की एक जांबाज और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी। इस घोषणा के बाद से ही साई पल्लवी के नए और सख्त अवतार को देखने के लिए दर्शकों की बेताबी साफ नजर आ रही है। दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की मौजूदगी भी इस प्रोजेक्ट को और अधिक भव्य और प्रासंगिक बनाती है। फिल्म के शीर्षक के साथ चैप्टर 1 जोड़ा गया है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि यह एक बहुस्तरीय कहानी है और भविष्य में इसका सीक्वल भी दर्शकों के सामने आ सकता है। कुछ समय पहले जारी किए गए झलक वीडियो (टीजर) से यह साफ हुआ था कि फिल्म की मुख्य कहानी जंगलों में अवैध रूप से लाल चंदन की कटाई करने वाले मजदूरों और उनके संघर्षपूर्ण जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में धनुष एक लकड़हारे की भूमिका निभा रहे हैं। कहानी में मुख्य मोड़ तब आता है जब पुलिस अधिकारी अवैध कटाई में शामिल मजदूरों को हथियार के बल पर बंदी बना लेते हैं और धनुष उनके रक्षक बनकर सामने आते हैं। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी मेकर्स ने काफी सूझबूझ से निर्णय लिया है। पहले इस फिल्म को अक्टूबर महीने में प्रदर्शित करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन अभिनेता धनुष ने सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए अपनी फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ा दिया। इसके साथ ही, दिवाली के अवसर पर अन्य बड़ी फिल्मों के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए किसी भी तरह के व्यावसायिक टकराव से बचने के लिए निर्माताओं ने 20 नवंबर की तिथि को अंतिम रूप दिया है। धनुष और ममूटी जैसे दो विशाल अभिनेताओं का पहली बार एक साथ किसी प्रोजेक्ट में काम करना इस फिल्म को इस साल की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची में शामिल करता है।

लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में रसिका

अभिनेत्री रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म के संदर्भ में बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में भले ही तकनीक के सहारे बड़े बजट और भव्य सेट वाली फिल्में बन रही हों, लेकिन आम जिंदगी से जुड़ी सीधी और सरल कहानियों की अपनी एक अलग अहमियत होती है। फिल्म की कहानी एक छोटे बच्चे थॉमस की बाल सुलभ जिज्ञासा और उसकी मासूमियत के इर्द-गिर्द घूमती है। वह जानना चाहता है कि बच्चे कहां से आते हैं और अपने लिए एक भाई या बहन की चाहत रखता है। रसिका दुग्गल के अनुसार, बच्चों के सवालों और उनकी उत्सुकता को कभी कम नहीं आंकना चाहिए। दुनिया को बच्चों के नजरिए से देखना एक बेहद खूबसूरत अनुभव है। इस फिल्म में बचपन, पारिवारिक रिश्तों और वैवाहिक जीवन के उतार-चढ़ाव को सहज ढंग से दर्शाया गया है।



फिल्म सेट पर महिलाओं के मतभेद की धारणा को राधिका आप्टे ने बताया गलत

डिजिटल क्रिएटर से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया

बॉलीवुड की बहुमुखी अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही आगामी डिजिटल वेब सीरीज अक्का में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में उनके साथ दक्षिण भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में इस सीरीज के प्रचार के सिलसिले में बात करते हुए राधिका आप्टे ने फिल्म सेट पर महिला कलाकारों के आपसी संबंधों को लेकर वर्षों से चली आ रही रूढ़िवादी धारणाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने उस प्रचलित सोच को पूरी तरह से खारिज कर दिया, जिसमें यह दावा किया जाता है कि जब दो महिला कलाकार किसी प्रोजेक्ट में एक साथ काम करती हैं, तो उनके बीच अक्सर अनबन, मनमुटाव या झगड़े होते हैं। राधिका आप्टे का मानना है कि किसी भी कार्यस्थल का माहौल किसी व्यक्ति के लिंग से तय नहीं होता, बल्कि यह लोगों के आपसी तालमेल और व्यवहार पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद पुरानी और आधारहीन सोच है कि महिलाएं आपस में तालमेल नहीं बैठा पातीं। अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने कहा कि कई बार पुरुषों में महिलाओं की तुलना में अधिक असुरक्षा की भावना देखी जाती है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह मुद्दा पुरुष या महिला होने का नहीं है, बल्कि यह विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत संबंधों और आपसी समझ का विषय है। किसी भी क्षेत्र में आप कुछ लोगों के साथ बहुत सहज महसूस करते हैं और आसानी से घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ लोगों के साथ आपका मानसिक तालमेल नहीं बैठ पाता। वेब सीरीज अक्का के शूटिंग सेट का अनुभव साझा करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वहां का माहौल अत्यंत सकारात्मक और उत्साहवर्धक था। सेट पर कैमरे के सामने काम करने वाली स्टारकास्ट और कैमरे के पीछे काम करने वाली तकनीकी टीम में महिलाओं और पुरुषों की लगभग समान भागीदारी थी। उन्होंने कहा कि सेट पर एक बहुत ही खूबसूरत सिस्टरहुड यानी बहनों जैसा माहौल था, जिसने पूरी शूटिंग प्रक्रिया को बहुत सहज और आनंददायक बना दिया। इसके साथ ही राधिका आप्टे ने यह भी रेखांकित किया कि काम के सिलसिले में किसी के साथ अच्छा तालमेल होने का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आप उनके बहुत गहरे मित्र बन जाएं। बिना करीबी दोस्त बने भी एक पेशेवर और गरिमापूर्ण माहौल में बेहतरीन काम किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि वेब सीरीज अक्का एक थ्रिलर गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें महिलाओं को मुख्यधारा में दिखाया गया है। इस सीरीज का निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है, जो इस शो के लेखक भी हैं। यह कहानी 1980 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित एक काल्पनिक दुनिया को दर्शाती है, जिसे पीढ़ियों से महिलाओं ने ही बनाया, चलाया और संरक्षित रखा है। यह बहुप्रतीक्षित सीरीज 30 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है।

अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने एक महत्वपूर्ण संदेश किया साझा

विभिन्न लोकप्रिय धारावाहिकों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने वाली अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने देश में सामाजिक सौहार्द, शांति और धार्मिक एकता बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश साझा किया है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने धर्म से सच्चा प्रेम करें, लेकिन साथ ही दूसरों के धार्मिक अकीदों और आस्थाओं का भी पूरा सम्मान करें। अपने बयान में अभिनेत्री ने हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों में हुए विरोध-प्रदर्शनों और आंदोलनों के कारण अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रतिकूल प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि त्योहारों के व्यस्त सीजन के दौरान ऐसे प्रदर्शनों के कारण व्यापारिक गतिविधियों को लगभग 3000 करोड़ रुपये का भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है, जो एक विकासशील देश के लिए काफी चिंताजनक है। पवित्रा पुनिया ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि कई लोग बुनियादी तथ्यों को समझे बिना ऐसी आर्थिक समस्याओं और आंकड़ों का सोशल मीडिया पर मजाक उड़ाते हैं। उन्होंने देश की जमीनी हकीकत पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जब कोई आम नागरिक दो वक्त की रोटी के लिए कड़ा संघर्ष कर रहा हो, तब इस तरह के गतिरोध देश के हित में नहीं हो सकते। उन्होंने युवा पीढ़ी (जेन जी) का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर सक्रिय कुछ प्रभावकारियों (इन्फ्लुएंसर्स) द्वारा फैलाई जा रही मनगढ़ंत बातों और भ्रामक जानकारियों से युवाओं को बचना चाहिए। युवाओं में अपार क्षमता और ज्ञान है, इसलिए उन्हें किसी के बहकावे में आकर अपनी सोच को दूषित नहीं करना चाहिए। एक सनातनी हिंदू होने पर गर्व व्यक्त करते हुए पवित्रा ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी भी अन्य समुदाय या धर्म के लोगों से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने भारत के सामाजिक ताने-बाने को याद दिलाते हुए कहा कि बांटो और राज करो की विभाजनकारी सोच कुछ स्वार्थी तत्वों की देन है, जो देश की मूल भावना के विपरीत है। अपने व्यक्तिगत जीवन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके आसपास कई मुस्लिम परिवार रहते हैं और सभी लोग आपस में प्रेम, भाईचारे और शांति के साथ मिलकर रहते हैं। भारत की असली ताकत उसकी सांस्कृतिक विविधता और एकता का अनूठा बंधन है, जिसे हर कीमत पर सुरक्षित और अक्षुण्ण रखा जाना चाहिए।



इंडो-रशियन फिल्म से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कदम रखेंगी सैयामी खेर, भाषा की सीमाओं से परे जा किया काम



अभिनेत्री सैयामी खेर जल्द ही एक इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म के जरिए अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में अपना पदार्पण करने जा रही हैं। इस अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट के अपने अनुभवों को साझा करते हुए सैयामी ने बताया कि एक विदेशी क्रू के साथ मॉस्को में शूटिंग करना उनके लिए बेहद नया और रोमांचक अनुभव था। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के लोगों के साथ काम करने से कहानी को देखने और समझने का एक नया वैश्विक नजरिया मिलता है। सैयामी खेर के अनुसार भाषा और देश की सीमाओं से परे जाकर काम करना किसी भी कलाकार के लिए सीखने का बहुत बड़ा अवसर होता है। हालांकि उन्होंने फिल्म की विस्तृत कहानी का खुलासा नहीं किया, लेकिन बताया कि यह एक मजबूत महिला चरित्र पर आधारित गहन ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन रूसी निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव कर रहे हैं। सैयामी इससे पहले निर्देशक प्रियदर्शन की बहुचर्चित क्राइम थ्रिलर फिल्म हैवान में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में थे।

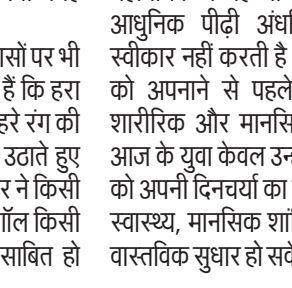


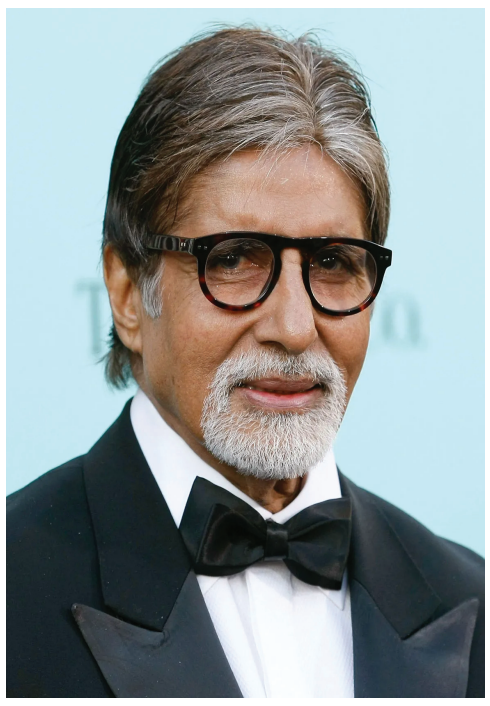
मां बनने के बाद शरीर में आए बदलावों और मानसिक संघर्ष पर करिश्मा तन्ना का छलका दर्द

हाल ही में मातृपद प्राप्त करने वाली मशहूर अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में होने वाले प्राकृतिक बदलावों और उससे जुड़ी मानसिक चुनौतियों पर बेहद संवेदनशीलता के साथ अपनी बात रखी है। उन्होंने स्वीकार किया है कि एक नन्हें शिशु को जन्म देने के बाद अपने बदले हुए शरीर को स्वीकार करना और उसके साथ सामंजस्य बिठाना कभी-कभी काफी कठिन और थकाऊ साबित होता है। अभिनेत्री ने अपने दिल के उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार उन्हें गर्भावस्था से पहले वाले अपने सुगठित शरीर की बेहद याद आती है। जब भी वह आईने के सामने खड़ी होती हैं, तो पेट का ढीलापन, त्वचा में आई शिथिलता और शारीरिक आकार में आए बदलाव उन्हें स्पष्ट नजर आते हैं। कपड़े खरीदने या तैयार होने की इच्छा भी ऐसे समय में अक्सर खत्म हो जाती है, जो किसी भी नई मां के लिए मानसिक रूप से काफी भारी पड़ सकता है। हालांकि, करिश्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी स्थितियों में खुद के प्रति कठोर होने के बजाय दयालुता का भाव रखना बेहद आवश्यक है। उन्होंने खुद को यह याद दिलाया कि उनके शरीर ने एक नए जीवन को जन्म दिया है और उसके विकास के लिए नौ महीनों तक सुरक्षित माहौल प्रदान किया है। शिशु के जन्म को अभी केवल ढाई महीने का समय ही बीता है, ऐसे में इतनी जल्दी पुरानी शारीरिक संरचना को वापस पाने की उम्मीद लगाना बेमानी है। करिश्मा का मानना है कि एक महिला एक ही समय में मां बनने के सुखद अनुभव के प्रति आभारी भी हो सकती है और साथ ही अपने पुराने स्वरूप को खोने का दर्द भी महसूस कर सकती है। यह दोनों भावनाएं बिल्कुल स्वाभाविक हैं और इन्हें स्वीकार किया जाना चाहिए। अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि जिस कोमलता और प्रेम की हकदार मांएं अपने बच्चों को मानती हैं, वही कोमलता उन्हें खुद अपने प्रति भी दिखानी चाहिए। वे अब अपनी शारीरिक बनावट की आलोचना करने के बजाय अपने शरीर को ठीक होने, मजबूत बनने और पुन: सहज महसूस करने का पूरा समय दे रही हैं। उन्होंने अन्य सभी माताओं को सांत्वना देते हुए कहा कि वे इस मानसिक और शारीरिक सफर में बिल्कुल अकेली नहीं हैं। गौरतलब है कि करिश्मा तन्ना और उनके पति वरुण बंगेरा ने इस वर्ष अप्रैल में अपने पहले बच्चे के आगमन की खुशखबरी साझा की थी, जिसके बाद जुलाई में उनके घर एक सुंदर बेटे का जन्म हुआ।

परिणीति के समर्थन में उतरीं जेनिफर

वेब सीरीज शक : ट्रस्ट नो वन की सफलता के उपलक्ष्य में आयोजित एक पार्टी के दौरान का वीडियो इंटरनेट पर वायरल होने के बाद अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। वायरल वीडियो में ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे परिणीति ने अपनी सह-कलाकार जेनिफर विंगेट को फोटो क्लिक कराने के दौरान नजरअंदाज किया। अब इस विवाद पर खुद जेनिफर विंगेट ने चुप्पी तोड़ी है और परिणीति चोपड़ा का समर्थन करते हुए सभी तरह की अफवाहों और ट्रोलिंग को खारिज कर दिया है। जेनिफर विंगेट ने स्पष्ट किया कि उनके और परिणीति के बीच किसी भी प्रकार की अनबन नहीं है। उन्होंने बताया कि पार्टी के दौरान मंच पर जगह की कमी थी, जिसके कारण वे स्वयं पीछे हट गई थीं। परिणीति हमेशा उनके प्रति बहुत ही दयालु और सम्मानजनक रही हैं। जेनिफर ने लोगों से अपील की कि वे इस साधारण सी बात को गलत रूप देकर नकारात्मकता न फैलाएं।





अमिताभ बच्चन ने पारंपरिक अंधविश्वासों पर उठाए सवाल कहा- आधुनिक पीढ़ी मानती है केवल वैज्ञानिक तर्क

भारतीय सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन अक्सर अपने विचारों और अनुभवों को अपने व्यक्तिगत ब्लॉग के माध्यम से प्रशंसकों के साथ साझा करते रहते हैं। अपने एक हालिया ब्लॉग पोस्ट में अमिताभ बच्चन ने समाज में गहराई से रची-बसी पुरानी परंपराओं, मान्यताओं और अंधविश्वासों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकांश लोग बिना किसी तर्क या अर्थ को समझे केवल पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही प्रथाओं का पालन करते आ रहे हैं। अपने इस लेखन में उन्होंने इस बात पर गहराई से प्रकाश डाला कि किस प्रकार समय बीतने के साथ इंसान की व्यक्तिगत इच्छाएं, सोच और जीवन को देखने का नजरिया पूरी तरह से बदल जाता है।

ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि इंसान के जीवन में एक ऐसा पड़ाव भी आता है जब वह उन सभी चीजों को दोबारा करना चाहता है, जिनसे उसे अतीत में रोका गया था। उन्होंने जीवन के बदलते चक्र का वर्णन करते हुए कहा कि एक समय में इंसान पूरी तरह से बेफिक्र होता है और फिर जीवन के उत्तरार्ध में वह दोबारा उसी बेफिक्री को पाना चाहता है। इंसान का दिमाग कई बार अजीब तरह से निर्णय लेता है, लेकिन यह प्रक्रिया इंसान को एक अलग प्रकार का मानसिक सुकून भी प्रदान करती है। परंपराओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने शनिवार को नाखून न काटने जैसी मान्यताओं का उदाहरण दिया। उन्होंने लिखा कि शनिवार को नाखून न काटने को अशुभ माना जाता है और यह प्रथा केवल अज्ञात डर के कारण आज भी समाज में अपनी जगह बनाए हुए है।

इसके साथ ही उन्होंने रत्नों से जुड़े अंधविश्वासों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने लिखा कि लोग कहते हैं कि हरा पत्थर मत पहनो, बल्कि उसकी जगह एक हरे रंग की शॉल अपने पास रख लो। इस पर सवाल उठाते हुए अमिताभ बच्चन ने पूछा कि उस निर्दोष पत्थर ने किसी का क्या बिगाड़ा है और पास में रखी हरी शॉल किसी व्यक्ति के लिए किस प्रकार लाभदायक साबित हो सकती है। इन खोखले तर्कों पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि डर के कारण लोग आज्ञाकारी बनकर इन प्रथाओं को स्वीकार करते रहते हैं। हालांकि, महानायक ने यह भी स्वीकार किया कि आज की आधुनिक पीढ़ी अंधविश्वासों को आंख मूंदकर स्वीकार नहीं करती है। वर्तमान पीढ़ी किसी भी प्रथा को अपनाने से पहले उसके पीछे के वैज्ञानिक, शारीरिक और मानसिक कारणों को समझती है। आज के युवा केवल उन्हीं परंपराओं और जीवनशैली को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाते हैं, जिनसे उनके स्वास्थ्य, मानसिक शांति और जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार हो सके।

बारिश से टला विपक्ष का 'सड़क पर संसद' कार्यक्रम, अब शनिवार को खड़गे के आवास पर जुटेंगे INDIA ब्लॉक के नेता

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग की तैयारी; 1 नवंबर को 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर शुक्रवार को होने वाला विपक्षी गठबंधन INDIA ब्लॉक का 'सड़क पर संसद' कार्यक्रम बारिश के कारण स्थगित कर दिया गया है। अब यह कार्यक्रम शनिवार को आयोजित होगा। राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि मौसम खराब होने के कारण कार्यक्रम एक दिन आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अगले दिन रामलीला मैदान तक मार्च निकाला जाएगा। इसके लिए राजनीतिक दलों, छात्र संगठनों और आम लोगों से शामिल होने की अपील की गई है। इस कार्यक्रम में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग लाने की मांग उठाई जाएगी। विपक्षी दलों का आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर गंभीर सवाल हैं। इसी मुद्दे पर INDIA ब्लॉक एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली भी आयोजित करेगा। समाजवादी पार्टी के नेता धर्मेंद्र यादव ने कहा कि विपक्ष जिस मुद्दे को लेकर संघर्ष कर रहा है, उसे देश के लोग समझ रहे हैं और समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में एमएलसी चुनाव का जिक्र करते हुए भाजपा पर बेईमानी और जोड़तोड़ के जरिए सीटें जीतने का आरोप लगाया। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा कि यह लड़ाई केवल राजनीतिक दलों की नहीं, बल्कि आम लोगों की भी है। उन्होंने विपक्षी दलों के एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने की बात कही। व्यापारियों ने रैली टालने की मांग उठाई इस बीच चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने एक नवंबर को प्रस्तावित रैली स्थगित करने की मांग की है। संगठन ने इस संबंध में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को पत्र लिखा है। इससे पहले सीटीआई राहुल गांधी को भी तीन बार पत्र लिख चुका है। संगठन का दावा है कि रैली के कारण दिल्ली के करीब 20 बाजारों में 10 हजार से 12 हजार करोड़ रुपये के कारोबार पर असर पड़ सकता है। साथ ही भारी यातायात जाम की आशंका जताते हुए रैली दिवाली के बाद कराने या इसे बुराड़ी मैदान में स्थानांतरित करने का सुझाव दिया है। रैली, संभावित प्रदर्शनों और त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार ने दिल्ली में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की 270 कंपनियों की तैनाती 16 नवंबर तक बढ़ा दी है। इन बलों की तैनाती और व्यवस्था की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस संभालेगी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इसमें



सीआरपीएफ की 125, बीएसएफ की 46, आईटीबीपी की 39, एसएसबी की 31, आरएएफ की 20 और सीआईएसएफ की 12 कंपनियां शामिल हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर INDIA ब्लॉक के नेता छह से 13 अक्टूबर के बीच कई बैठकें और प्रदर्शन कर चुके हैं।

भूटान में ग्लेशियर झील फटी, गर्म पानी का मशहूर कुंड बहा; भारत के चार जिलों में बाढ़ का खतरा

महानगर मेट्रो ब्यूर

भूटान। भूटान में गुरुवार देर रात शिंताफू ग्लेशियर झील फटने से भारी तबाही मच गई। झील से निकले पानी के तेज बहाव में देश का मशहूर गर्म पानी का कुंड 'गासा त्साचु' पूरी तरह बह गया। इसके अलावा पुनाखा-गासा हाईवे का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके चलते मार्ग पर यातायात बंद करना पड़ा। हालांकि, अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। झील से निकले पानी के कारण संकोश नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। भूटान से निकलने वाली यह नदी भारत में पश्चिम बंगाल और असम के सीमावर्ती इलाकों से गुजरते हुए आगे ब्रह्मपुत्र नदी में मिलती है। नदी के बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए दोनों राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाते हुए 10 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में पहुंचाया है। रातभर सायरन बजाकर लोगों को सतर्क किया गया और जल्द से जल्द घर खाली करने की अपील की गई। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और आपदा प्रबंधन की टीमें तैनात की गई हैं। शिंताफू झील से निकला पानी नदियों के रास्ते भारत के मैदानी इलाकों तक पहुंच सकता है। सबसे पहले पानी भूटान की मो छू नदी में पहुंचेगा। आगे मो छू और फो छू नदियां मिलकर पुनात्सांगछू नदी बनाती हैं।



त्योहारी सीजन में सोना-चांदी खरीदने वालों को राहत, एक दिन में चांदी 9 हजार और सोना 2,200 रुपए सस्ता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। त्योहारी सीजन में सोना-चांदी खरीदने की तैयारी कर रहे लोगों के लिए राहत की खबर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत डॉलर और ऊंचे भाव पर बड़े निवेशकों की बिकवाली के चलते घरेलू बाजार में दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, एक किलो चांदी की कीमत 9,134 रुपए घटकर 1.81 लाख रुपए रह गई। इससे पहले गुरुवार को चांदी 1.90 लाख रुपए प्रति किलो पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,201 रुपए गिरकर 1.41 लाख रुपए पर आ गया। इस महीने सोना-चांदी दोनों के भाव में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। चांदी अब तक 39,485 रुपए और सोना 8,084 रुपए सस्ता हो चुका है। एक अक्टूबर 2026 को एक किलो चांदी की कीमत 2.20 लाख रुपए और 10 ग्राम सोने का भाव 1.48 लाख रुपए था। सोने की कीमतों में गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह ऊंचे भाव पर निवेशकों की मुनाफावसूली मानी जा रही है। त्योहारों से पहले सोने की कीमतें काफी बढ़ गई थीं, ऐसे में बड़े निवेशकों ने मुनाफा कमाने के लिए बिकवाली शुरू कर दी। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड की मजबूती ने सोने की मांग और कीमतों पर दबाव बनाया है। रिकॉर्ड ऊंचे भाव के कारण आम खरीदारों ने भी फिलहाल खरीदारी सीमित कर दी है। चांदी की कीमतों में गिरावट के पीछे औद्योगिक मांग में कमजोरी और बाजार में बढ़ी बिकवाली को प्रमुख कारण बताया जा रहा है।



बनासकांठा में मोदी का किसानों को संदेश, बोले- यहां के लोग आलू से पहले ही सोना बना रहे

चारपाइयों पर बैठी जनता को देखकर बोले- गांवों की परंपरा ने सभा को बनाया खास; किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी, 9.34 करोड़ से अधिक किसानों को मिलेंगे 18,690 करोड़ रुपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के बनासकांठा में आयोजित जनसभा में किसानों की मेहनत और क्षेत्र की कृषि उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि यहां का आलू दुनियाभर में मशहूर है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि बनासकांठा में कोई यह दावा नहीं करता कि आलू से सोना बनाएंगे, क्योंकि यहां के किसान पहले से ही आलू से सोना बना रहे हैं। मोदी ने कहा कि यहां के किसानों ने अपनी मेहनत और नवाचार से खेती को कमाई का मजबूत माध्यम बनाया है। सभा में किसानों के बैठने के लिए कुर्सियों के बजाय चारपाइयों की व्यवस्था की गई थी। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के लोगों के लिए यह दृश्य किसी अजूबे से कम नहीं होगा कि एक बड़ी सभा में सभी लोग चारपाइयों पर बैठे हैं। बनासकांठा के लोगों ने गांवों की पुरानी परंपरा को जीवित रखा है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि यदि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रतिनिधियों को बुलाया गया होता तो शायद यह आयोजन रिकॉर्ड में दर्ज हो जाता। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी की। इसके तहत 9.34 करोड़ से अधिक किसान परिवारों के खातों में 18,690 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि भेजी जानी है। उन्होंने गुजरात में 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास



परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इसके साथ ही दो नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि करीब 25 साल पहले बनासकांठा में बिजली और पानी की समस्या गंभीर थी। उस समय जब वे लोगों से पानी और बिजली बचाने की बात करते थे तो कई लोग इसका विरोध करते थे। उन्होंने कहा कि लगातार प्रयासों से क्षेत्र में बदलाव आया है, लेकिन अब भी पानी और बिजली का संरक्षण जरूरी है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने खेती के साथ पशुपालन और जैविक संसाधनों को आय का अतिरिक्त माध्यम बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि किसानों को गोबर और कृषि अवशेषों से भी कमाई हो। इसके लिए बायोगैस, बायो-सीएनजी और जैविक खाद तैयार करने से जुड़ा बुनियादी ढांचा बढ़ाया जा रहा है। इससे किसानों की आमदनी बढ़ने के साथ खेती की लागत कम करने में भी मदद मिल सकती है। मोदी ने कहा कि सरकार ने पशुओं के मुफ्त टीकाकरण की व्यवस्था शुरू की है और आठ करोड़ से अधिक पशुओं को टीके लगाए जा चुके हैं। इससे पशुपालकों का खर्च बचा है और पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2013-14 में एक गाय या भैंस से औसतन पांच लीटर से भी कम दूध मिलता था, जबकि अब यह बढ़कर करीब आठ लीटर हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2013-14 की तुलना में कृषि बजट पांच गुना हो चुका है। किसान सम्मान निधि के तहत जारी राशि का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि गुजरात के 50 लाख से अधिक किसानों को भी इसका लाभ मिला है। राज्य के किसानों के खातों में करीब एक हजार करोड़ रुपये पहुंचे हैं, जबकि बनासकांठा के किसानों को लगभग 50 करोड़ रुपये मिले हैं। मोदी ने अपने पुराने राजनीतिक सफर को याद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद वर्ष 2001 में उनका पहला सार्वजनिक कार्यक्रम बनासकांठा में हुआ था, जिसमें करीब 93 लाख लोगों के पहुंचने का उन्होंने उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों बाद इस क्षेत्र में आकर उन्हें यहां हुए बदलावों और किसानों की मेहनत को करीब से देखने का अवसर मिला है।

इजराइल की राजनीति में नया समीकरण, नेतन्याहू के सहयोगी दल ने आइजनकोट को समर्थन का दिया प्रस्ताव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इजराइल। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी दल यूनाइटेड टोरा जूडिज्म ने देश की राजनीति में नया समीकरण खड़ा करते हुए विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया है। चुनाव में सात सीटें जीतने वाली पार्टी ने समर्थन के बदले हरेदी समुदाय के लोगों को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट जारी रखने की मांग रखी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यूनाइटेड टोरा जूडिज्म ने आइजनकोट की सरकार में शामिल हुए बिना बाहर से समर्थन देने की पेशकश की है। इसके तहत पार्टी सरकार के खिलाफ होने वाले मतदान में विरोध करने के बजाय मतदान से दूर रह सकती है। इससे आइजनकोट को संसद में बहुमत जुटाने और सरकार चलाने में मदद मिल सकती है। इजराइल में आम नागरिकों के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है, लेकिन हरेदी समुदाय के धार्मिक छात्रों को लंबे समय से बड़े स्तर पर इससे छूट मिलती रही है। नेतन्याहू सरकार इस छूट को जारी रखने के पक्ष में रही है, जबकि गादी आइजनकोट इसका विरोध करते आए हैं। उनका मानना है कि हरेदी समुदाय के लोगों को भी देश की अनिवार्य सैन्य सेवा में हिस्सा लेना चाहिए। ऐसे में यूनाइटेड टोरा जूडिज्म की शर्त आइजनकोट के सामने राजनीतिक और नीतिगत चुनौती खड़ी कर सकती है।द्व इस बीच, नई संसद के गठन से पहले इजराइल की राजनीतिक पार्टियों ने अपने संसदीय दलों के नेताओं के नाम तय करने शुरू कर दिए हैं। गादी आइजनकोट ने अपनी यशार पार्टी से चुने गए सांसद रॉय फोकमैन को संसदीय दल का नेता नियुक्त किया है।



बाइनेंस पर दुनिया का सबसे बड़ा साइबर हमला! 20 मिनट में 60 हजार करोड़ की क्रिप्टो चोरी का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस पर बड़े साइबर हमले का दावा सामने आया है। बताया जा रहा है कि साइबर हमलावरों ने महज 20 मिनट में कंपनी के ट्रांजैक्शन वॉलेट्स से 6.3 अरब डॉलर यानी करीब 60 हजार करोड़ रुपये के क्रिप्टो एसेट्स चुरा लिए। इस घटना को क्रिप्टोकरेंसी के इतिहास की सबसे बड़ी हैकिंग में से एक बताया जा रहा है। हमले के बाद कंपनी ने सुरक्षा जांच पूरी होने तक ग्राहकों के खातों में जमा और निकासी की सुविधा रोक दी है। इसका मतलब है कि फिलहाल ग्राहक न तो अपने खाते में नई राशि जमा कर सकते हैं और न ही पहले से मौजूद पैसा या क्रिप्टोकरेंसी बाहर निकाल सकते हैं। घटना की खबर सामने आने के बाद बिटकॉइन समेत कई अन्य क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज किए जाने का दावा किया गया है। बताए गए घटनाक्रम के अनुसार, साइबर हमलावरों ने बाइनेंस के ट्रांजैक्शन प्रोसेस करने वाले डिजिटल वॉलेट्स को निशाना बनाया। भारतीय समय के अनुसार हमला शुक्रवार रात करीब 1:30 बजे हुआ। हमलावरों ने कंपनी के सुरक्षा तंत्र में सेंध लगाकर सिस्टम तक पहुंच बनाई और बड़ी मात्रा में क्रिप्टो एसेट्स अपने नियंत्रण में ले लिए। हमले का पता चलते ही कंपनी ने लेनदेन पर रोक लगा दी, ताकि संभावित नुकसान को आगे बढ़ने से रोका जा सके। बाइनेंस ने निकासी सुविधा अगले 45 घंटों में बहाल करने का लक्ष्य बताया है। हालांकि, यह समय सुरक्षा जांच और तकनीकी स्थिति पर निर्भर करेगा। बाइनेंस ने ग्राहकों को भरोसा दिलाया है कि जांच में यदि उनके खातों से किसी तरह के नुकसान की पुष्टि होती है तो उसकी भरपाई की जाएगी। कंपनी की सुरक्षा टीमें अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ मिलकर मामले की जांच कर रही हैं।



2027 चुनाव में महिला आरक्षण पर बड़ा ऐलान, बोले- भाजपा से ज्यादा महिलाओं को देंगे टिकट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को स्वामी प्रसाद मौर्य के इंडिया गठबंधन में शामिल होने के दावे से खुद को अलग करते हुए साफ कहा कि मौर्य उनके गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस संबंध में सवाल पूछे जाने पर अखिलेश ने नाराजगी जताते हुए कहा, 'हमारी सीटों में शामिल नहीं हो सकते। अवॉइड करो, इग्नोर करो।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्वामी प्रसाद मौर्य के राजनीतिक फैसलों और उनकी पार्टी का समाजवादी पार्टी से कोई संबंध नहीं है।

2027 में महिलाओं को ज्यादा टिकट देने का ऐलान

आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर अखिलेश यादव ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी भाजपा से ज्यादा महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारेगी। उनके इस बयान को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी और महिला मतदाताओं को लेकर पार्टी की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। अखिलेश ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव के नतीजों को लेकर भाजपा पर



निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों ने भाजपा को आईना दिखा दिया है और धूमधाम मचाने वाले धड़ाम से गिर गए हैं। उन्होंने दावा किया कि भले ही सीटों की गिनती में केवल पांच एमएलसी सीटें दिखाई देती हों, लेकिन भाजपा 50 जिलों में पीछे रही है उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने छह सीटें बेईमानी और छल के जरिए जीती हैं। अखिलेश के मुताबिक, जनता के समर्थन से समाजवादी पार्टी को जीत मिली है, जबकि भाजपा की जीत के पीछे चुनावी अनियमितताएं रही हैं। उन्होंने कहा कि आम जनता के बीच भाजपा को लेकर बेईमानी की धारणा बन रही है। ये सभी आरोप अखिलेश यादव ने अपने बयान में लगाए। अमित शाह के दौरे पर कसा तंज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लखनऊ दौरे से जुड़े सवाल पर अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा, 'बड़ी देर कर दी मेहरबां आते-आते। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद मौर्य ने किया था गठबंधन का ऐलानरू स्वामी प्रसाद मौर्य ने तीन अक्टूबर को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात के बाद इंडिया गठबंधन में शामिल होने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि सीटों को लेकर बातचीत बाद में की जाएगी और उनकी इच्छा है कि राहुल गांधी देश के अगले प्रधानमंत्री बनें। मौर्य इससे पहले समाजवादी पार्टी के नेतृत्व पर समाजवादी विचारधारा से भटकने और अपने साथ भेदभाव करने के आरोप लगा चुके हैं। रामचरितमानस और अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर उनके बयानों के बाद पार्टी के भीतर विरोध हुआ था। मौर्य का आरोप था कि उस दौरान पार्टी नेतृत्व ने उनका बचाव नहीं किया। 0 फरवरी 2024 को सपा से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने 22 फरवरी को अपनी अलग पार्टी राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी बनाई थी। अब अखिलेश यादव के ताजा बयान से दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक दूरी एक बार फिर स्पष्ट हो गई है।

बद्रीनाथ से देहरादून जा रहा हेलिकॉप्टर क्रैश, पायलट समेत छह लोगों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड में शुक्रवार को एक दर्दनाक हेलिकॉप्टर हादसे में पायलट समेत छह लोगों की मौत हो गई। बद्रीनाथ से देहरादून आ रहा निजी कंपनी का हेलिकॉप्टर जोशीमठ के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद बचाव दल ने मौके से सभी छह लोगों के शव बरामद कर लिए हैं। जानकारी के अनुसार, ट्रांस भारत एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के हेलिकॉप्टर ने दोपहर करीब 1:14 बजे बद्रीनाथ से देहरादून के सहस्त्रधारा के लिए उड़ान भरी थी। जोशीमठ घाटी के ऊपर पहुंचने के दौरान हेलिकॉप्टर का संपर्क टूट गया। इसके बाद ट्रैकिंग सिस्टम पर भी उसकी लोकेशन मिलनी बंद हो गई। हेलिकॉप्टर में पायलट कैप्टन हिमांशु के अलावा पांच यात्री सवार थे। यात्रियों की पहचान प्रतापा, अरुण, शंकर गौड़ा, सुधीर के. और एचएस नटराज के रूप में हुई है। सभी यात्री बेंगलुरु के बताए जा रहे हैं। इपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी के अनुसार, जेपी डैम के ऊपर जंगल में सफेद रंग की किसी वस्तु में आग लगने की सूचना मिली थी। इसकी जांच के लिए दो हेलिकॉप्टर भेजे गए। तलाश के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर का मलबा मिला और हादसे में सवार सभी छह लोगों की मौत की पुष्टि हुई। घटना के बाद एहतियातन ट्रांस भारत एविएशन के सभी हेलिकॉप्टरों की उड़ानें रोक दी गई हैं। यह दुर्घटना ऐसे समय हुई है, जब उत्तराखंड के कई इलाकों में मौसम खराब बना हुआ है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश और बर्फबारी हो रही है। हालांकि, हेलिकॉप्टर हादसे की वास्तविक वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मौसम की स्थिति और दुर्घटना के अन्य संभावित कारणों की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। हेलिकॉप्टर हादसों के आंकड़े भी चिंता बढ़ाने वाले हैं। केंद्र सरकार के मुताबिक, वर्ष 2016 से 2026 के बीच उत्तराखंड में हेलिकॉप्टर से जुड़े 12 हादसे हुए, जिनमें 27 लोगों की जान गई।



प्रयागराज में जमीन के नीचे दबे 5 करोड़ का रहस्य गहराया, घर में मिले चार बंद बक्से

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रयागराज। जिले के बरईपुर गांव में जमीन के नीचे दबाकर रखे गए करीब 5 करोड़ रुपए मिलने के मामले में जांच का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। घर और आसपास की जमीन में कहीं और नकदी छिपी होने की आशंका के चलते ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार की मदद ली जा रही है। शुक्रवार को जांच के दौरान घर के अंदर चार बंद बक्से भी मिले, जिन पर ताले लगे हुए हैं। पुलिस ने घर में खुदाई शुरू कर दी है, जबकि मामले की कड़ियां जोड़ने के लिए एक टीम पुणे रवाना की गई है। जांच में पुलिस के साथ आयकर विभाग के छह अधिकारी, बैंक के दो अधिकारी और दो कर्मचारी जुटे हैं। मौके पर करीब 32 पुलिसकर्मी और एक डॉग स्क्वायड टीम भी मौजूद है। खुदाई के लिए 12 मजदूरों को बुलाया गया है। टीमें यह पता लगाने में जुटी हैं कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई और उसे पुणे से प्रयागराज लाकर जमीन में क्यों दबाया गया। बुधवार रात जिला मुख्यालय से करीब 32 किलोमीटर दूर बरईपुर गांव में राकेश यादव के घर से नकदी बरामद हुई थी। घर के अंदर जमीन में दबाए गए तीन नीले ड्रमों से 500 रुपए के नोटों की गड्डियां मिली थीं। इन गड्डियों को कपड़े में लपेटकर ड्रमों में रखा गया था। बरामद रकम करीब 5 करोड़ रुपए आंकी गई है।


नीले ड्रम में करोड़ो रुपए

पहली डिजिटल जनगणना में पूछे जाएंगे 40 सवाल, 10 से 24 जनवरी तक नागरिक खुद ऑनलाइन भर सकेंगे जानकारी; करीब 30 लाख प्रगणक और सुपरवाइजर संभालेंगे जिम्मेदारी

95 साल बाद देश में फिर होगी जाति आधारित जनगणना, 25 जनवरी 2027 से शुरू होगा दूसरा चरण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में जनगणना की तैयारियां तेज हो गई हैं। जनगणना का दूसरा चरण 25 जनवरी 2027 से शुरू होकर 28 फरवरी तक चलेगा। इस बार की जनगणना कई मायनों में ऐतिहासिक होगी, क्योंकि करीब 95 साल बाद देश में जाति आधारित गणना की जा रही है। वर्ष 1931 के बाद पहली बार जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी दर्ज की जाएगी। इस प्रक्रिया के दौरान नागरिकों से कुल 40 सवाल पूछे जाएंगे। खास बात यह है कि भारत में पहली बार पूरी जनगणना डिजिटल माध्यम से कराई जाएगी। जनगणना का पहला चरण जून 2026 में पूरा हो चुका है। इसमें मकानों की सूची तैयार करने और घरों की गणना से जुड़ा काम किया गया। अब दूसरे चरण में परिवारों और नागरिकों से संबंधित विस्तृत जानकारी जुटाई जाएगी। इसके लिए गृह मंत्रालय के अधीन रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय ने प्रक्रिया निर्धारित की है। सेंसस एक्ट 1948 की धारा 3 के तहत जारी अधिसूचना के अनुसार, दूसरे चरण का काम निर्धारित कार्यक्रम के तहत पूरा किया जाएगा। इस बार जनगणना में आम नागरिकों को स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कराने की सुविधा भी मिलेगी। इसके लिए 10 जनवरी से 24 जनवरी 2027 तक ऑनलाइन पोर्टल उपलब्ध रहेगा। इस अवधि में लोग अपने घर और परिवार से जुड़ा निर्धारित विवरण खुद भर सकेंगे। इसके बाद जनगणना प्रगणक संबंधित घरों में पहुंचकर जानकारी का सत्यापन करेंगे और आवश्यक विवरण दर्ज करेंगे। ऑनलाइन जानकारी भरने की सुविधा से जनगणना की प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक और पारदर्शी बनाने का प्रयास किया गया है। हालांकि, डिजिटल माध्यम से जानकारी देने के बाद भी प्रगणकों की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। वे घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी परिवार या व्यक्ति की जानकारी छूट न जाए। इसके बाद पांच दिन का रिवीजन राउंड भी आयोजित किया जाएगा, ताकि दर्ज किए गए आंकड़ों की दोबारा जांच हो सके और किसी प्रकार की त्रुटि को सुधारा जा सके देश की पहली डिजिटल जनगणना में तकनीक की बड़ी भूमिका होगी। इसके लिए करीब 30 लाख प्रगणक और सुपरवाइजर तैनात किए जाएंगे। ये कर्मचारी टैबलेट और मोबाइल ऐप के माध्यम से आंकड़े जुटाएंगे। डिजिटल व्यवस्था के जरिए जानकारी दर्ज करने, उसे सुरक्षित रखने और आगे की प्रक्रिया में इस्तेमाल करने में सुविधा होगी। इससे कागजी रिकॉर्ड पर निर्भरता भी कम होगी। जनगणना के लिए एक निश्चित संदर्भ तिथि भी निर्धारित की गई है। इसके अनुसार, 1 मार्च 2027 की रात 12 बजे को रेफरेंस डेट माना जाएगा। यानी जनगणना के आंकड़ों में नागरिकों और परिवारों की स्थिति इसी निर्धारित समय के आधार पर दर्ज की जाएगी।



printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.